प्रकाशन का सफलतम 17 वां वर्ष

सुविचार

मन अशांत है और उसे
नियंत्रित करना कठिन है,
लेकिन अभ्यास से इसे
वश में किया जा सकता है!!!

श्रीमद् भगवद् गीता

पूर्वांचल सूर्य

आवाज आज की, नज़र कल पर

रांची > दिल्ली > देवघर से प्रकाशित

www.purvanchalsurya.com

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

वर्ष - 17 | अंक 268 | दैनिक | रांची | सोमवार 13 मई 2024 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 4.00

चौथे चरण का मतदान आज, सख्त रहेगी सुरक्षा व्यवस्था

अखिलेश, ओवैसी और अधीर रंजन चौधरी की किस्मत का होगा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण का मतदान सोमवार 13 मई को होगा। इस चरण में कुल 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 96 लोकसभा क्षेत्रों में वोट डाले जाएंगे। इनमें आंध्र प्रदेश की 25, बिहार की 5, झारखंड की 4, मध्य प्रदेश की 8, महाराष्ट्र की 11, ओडिशा की 4, तेलंगाना की 17, उत्तर प्रदेश की 13, पश्चिम बंगाल की 8, जम्मू-कश्मीर की 1 सीट शामिल हैं। सभी जगह मतदान सुबह सात बजे शुरू होगा और शाम छह बजे तक जारी रहेगा। चौथे चरण में कुल 1717 उम्मीदवार मैदान में हैं। इस चरण में कई महत्वपूर्ण नेताओं की किस्मत का फैसला होना है। इनमें यूपी के कन्नौज से सपा नेता अखिलेश यादव, बिहार के बेगूसराय से बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, उजियारपुर से बीजेपी नेता और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, मुंगेर के जेडीयू के ललन सिंह, पश्चिम बंगाल के बहरामपुर से कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी, तेलंगाना के हैदराबाद से एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी और पश्चिम बंगाल के आसनसोल से टीएमसी के शत्रुघन सिन्हा खास हैं। इनके अलावा पश्चिम बंगाल के बहरामपुर से टीएमसी के यूसुफ पठान, कृष्णानागर से टीएमसी की महुआ मोइत्रा, बर्धमान-दुर्गापुर से बीजेपी के दिलीप घोष और टीएमसी के कीर्ति आजाद, महाराष्ट्र के बीड से बीजेपी की पंकजा मुंडे, तेलंगाना के करीमनगर से बीजेपी नेता बंडी संजय कुमार, सिकंदराबाद से बीजेपी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी, हैदराबाद से बीजेपी की माधवी लता और झारखंड के सिंघभूम से गीता कोड़ा, खूंटी से पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा और यूपी के खीरी से केंद्रीय मंत्री अजय कुमार मिश्रा के भाग्य का फैसला भी जनता इसी चरण में करेगी। चौथे चरण के चुनाव में ही आंध्र प्रदेश की सभी 25 लोकसभा सीटों के साथ ही 175 विधानसभा सीटों पर भी मतदान होगा।

गिरिराज ने बुर्का पहनकर वोट करने पर उठाए सवाल

- बोले-पोलिंग एजेंट पहचान के लिए नकाब हटाने को कहें तो धार्मिक कट्टरता से नहीं जोड़ना चाहिए

बेगूसराय (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि वोटिंग के समय बुर्के के इस्तेमाल पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन, बुर्के में चेहरे की पहचान नहीं होती

है। अगर पोलिंग एजेंट चेहरा देखने की मांग करता है तो चेहरा दिखाना चाहिए। इसे धार्मिक कट्टरता से नहीं जोड़ना चाहिए। चुनाव आयोग का भी निर्देश है। इस स्थिति में धार्मिक और राजनीतिक रंग नहीं दिया जाए। सभी राजनीतिक दलों के पोलिंग एजेंट से कहता हूं, जो चेहरा आपको संदिग्ध लगे उसे देखने का आपको अधिकार है। वहीं, गिरिराज सिंह ने पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव पर जमकर हमला किया है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव के साथ रहने वाले सभी लोग नालायक हैं।

मां का अंतिम संस्कार करने निकले थे, ट्रक ने रौंदा

- दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर पति-पत्नी सहित 3 की मौत, शव के टुकड़े चारों ओर बिखरे

दौसा (एजेंसी)। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस हाईवे पर अचानक सांड के आने से एक बेकाबू होकर डिवाइडर से जा टकराई। कार से बाहर निकलते ही पति-पत्नी समेत तीन लोगों को पीछे से आए ट्रक ने कुचल दिया। हादसे में तीनों की मौत हो गई, वहीं 7 लोग घायल हो गए। हादसा रविवार सुबह करीब 5 बजे बांदीकुई (दौसा) थाना क्षेत्र के ऊंनबड़ा गांव के पास हुआ। जानकारी के अनुसार अहमदाबाद के रहने वाले हंसमुख (32) पुत्र कांतिलाल की मां का हरिद्वार में निधन हो गया था। इसलिए वे अपनी पत्नी, बेटी और दूसरे रिश्तेदारों के साथ उनका अंतिम संस्कार करने जा रहे थे। बांदीकुई टीआई ने बताया कि हंसमुख के अलावा उनकी पत्नी सीमा (30) एवं चाचा मोहनलाल (55) को ट्रक ने कुचल दिया।

इंडिया तो छोड़िए कांग्रेस ने भी नहीं बनाया पीएम कैंडीडेट

- राहुल गांधी की बहस वाली चुनौती पर बीजेपी ने कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि उन्हें या पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे को लोकसभा चुनाव पर सार्वजनिक बहस में भाग लेने में खुशी होगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी निमंत्रण स्वीकार करेंगे। भारतीय जनता पार्टी ने तुरंत पलटवार

करते हुए सवाल उठाया कि क्या राहुल गांधी कांग्रेस के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार हैं। राहुल गांधी ने एक्स पर रिटायर जज मदन बी लोकुर, भारत के कानून आयोग के पूर्व अध्यक्ष अजीत पी शाह और वरिष्ठ पत्रकार एन राम के लिखे पत्र का जवाब दिया था। आपको बता दें कि इन्होंने इस सप्ताह की शुरुआत में दोनों नेताओं को चुनावी मुद्दों पर बहस के लिए एक मंच पर आमंत्रित किया था। देश के नेताओं को संबोधित अपने पत्र में उन्होंने कहा था कि बहस का प्रस्ताव गैर-पक्षपातपूर्ण और प्रत्येक नागरिक के व्यापक हित में है।

संसद की सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाने की तैयारी

- गृह मंत्रालय बना रहा खास प्लान, सीआईएसएफ पर टिकीं नजरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद की सुरक्षा को लेकर बड़े बदलाव की तैयारी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्रीय गृह मंत्रालय ऐसे पैनल का गठन कर रहा है जो बताएगा कि क्या सीआईएसएफ जवानों को पूरी जिम्मेदारी सौंप दी

जाए। इसमें सुरक्षा व्यवस्था के प्रबंधन से लेकर पास जारी करने तक का काम देखा जाएगा। फिलहाल ये जिम्मेदारियां पार्लियामेंट सिक्योरिटी सर्विस को सौंपी गई हैं, जो लगभग एक शताब्दी पुरानी वॉच एंड वार्ड कमेटी के तहत कार्य करती है। पिछले महीने, दिल्ली पुलिस के 150 कर्मियों की जगह सीआईएसएफ को लगाया गया था, जिन्हें पार्लियामेंट सिक्योरिटी सर्विस के साथ तैनात किया जाता रहा। यह बदलाव 13 दिसंबर को हुए सुरक्षा उल्लंघन को देखते हुए किया गया। इस दौरान कुछ लोग संसद भवन में घुसने और स्मोक कैन फेंकने में कामयाब रहे थे। ऐसे गंभीर मामलों को देखने के बाद अब इस बात पर विचार किया जा रहा है कि क्या सीआईएसएफ पूरी तरह से सुरक्षा का जिम्मा ले सकती है। एक सूत्र ने बताया कि पार्लियामेंट सिक्योरिटी सर्विस की ताकत वैसे भी कम हो चुकी है, क्योंकि पिछले कई सालों से इसमें कोई नई भर्ती नहीं हुई है। गृह मंत्रालय की ओर से संसद सुरक्षा को लेकर बीते 3 मई को आदेश जारी किया गया। इसमें कहा गया, सीआईएसएफ के अतिरिक्त कर्मियों को तैनात करने के लिए फिर से सर्वे करना होगा।

संदेशखाली की प्रताड़ित महिलाओं को धमका रहे हैं टीएमसी के गुंडे

पीएम मोदी ने ममता बनर्जी पर बोला हमला, वोट बैंक की राजनीति का लगाया आरोप

कहा-चुनावों में कांग्रेस को देशभर में अपने शहजादे की उम्र से भी कम सीट मिलेगी

कोलकाता (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के बैरकपुर और हुगली में रैली की। उन्होंने कहा- बंगाल में टीएमसी की सरकार में राम का नाम नहीं लेने दिया जाता। रामनवमी नहीं मनाने दी जाती। सीएए का विरोध किया जाता है। ये तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति करते हैं। प्रधानमंत्री ने हाल ही में संदेशखाली में यौन उत्पीड़न के मामले में कथित वीडियो पर कहा- पहले टीएमसी की पुलिस ने बचाया। अब टीएमसी ने एक नया खेल शुरू किया है। टीएमसी के गुंडे संदेशखाली की बहनों को डरा रहे हैं, धमका रहे हैं। सिर्फ इसलिए कि अत्याचारी का नाम शाहजहां शेख है। मोदी ने कहा- यहां की तस्वीर बता रही है कि बंगाल में इस बार एक अलग माहौल है। कुछ अलग होने जा रहा है। कांग्रेस और इंडी अलायंस की वजह से पूर्वी भारत पिछड़ा रह गया। मोदी इसका विकास कर रहा है। प्रधानमंत्री ने बंगाल के लोगों को मोदी की 5 गारंटी भी दी। आजादी के बाद 50 वर्ष तक कांग्रेस के परिवार ने ही सरकारें चलाईं, लेकिन पूर्वी भारत को सिर्फ गरीबी और पलायन मिला। पश्चिम बंगाल हो, बिहार हो, झारखंड हो, ओडिशा हो, आंध्र प्रदेश हो। कांग्रेस और इंडी अलायंस के दलों ने पूर्वी भारत को पिछड़ा ही छोड़ दिया। एक समय था, जब बंगाल में एक से बढ़कर एक वैज्ञानिक खोज हुआ करती थीं, आज टीएमसी के राज में जगह-जगह बम बनाने की होम इंडस्ट्री चल रही है। एक समय था, जब बंगाल घुसपैठियों के खिलाफ क्रांति किया करता था, लेकिन आज टीएमसी के संरक्षण में यहां घुसपैठी फल-फूल रहे हैं।

ईडी ने झारखंड के मंत्री आलमगीर को भेजा समन

- 14 मई को बुलाया, नोटों के पहाड़ मामले में होगी पूछताछ

रांची (एजेंसी)। ईडी ने झारखंड सरकार के मंत्री आलमगीर आलम को समान जारी किया है। उन्हें 14 मई को रांची के जोनल कार्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है। हाल ही में उनके सचिव संजीव लाल के नौकर जहांगीर आलम के फ्लैट से 32.50 करोड़ रुपए मिले थे। सूत्रों की मानें तो मंत्री आलमगीर आलम से इसी सिलसिले में पूछताछ की जा सकती है। सनद रहे ईडी ने बीते 6 मई को आलमगीर आलम के निजी सचिव संजीव लाल के घरेलू सहायक जहांगीर आलम के फ्लैट पर छापा मारा था। जहांगीर आलम के फ्लैट से 37 करोड़ रुपये से अधिक का कैश बरामद किया गया था।

जिलों के नाम वाले चैलेंज पर सामने आए नवीन पटनायक

- किया जबरदस्त पलटवार, पीएम मोदी पर 3 मिनट का काउंटर

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर रविवार को पलटवार किया। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर 3 मिनट का वीडियो क्लिप जारी किया और पीएम मोदी पर जमकर

बरसते नजर आए। सीएम पटनायक ने अफसोस जताया कि राज्य सरकार के कई ज्ञापनों के बावजूद केंद्र सरकार ने पिछले 10 वर्ष में कोयले की रॉयल्टी नहीं बढ़ाई है। उन्होंने कहा कि आपने संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने के लिए 1000 करोड़ रुपये मंजूर किए थे, लेकिन उड़िया भाषा के लिए फंड जारी करने की जहमत नहीं उठाई। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने 2 बार केंद्र से ओडिसी संगीत को शास्त्रीय दर्जा देने की अपील की, लेकिन इसे अस्वीकार कर दिया गया।

रायबरेली में कमल खिला दो 400 पार अपने आप हो जाएगा

अमित शाह ने गांधी परिवार के गढ़ में भरी हुंकार, सपा एमएलए से मिले

रायबरेली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के नेता अमित शाह ने रविवार को पार्टी के '400 पार' के नारे को दोहराया और लोगों से कहा कि रायबरेली में कमल खिला दो, 400 पार अपने आप हो जाएगा। कांग्रेस के गढ़ कहे जाने वाले रायबरेली से बीजेपी उम्मीदवार और राज्य सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के समर्थन में आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने गांधी परिवार पर जमकर हमला बोला। शाह ने कहा कि देश भर में जहां जाते हैं चार सौ पार का नारा लगता है। चार सौ पार तभी हो सकता जब पूरे देश में मोदी को 400 सीटें जिताकर दें और वह होने वाला है। हालांकि इसे दूसरा रुख देते हुए उन्होंने सवाल उठाया कि अगर एक ही सीट जीतकर 400 पार का मतलब पूरा हो जाए तो वह करना चाहिए या नहीं करना चाहिए। भीड़ की ओर से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिलने पर अमित शाह ने कहा कि रायबरेली में कमल खिला दो, चार सौ पार अपने आप हो जाएगा। गांधी परिवार की परंपरागत सीट कही जाने वाली रायबरेली में 2019 में सोनिया गांधी भाजपा के दिनेश प्रताप सिंह को पराजित कर निर्वाचित हुई थीं। 2019 में उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के हिस्से में आने वाली यह एकमात्र सीट थी। इस बार इस सीट से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और उनके पुत्र राहुल गांधी उम्मीदवार हैं, जो पिछले चुनाव में अमेठी में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी से पराजित हो गये थे।

विपक्षी नेताओं को निशाना बना रहा चुनाव आयोग

- लोकसभा चुनाव के बीच कांग्रेस का ईडी पर बड़ा आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में अब तक तीन फेज की वोटिंग हो चुकी है। चौथे फेज में 13 मई यानी सोमवार को मतदान है। इससे ठीक पहले कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर बड़ा आरोप लगाया है। कांग्रेस ने कहा कि विपक्षी नेताओं को चुनाव अधिकारी निशाना बना रहे हैं। पार्टी ने ये भी दावा किया कि बिहार के समस्तीपुर में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के हेलीकॉप्टर की तलाशी ली गई।

भक्तिपथ

179 दिन बाद खुल गए 'बद्री विशाल' के कपाट

बद्रीनाथ (एजेंसी)। वैदिक मंत्रोच्चार और श्री बद्री विशाल लाल की जय के नारों के साथ रविवार को बद्रीनाथ धाम के कपाट खोले गए। इस दौरान 20 हजार से ज्यादा श्रद्धालु मौजूद थे। इससे पहले ब्रह्ममुहूर्त में मंदिर के बाहर गणेश पूजन हुआ। इसके बाद पुजारियों ने द्वार पूजा की। मंदिर

- 6 महीने से जल रही अखंड ज्योति के हुए दर्शन, उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

का कपाट तीन चाबियों से खोला गया। कपाट खुलते ही पहले दर्शन अखंड ज्योति के हुए। यह 6 महीने से जल रही है। इसके बाद बद्रीनाथ पर चढ़ा हुआ घी से बना कंबल हटाया गया। जो 6 महीने पहले कपाट बंद होने के समय भगवान को ओढ़ाया जाता है। इस कंबल को प्रसाद रूप में बांटा जाएगा। मंदिर के कपाट पिछले साल 14 नवंबर को बंद हुए थे। यानी 179 दिन बाद बद्रीनाथ के कपाट खोले गए। चारधाम तीर्थ पुरोहित पंचायत के महासचिव डॉ. ब्रजेश सती ने बताया कि सुबह 6 से 8 बजे तक भगवान के बिना श्रृंगार के दर्शन किए गए। जिसे निर्वाण दर्शन कहते हैं। इसके बाद तकरीबन 8 बजे पहला जलाभिषेक हुआ और पहली पूजा प्रधानमंत्री के नाम से की गई।

9 बजे बालभोग लगाया गया। दोपहर 12 बजे पूर्ण भोजन का भोग लगेगा। ये ही भोग ब्रह्मकपाल भेजा जाएगा। भोग पहुंचने के बाद ही वहां पहला पिंडदान होगा। मंदिर को करीब 20 क्विंटल फूलों से सजाया गया है। पहले दिन दर्शन के लिए लगभग 20 हजार से ज्यादा लोग दर्शन के लिए पहुंचे। 11 मई की रात से ही हल्की बारिश होने लगी थी।

इससे पहले मौसम विभाग ने 11 से 13 मई तक बारिश और बर्फबारी का अलर्ट जारी किया था। बद्रीनाथ धाम दर्शन के लिए 9 मई की शाम तक कुल 6 लाख 83 हजार लोगों के रजिस्ट्रेशन करवा लिया है। मंदिर कपाट का ताला तीन चाबियों से खुला।

पंजाब में एक बार फिर अंतरराज्यीय नेटवर्क का पर्दाफाश

- भारी मात्रा में नशीली दवाएं हुईं बरामद, 7 तस्कर गिरफ्तार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने हिमाचल प्रदेश से ऑपरेट रहे अंतरराज्यीय नशा तस्करों के गिरोह का भंडाफोड़ किया है। एसटीएफ ने हिमाचल प्रदेश के बद्दी में एक फार्मा फैक्टरी से चल रहे साइकोट्रोपिक पदार्थ निर्माण और सप्लाई यूनिटों के अंतरराज्यीय अवैध नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। यह जानकारी पंजाब के पुलिस डीजीपी गौरव यादव ने दी। गौरव यादव ने कहा कि 5 राज्यों में चलाए गए इस पूरे ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने कुल 7 नशा तस्करों, सप्लायर्स को गिरफ्तार किया है। इस दौरान 70.42 लाख नशीली गोलियां, कैप्सूल, 2.37 लाख रुपए की ड्रग मनी और 725.5 किलोग्राम ड्रग ट्रामाडोल पाउडर बरामद किया है। इन 5 राज्यों में पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र शामिल हैं।

440 वोल्ट के करंट के चपेट में आने से 18 वर्षीय युवक की हुई मौत

बिजली विभाग की लापरवाही के कारण कई घरों के टीवी, फ्रीज, पंखे व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जले

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

जगन्नाथपुर। जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र में बिजली विभाग की लापरवाही के कारण जहां एक युवक की जान चली गई, वहीं कई घरों के पंखे, लाइट, फ्रिज, टीवी जल गए। ऐसा अचानक सभी घरों में 440 वोल्ट के करंट प्रवाहित होने के कारण हुआ। वहीं बबलू वॉशिंग सेंटर में कार्य कर रहे 18 वर्षीय युवक की करंट लगने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के जिंतुगढ़ा निवासी रूप सिंह सिंकु जगन्नाथपुर के रश्मि पेट्रोल पंप के समीप बबलू वॉशिंग सेंटर में काम करता था। रविवार की सुबह जब वह कार वॉश कर रहा था, तभी बिजली विभाग के

लापरवाही होने के कारण जगन्नाथपुर के पांच नंबर फिटर में अचानक 440 वोल्ट का करंट आने से अर्थिंग के जरिए करंट घरों में दौड़ने लगा। वाशिंग सेंटर में काम कर रहा युवक भी उसकी चपेट में आ गया। आनन फानन में लोग उसे लेकर जगन्नाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां डॉक्टर के द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना की सूचना जगन्नाथपुर विधायक सोनाराम सिंकु को मिली तब विधायक सोनाराम सिंकु ने जगन्नाथपुर समुदाय स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर मृतक युवक के परिजनो से मिले तथा वॉशिंग सेंटर के मालिक से मुआवजा देने की बात कही। वाशिंग सेंटर के मालिक के द्वारा मृतक के परिजनों को युवक के क्रिया कर्म के लिए तत्काल 10000 रुपया मृतक की मां को सौपा। कहा कि बाकी राशि एक दो दिन में दिया जायेगा। वही जगन्नाथपुर पुलिस द्वारा शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु चाईबासा भेज दिया।

पहले भी हो चुकी है इस तरह की घटना

बता दे की बिजली विभाग की लापरवाही से जगन्नाथपुर के पांच नंबर फिटर शिवाजी नगर के सभी घरों के पंखे, लाइट, फ्रिज, टीवी उड़ गई। अचानक 440 वोल्ट के करंट होने से किसी के घर में बम जैसे धमाके तो किसी के घर में आग निकालने जैसा महसूस किया गया। बता दे कि इस तरह की घटना जगन्नाथपुर क्षेत्र में पहली बार नहीं है कई बार इस तरह की घटना बिजली विभाग की लापरवाही के कारण होते आ रही है। अचानक से वोल्टेज का बढ़ना जगन्नाथपुर क्षेत्र के लिए आम बात सी हो गई है।

दीनबंधु ट्रस्ट श्राद्धकर्म में असमर्थ मजदूर परिवार का बना सहारा

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि, जमशेदपुर। दीनबंधु ट्रस्ट ने आज शंकोसाई निवासी एक गरीब मजदूर परिवार की मदद की, जो श्राद्धकर्म करने में असमर्थ था। ट्रस्ट ने परिवार को राशन सामग्री प्रदान कर श्राद्धभोज और विधि-विधान संपन्न कराने में सहायता की।

ट्रस्ट के संस्थापक सह अध्यक्ष उत्तम चक्रवर्ती ने बताया कि परिवार के सदस्य दुखी थे और श्राद्धकर्म करने में आर्थिक रूप से असमर्थ थे। ट्रस्ट के सदस्यों ने परिवार से मिलकर दुख की घड़ी में उनका हौसला बढ़ाया और विधिवत तरीके से श्राद्धकर्म संपन्न कराने में मदद की।

उत्तम चक्रवर्ती ने कहा कि दीनबंधु ट्रस्ट असंगठित मजदूरों के लिए श्रमिक कार्ड और भवन निर्माण मजदूर के लिए कैंप लगाकर झारखंड भवन निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड से भी निबंधन करवाने का काम करती है, ताकि उनको सरकार से लाभ मिल सके । पहले से निबंधित मजदूरों को जागरूक कर लाभ दिलाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम करेगी।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में ट्रस्ट के अध्यक्ष उत्तम चक्रवर्ती, सुनिता पोयरा, रूबी गोराई, कंचन यादव, नीतीश सरकार, विकास गुप्ता, राकेश दत्ता, जगदीश गोप, प्रतिमा आदि पदाधिकारियों का अहम योगदान रहा।

भाजपा बर्मामाइंस मंडल ने चलाया जनसंपर्क अभियान

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि, जमशेदपुर। भाजपा बर्मामाइंस मंडल के द्वारा रविवार को इंदर सिंह बस्ती एवं सिद्धू कान्हू बस्ती में जनसंपर्क अभियान चलाया। जनसंपर्क अभियान सांसद एवं प्रत्याशी विद्युत वरण महतो के पक्ष में चलाया गया। इस दौरान लोगों से अपील की गई की कि वे भाजपा प्रत्याशी विद्युत वरण महतो को वोट देकर मोदी को जिताएं एवं तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाए। अभियान में लोगों के बीच प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुलवंत सिंह बंटी, मंडल महामंत्री सूरज सिंह, शशि सिंह, वर्मा कंसारी, उमेश लाल, अशोक पांडे, धर्मनाथ नंदलाल, उज्जवल राय, घनश्याम पांडे वर्मा, कंसारी, सागर राय, लक्ष्मी यादव, कैलाशपति मिश्रा, राज कौर , कपूरा सुंडी, कनक लता, हीरा देवी, प्रदीप मिश्रा, राजू शर्मा, संजय शर्मा, राम मारडीह समेत अन्य भाजपा सदस्य उपस्थित रहे।

बागबेड़ा में पानी का अवैध कनेक्शन लेने वालो को मुखिया ने चेताया, दर्ज होगी प्राथमिकी

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

जमशेदपुर। बागबेड़ा कॉलोनी जलापूर्ति योजना के मुख्य पाइप लाइन ड्रील करके बजरंग टेकरी बस्ती वासियों के द्वारा अवैध रूप से पानी का कनेक्शन ले लिया गया है। जिसके कारण कॉलोनी में पानी नहीं पहुंच रहा है। इसकी गुप्त सूचना मिलने पर रविवार को बागबेड़ा कॉलोनी के मुखिया राजकुमार गोंड एवं उपमुखिया संतोष ठाकुर द्वारा स्थल जांच किया गया साथ वहाँ के लोगो को तत्काल यह कनेक्शन खुलवाने के आदेश दिया गया। अवैध कनेक्शन लेने वालो को हिदायत दी गई कि अगर वे लोग यह कनेक्शन नही खुलवाते है तो उनके विरुद्ध थाना में प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। भाजपा नेता सुबोध झा ने बताया कि इस कारण बागबेड़ा कालोनी के एक से लेकर तीन नंबर रोड में सप्लाई पानी सही रूप से 150 घरों में नहीं उपलब्ध हो पा रहा है। बागबेड़ा कॉलोनी के तीन नंबर रोड में 80 से 85 घरों में एक बूंद पानी आज दो वर्षों से नहीं मिल रहा है। उन्होंने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग से यथाशीघ्र इस समस्या का समाधान करने और मुखिया का साथ देकर अवैध कनेक्शन को तत्काल बन्द कराने की मांग की।

आजसू का पश्चिम विधानसभा स्तरीय बैठक सम्पन्न

मोदी और सुदेश की जोड़ी झारखण्ड में नए कीर्तिमान स्थापित करेंगी - कन्हैया सिँह

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

जमशेदपुर। लोकसभा चुनाव को लेकर आजसू पार्टी की पश्चिम विधानसभा स्तरीय एक बैठक रविवार को हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष चन्द्रश्वर पांडेय ने की, जबकि संचालन युवा संयोजक हेमंत पाठक ने किया।बैठक में मौजूद आजसू पार्टी के जिला अध्यक्ष कन्हैया सिंह ने कहा कि भाजपा-आजसू गठबंधन इस बार झारखण्ड मे नया कृतिमान स्थापित करेगी, क्योंकि आजसू पार्टी और भाजपा गठबंधन का विकास करने का नया विजन है। जो देश को नई ऊचाई प्रदान करने का संकल्प लेकर चुनाव मे उत्तरी है और उसे पूरा करने का संकल्प भी एनडीए पूरा करेगी। इस लिए

आजसू पार्टी ने कमर कस लिया है, कि देश को पुनः एक सशक्त और मजबूत प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र भाई मोदी के हाथों को मजबूत करने के लिए और एनडीए प्रत्यासी विद्युत वरन महतो को जीत दिलाने के लिए बूथ स्तर तक सभी कार्यकर्ताओ को जीत दिलाने का संकल्प दिया गया। उन्होंने कहा कि इस बार जीत का अंतर 4 लाख पार के लिए हम सभी दृढ संकल्पित होकर कार्य करेंगे और जीत सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ हर गरीब परिवार को दिलाना है। बैठक में मुख्यरूप से आजसू केंद्रीय समिति के सदस्य शेख आरिफ, प्रो. जावेद अख्तर, हेमंत पाठक, मंगल महतो, धनेश कर्मकार, जमालुद्दीन अंसारी, मनोज यादव, साहेब बागती, अजय उपाध्याय, लक्षण बाग, अधिवक्ता फिरोज अंसारी, मो शहजाद, कामेश्वर प्रसाद, नवीन श्रीवास्तव, अभय पांडे इत्यादि उपस्थित थे। अंत में कार्यक्रम मे धन्यबाद सैकत सरकार ने किया।

भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा की होगी ऐतिसाहिक जीत - पूर्व विधायक अरविंद सिंह

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि, जमशेदपुर। सिंहभूम संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा की ऐतिहासिक जीत होगी। यह कहना है ईचागढ़ के पूर्व विधायक अरविंद सिंह उर्फ मलखान सिंह का। उन्होंने कहा कि आज राज्य में हर ओर बदलाव की लहर दिख रही है। वर्तमान झारखंड सरकार की नीति-सिद्धांतो पर उन्होंने जमकर निशाना साधते हुये कहा कि सिंहभूम संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी गीती कोड़ा की ऐतिहासिक जीत तय है। इतना ही नहीं, जिस तरह से पार्टी नेताओं-कार्यकर्ताओं और आम लोगों में भाजपा के प्रति जोश-खरोश बना हुआ है उससे तय है कि आनेवाले विधान सभा चुनाव में भी भाजपा शत-प्रतिशत जीत का लक्ष्य करेगी। पूर्व विधायक अरविंद सिंह ने इस संबंध में कहा कि झारखंड के 14 लोकसभा सीट को जीतकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 10 साल के कार्य के समर्थन में जनता झारखंड के सिंहभूम संसदीय सीट समेत हर सीट पर भाजपा प्रत्याशी को वोट देगी और उनकी जीत सुनिश्चित करेगी। इस दौरान उन्होंने सोमवार 13 मई को भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा के पक्ष में लोगों से भारी से भारी संख्या में मतदान करने की अपील की।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की बैठक आयोजित

यशस्विनी सहाय को चुनाव जिताने का लिया संकल्प

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची/सिल्ली। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा, रांची जिला के तत्वावधान में रविवार को सिल्ली स्थित चिराग स्कूल के सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि राज्य गठन की तिथि से झारखंड आंदोलनकारियों को राजकीय मान सम्मान देने, जेल जाने की बाध्यता समाप्त करने, सम्मान पेंशन राशि 50-50 हजार रुपया देने, रोजी- रोजगार एवं नियोजन की गारंटी देने, पांच लाख रु. तक स्वास्थ्य बीमा व पक्का मकान का लाभ देने की मांग की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक एवं प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि झारखंडियों के मान-सम्मान की रक्षा के लिए ही झारखंड आंदोलनकारियों ने संघर्ष किया एवं शहादत दी ।आज पुन- अपने राजकीय मान सम्मान की रक्षा के लिए शहादत देनी पड़ी तो सबसे पहला नाम पुष्कर

महतो का होगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर जबरदस्त चुनौती की स्थिति है । आंदोलनकारी आखिर अपना बहुमूल्य मत देंगे तो आखिर किसे देंगे। ऐसे में पंच परगना के लोगों को तय करना है अपने ही परिवार की झारखंड आंदोलनकारी की पुत्री यशस्विनी सहाय को लोकसभा के इस चुनाव में समर्थन देंगे और अपने परिवार की शक्ति को मजबूत करेंगे। आंदोलनकारियों की अपनी शक्ति है।

केंद्रीय उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह कुशवाहा ने कहा कि झारखंड अलग राज्य के आंदोलनकारियों को अपने स्वाभिमान की रक्षा के लिए एक और संघर्ष करने की आवश्यकता है। हम अलग राज्य लड़ के लिए हैं और अब अलग पहचान और रोजी रोजगार, पेंशन का अधिकार भी लड़ कर लेंगे। हम लोग एक-एक आंदोलनकारियों को सम्मान पेंशन राशि मिलनी चाहिए। इसके लिए लगातार आंदोलन चलाया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए झारखंड आंदोलनकारी जिला संयोजक रतन लाल महतो ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों के हितों की जो बात करेगा, लोकसभा चुनाव में उस राजनीतिक दल को ही समर्थन दिया जाएगा। वर्षों से झारखंड आंदोलनकारियों की उपेक्षा होती रही है। अब झारखंड आंदोलनकारी अपनी उपेक्षा बर्दाश्त नहीं करेंगे। संचालन आंदोलनकारी लक्ष्मी नारायण महतो ने की। इस मौके पर राहे बिनवाडीह के मुखिया श्याम सुंदर ,बंता दक्षिणी के मुखिया गंगा नारायण सिंह मुंडा, सिल्ली के राजा पुष्पेंद्र नाथ शाहदेव, पूर्व प्राचार्य कन्हैया लाल महतो, विष्णु चरण गिरि, सैय्यद कमर आलम, शत्रुघ्न महतो ,निवारण महतो ,सनत कुमार राय, दुर्लभ चंद महतो ,तारा माझी ,तुलसीदास मांझी फाल्गुनी यादव ,दिनेश कुमार महतो, अशोक कुमार महतो, राम पदो महतो, अनिल कुमार महतो, श्रीधर महतो, पंकज कुमार रवि सहित अन्य उपस्थित थे।

भाजयुमो का युवा चौपाल आयोजित

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

रांची। राजधानी के डोमन नगर और गोरा में भारतीय जनता युवा मोर्चा, रांची महानगर द्वारा युवा चौपाल लगाकर मोहल्ले के लोगों के साथ जन संवाद स्थापित किया गया। इस अवसर पर सांसद संजय सेठ उपस्थित रहे। सांसद श्री सेठ ने कहा कि झारखंड की सरकार ने यहां के युवाओं को ठगने का काम किया है। ठग बंधन की सरकार युवाओं को हर साल 5 लाख नौकरी देने का वादा कर सत्ता में आई थी, मगर रोजगार नहीं दे पाई। रोजगार नहीं तो बेरोजगारी भत्ता देंगे, लेकिन न तो नौकरी दे पाए न ही बेरोजगारी भत्ता दिया। इसलिए आज जरूरत है युवाओं को आगे ले जाने के लिए भाजपा के पक्ष में मतदान करें और नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करें। ताकि देश विकसित राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ सके।

इस अवसर पर भूलन सिंह(विधायक, छत्तीसगढ़), रोमित नारायण सिंह, शोभा यादव,गुड्डू सिंह, निशी जैसवाल,सूरज साहू, विशाल साहू विकेश साहू , अमित साहु, संजय रवि दास, निर्मल मुंडा, बबलू महतो , कुंदन सिंह ,प्रिय सिन्हा मनोज तिर्की, सूरज राम साहू(मिकु), विकाश तिर्की, अमन साहू, आनंद लहरीं, राकेश कुमार गोपाल सिंह, सरवन कुमार, भोला रावत, नीरज कुमार, ज्योति जी , सोनी लहरी सहित अन्य मौजूद थे।

जुगसलाई के युवा कारोबारी लोचन मंगोटिया ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,जमशेदपुर। जुगसलाई थाना अंतर्गत बाटा चौक निवासी युवा व्यावसाई (पटाखा कारोबारी) लोचन मंगोतिया (36) ने रविवार की सुबह फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। लोचन का शव आवासीय कार्यालय में ही पंखे से लटका पाया गया। इसकी जानकारी सुबह परिजनों को तब हुई, जब वे अपने कमरे में नहीं मिले। आवासीय कार्यालय में ही लोचन मंगोटिया का कार्यालय भी है। वहीं उनका शव पंखे से लटका मिला। जिसके बाद पुलिस को इसकी सूचना दी गई। इधर, सूचना पाकर जुगसलाई पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार लोचन मंगोतिया सुबह 7 बजे सोकर उठे और निवास स्थान पर ही बने अपने कार्यालय में चले गए।

परिजनों जब उन्हें तलाशते हुए कमरे में पहुंचे तो देखा उनका शव फंदे से लटका हुआ है। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। लोचन ने आत्महत्या क्यों कि इसके बारे में परिजन कुछ नही बता पा रहे है। हालांकि अपुष्ट सूचना के अनुसार आईपीएल के सट्टा में उनका लाखों रुपया का नुकसान हो गया। जिसके कारण वह डिप्रेशन में था। हालांकि उनका पटाखा का कारोबार ठीक ठाक चल रहा था। इस घटना से परिजनों एवं रिश्तेदारों में मायूसी छा गई। पत्नी का रो रोकर बुरा हाल है। लोचन की दो बेटी एवं एक बेटा है। इधर, घटना के बाद कारोबार जगत में मायूसी छा गई है। उनके आवास में कारोबारियों का आना जाना लगा हुआ है।

लोकसभा आम निर्वाचन, 2024 अंतर्गत मतदान आज

- सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगा मतदान
- मतदान केंद्रों पर मतदाताओं को दी जाएंगी कई सुविधाएं

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

लोहरदगा। लोकसभा आम निर्वाचन, 2024 अंतर्गत 72-लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र के शेष 310 मतदान केंद्रों के लिए रविवार को सभी पोलिंग पार्टियां मतदान संपन्न कराने हेतु समाहरणालय परिसर लोहरदगा से सुरक्षित रवाना हो गईं। इससे पूर्व शनिवार को 72-लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र के 14 दुर्गम व सुदूरवर्ती क्षेत्र में अवस्थित मतदान केंद्रों के लिए 14 पोलिंग पार्टियां रवाना हुई थीं। रविवार को पोलिंग पार्टियों के रवाना होने के समय जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण, पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां द्वारा सुरक्षित व त्रुटिरहित मतदान करने का संदेश पोलिंग पार्टियों को दिया।

मतदान केंद्र व मतदाता : लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के सफल आयोजन के लिए लोहरदगा जिला में कुल 428 मतदान केंद्र निर्धारित हैं जिसमें 324 मतदान केंद्र 72-लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र और 104 मतदान केंद्र 69-बिशुनपुर (अंश) विधानसभा क्षेत्र में अवस्थित हैं। लोहरदगा जिला में कुल मतदाताओं की संख्या 370519 (तीन लाख सत्तर हजार पांच सौ उन्नीस) है जिसमें महिला मतदाताओं की संख्या 186597 (एक लाख छियासी हजार पांच सौ संतान्वे) और पुरूष मतदाताओं की संख्या 183920 (एक लाख तिरासी हजार नौ सौ बीस) और थर्ड जेंडर मतदाता 02 हैं। कुल मतदाताओं में से 72-लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र में 284107 (दो लाख चौरासी हजार एक सौ सात) मतदाता हैं। इनमें महिला मतदाताओं की संख्या 143366 (एक लाख तैंतालिस हजार तीन सौ छियासठ) और पुरूष मतदाताओं की संख्या 140741 (एक लाख चालीस हजार सात सौ इकतालीस) है।

वहीं, 69-बिशुनपुर विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाता 86412 (छियासी हजार चौ सौ बारह) है जिसमें महिला मतदाताओं की संख्या 43231 (तैंतालीस हजार दो सौ इकतीस), पुरूष मतदाताओं की संख्या 43179 (तैंतालीस हजार एक सौ उनासी) और थर्ड जेंडर के मतदाताओं की संख्या 02 है।दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 72-लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र में 3363 है जिनमें महिला मतदाताओं की संख्या 1424 और पुरूष मतदाताओं की संख्या 1939 है। 69-बिशुनपुर विधानसभा क्षेत्र में दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 1418 है जिनमें 695 महिलाएं और 723 पुरूष हैं।

85 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या 72-लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र में 1246 है जिनमें 673 महिलाएं और 573 पुरूष हैं। 69-बिशुनपुर विधानसभा क्षेत्र में ऐसे मतदाताओं की संख्या 516 है जिनमें 271 महिलाएं और 245 पुरूष हैं।

18-19 आयुवर्ग के मतदाताओं की कुल संख्या 13621 है। इनमें 72-लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र में 10422 मतदाता हैं जिसमें 5958 महिलाएं और 4464 पुरूष हैं। 69-बिशुनपुर विधानसभा क्षेत्र में 3199 मतदाता हैं जिनमें 1737 महिलाएं और 1462 पुरूष मतदाता हैं।

पोस्टल बैलेट से मतदान पोस्टल बैलेट के माध्यम से इस लोकसभा आम निर्वाचन, 2024 में लोहरदगा जिला में निर्वाचन कार्य में संलग्न 2845 और आवश्यक सेवाओं में 23 लोगों ने मतदान किया। होम वोटिंग में पोस्टल बैलेट के जरिए 45 दिव्यांग और 30 वरिष्ठ मतदाताओं (85 वर्ष की उम्र से अधिक) ने मतदान किया।

पोलिंग पार्टी व सुरक्षा 72-लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र के लिए कुल 324 पोलिंग पार्टिया सभी 324 मतदान केंद्रों के लिए पहुंची हैं। निर्वाचन कार्य को निष्पक्ष बनाये रखने के लिए 40 माईक्रो ऑब्जर्वर की प्रतिनियुक्ति की गई है। 68 सेक्टर दण्डाधिकारियों व सेक्टर पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। 40 स्ट्रॉग रूम बनाये गये हैं। सुपर जोनल दण्डाधिकारी के रूप में 72-लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र के लिए अपर समाहर्ता जीतेंद्र मुण्डा, आईटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, भूमि सुधार उप समाहर्ता सुजाता कुजूर, कार्यपालक दण्डाधिकारी प्रमोद कुमार दास, जिला आपूर्ति पदाधिकारी ज्ञान शंकर जायसवाल, जिला पंचायती राज पदाधिकारी अंजना दास और 69-बिशुनपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए अपर समाहर्ता जीतेंद्र मुण्डा और भूमि सुधार उप समाहर्ता सुजाता कुजूर की प्रतिनियुक्ति की गई है। जोनल पदाधिकारी के रूप में 72-लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र में 6 पदाधिकारी व 6 पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। 69-बिशुनपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए जोनल पदाधिकारी के रूप में 3 पदाधिकारी और 3 पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है।

बूथों के प्रकार

72-लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत किस्को प्रखण्ड में 09, कुडू प्रखण्ड में 10, कैरो प्रखण्ड में 05, सदर प्रखण्ड में 18, नगर परिषद क्षेत्र में 15 और भण्डरा प्रखण्ड में 09 समेत कुल 66 मतदान केंद्रों को पर्दा नशीन बूथ बनाया गया है। सदर प्रखण्ड लोहरदगा में कुल 10 मतदान केंद्रों ऐसे होंगे जहां सिर्फ महिला मतदानकर्मियों द्वारा मतदान कार्य संपन्न कराया जाएगा। यूनिक बूथों में 72- विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सरहुल थीम पर आधारित मतदान केंद्र राजकीयकृत बालिका मध्य विद्यालय टाकू (पूर्वी भाग, बूथ संख्या-140), जनजातीय जीवनशैली पर आधारित मतदान केंद्र राजकीयकृत बुनियादी विद्यालय हिरही (पूर्वी भाग, बूथ संख्या-207) और राजकीयकृत प्राथमिक विद्यालय पझरी (बूथ संख्या-303) है। 69-बिशुनपुर (अंश) में जनजातीय जीवनशैली पर आधारित मतदान केंद्र में राजकीयकृत प्राथमिक विद्यालय सेरेंगहातु (बूथ संख्या-82) और जनजातीय कला व संस्कृति का दर्शाता राजकीयकृत प्राथमिक विद्यालय भैसमुंदो (पूर्वी भाग, बूथ संख्या-81) है जो यूनिक बूथों में शामिल हैं। इस प्रकार लोहरदगा जिला में कुल 05 यूनिक बूथ हैं।

मतदान केंद्रों में सुविधा

सभी मतदान केंद्रों में टेंट की व्यवस्था की गई है ताकि दिव्यांग व वरिष्ठ मतदातओं व मतदाताओं के साथ आये बच्चों को छाया प्रदान किया जा सके। दिव्यांग मतदाताओं के व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई है। जो मतदाता मतदान केंद्र तक पैदल आने में असमर्थ हैं उनके लिए वाहनों की व्यवस्था की गई है। मतदाताओं की मदद के लिए वोलेंटियर्स की व्यवस्था की गई है।

सिंहभूम में मतदान आज, प्रशासन ने पूरी की तैयारी, अब जनता की बारी

दुर्गम क्षेत्रों में हेलीकॉप्टर से पहुंचे मतदानकर्मी

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

जगन्नाथपुर। लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भागीदारी देने के लिए जगन्नाथपुर विधानसभा की जनता भी तैयार है। महीनों से जारी प्रशासनिक तैयारी पूरी हो चुकी है। सोमवार को जनता की बारी है। लोकसभा चुनाव के तहत सोमवार को होने वाले मतदान को लेकर मतदाताओं में जबरदस्त उत्साह दिख रहा है। मतदाता, अपनी पसंद की सरकार का चुनाव करने के लिए मतदान करेंगे।

सिंहभूम संसदीय क्षेत्र में कुल 14, लाख, 47 हजार 562 मतदाता हैं। जिसमें महिला मतदाताओं की संख्या 735923, पुरुष मतदाताओं की संख्या 711606 अन्य 33 हैं। जिसमें युवा मतदाता 61828 हैं। जिलें में कुल मतदान केंद्र 1715 हैं। जिसमें 877 संवेदनशील मतदान केंद्र और 838 अति संवेदशील केंद्र है। स्ट्रांग रूम की सीसी टीवी कैमरे से तथा जीपीएस सिस्टम से पोलिंग कर्मचारियों को किया जा रहा है।

जगन्नाथपुर में हैं 01 लाख 99 हजार 485 मतदाता :जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र में कुल 01 लाख 99 हजार 485 मतदाता हैं, जिनमें से महिला मतदाता 01 लाख 01 हजार 260 तथा पुरुष मतदाता 98 हजार 218 है। यहां पोस्टल बैलेट वाले मतदाता 2334, 85 वर्ष से अधिक उम्र वाले मतदाता 707 तथा युवा मतदाता 9179 एवं ट्रांसजेंडर मतदाता 7 हैं। इस विधानसभा मे कुल बूथ 233 हैं। वोटरों के लिहाज से मझगांव विधानसभा क्षेत्र जिले में दूसरे स्थान पर है। यहां वोटरों क़ी कुल संख्या 2 लाख 22 हजार 68 है। जिसमें 01 लाख 15 हजार 537 महिला और 01 लाख 6 हजार 526 पुरुष मतदाता हैं। पोस्टल वैलेट वाले 2539, 85 वर्ष से अधिक उम्र वाले 1060 तथा युवा वोटर 9765 एवं ट्रांसजेडर 5 मतदाता है।

वही जगन्नाथपुर अनुमंडल पदाधिकारी मुकेश मछुवा ने कहा कि जगन्नाथपुर विधानसभा में पुरी तैयारी हो गयी है। एसडीओ ने सभी मतदाताओं से कहा कि वोट से बढ़कर कुछ नहीं, वोट जरूर डालें।

लोकतंत्र के इस महापर्व में सभी से अनुरोध है अपनी सहभागिता दें और सहयोग करें। 13 मई को सवेरे 7:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक मतदान जरूर करे।

इनके किस्मत का होगा फैसला

01- गीता कोड़ा-भारतीय जनता पार्टी
02- जोबा माझी- झारखंड मुक्ति मोर्चा
03- परदेशीलाल मुंडा- बहुजन समाज पार्टी
04- कृष्ण माडी- झारखंड मुक्ति मोर्चा (उलगुलान)
05-चित्रसेन सिंकू - झारखंड पार्टी
06- पानमनि सिंह -सोशलिस्ट युनिटी सेंटर ऑफ इंडिया (कॉम्युनिस्ट)
07- -बीर सिंह देवगम- राइट टू रिकॉल पार्टी
08-विश्व विजय माडी- अंबेडकरराइट पार्टी ऑफ इंडिया
09- सुधा रानी बेसरा- पीपल्स पार्टी ऑफ़ इंडिया (डेमोक्रेटिक)
10- आशा कुमारी रूण्डा- निर्दलीय अभ्यर्थी
11- दामोदर सिंह हांसदा- निर्दलीय अभ्यर्थी
12- दुर्गा लाल मुर्मू- निर्दलीय अभ्यर्थी
13- माधव चंद्र कुंकल- निर्दलीय अभ्यर्थी
14-संग्राम माडी- निर्दलीय अभ्यर्थी

आनंद मार्ग के शिविर में 25 यूनिट रक्त का हुआ संग्रह

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,जमशेदपुर। आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल की ओर से जमशेदपुर ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमे में 25 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। इस दौरान मानव कल्याण के लिए एवं ब्लड बैंक में उपस्थित लोगों के बीच पौधा दान भी किया गया। गर्मी के बावजूद भी युवाओं ने रक्तदान किया। आनंद मार्ग का इस महीने का दूसरा रक्तदान शिविर है।

सुनील आनंद का कहा कि जितने भी रक्तदाता निस्वार्थ भाव से रक्तदान करते हैं वह सभी लोग ईश्वर कोटि के मनुष्य हैं। इसे रक्तदाता का किसी प्रकार का कोई भी स्वार्थ नहीं रहता। वे परम पुरुष के छोटे-छोटे बच्चों के कष्ट निदान के लिए रक्तदान करते हैं। इसलिए इस तरह के मनुष्य को ईश्वर कोटि के मनुष्य कहा गया है।रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाने के लिए पौधा एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से समीर सरकार, राकेश कुमार, गौतम गोप एवं सुनील आनंद का सहयोग रहा।

भाजपा महिला मोर्चा ने चलाया जनसंपर्क अभियान

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची। भाजपा महिला मोर्चा द्वारा नीता सेठ के नेतृत्व में रांची के विभिन्न क्षेत्रों अपर बाजार काली बाबू स्ट्रीट, द्रोपदी अपार्टमेंट, नंदन अपार्टमेंट, नोवा टोली, लालगंज, खटंगा, सूर्यपुर ,महुआ टोली,बाजरा जसलोक अस्पताल कैंपस में जनसंपर्क अभियान चलाया गया।

घर-घर जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए विकास कार्यों के बारे में जानकारी दी गई एवं भाजपा के पक्ष में रांची के लोकसभा प्रत्याशी संजय सेठ को कमल निशान पर वोट लगाकर भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की जनसम्पर्क में नीता सेठ, गार्गी मलकानी , भाजपा नेत्री कुमुद झा, नेहा सिंह, रवि मेहता सहित अन्य उपस्थित थे।

लोकसभा चुनाव के अवसर पर गढ़वा जिला के सम्पूर्ण क्षेत्र में शुष्क दिवस घोषित- आदेश

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,गढ़वा। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा-135 (ग) में निहित निदेश के आलोक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त शेखर जमुआर, भा0प्र0से0, द्वारा आदेश जारी कर लोकसभा निर्वाचन 2024 के अवसर पर गढ़वा जिला के सम्पूर्ण क्षेत्र में शुष्क दिवस (Dry Day) घोषित किया गया है। शुष्क दिवस (Dry Day) को निम्नलिखित अवधि में गढ़वा जिला की सभी खुदरा उत्पाद शराब दुकानें एवं अन्य उत्पाद अनुज्ञप्ति प्राप्त परिसर पूर्णतः बंद रहेंगे तथा किसी प्रकार के होटल, रेस्तरा, क्लब, इत्यादि प्रतिष्ठान में अथवा निजी या सार्वजनिक स्थल पर कोई भी स्पिरिटयुक्त मादक लिकर या वैसी प्रकृति का अन्य पदार्थ न तो विक्रय किया जायेगा न तो दिया जायेगा और न वितरित किया जायेगा। गढ़वा जिला में चतुर्थ चरण तथा गढ़वा जिला के सीमावर्ती जिला लोकसभा क्षेत्र में तथा सरगुजा बलरामपुर (छ्तीसगढ़) तीसरा चरण, पलामू, चतुर्थ चरण, चतरा (लातेहार), पंचम चरण, सोनभद्र (उ0प्र0) एवं सासाराम (बिहार) सप्तम चरण, में निर्धारित है। 01 सरगुजा बलरामपुर (छ्तीसगढ़)- मतदान की तिथि 7 मई 2024- गढ़वा जिला में घोषित शुष्क दिवस (ष्ठह्म4 स्रड्ड4)-5 मई अपराह्न 5 बजे से 7 मई अपराह्न 5 बजे तक। 13 पलामू-मतदान की तिथि 13 मई 2024-गढ़वा जिला में घोषित शुष्क दिवस (ष्ठह्म4 स्रड्ड4)-11 मई अपराह्न 5 बजे से 13 मई अपराह्न 5 बजे तक। 04 चतरा (लातेहार)-मतदान की तिथि 20 मई 2024-गढ़वा जिला में घोषित शुष्क दिवस (ष्ठह्म4 स्रड्ड4)-18 मई अपराह्न 5 बजे से 20 मई अपराह्न 5 बजे तक। 80 सोनभद्र (उ0प्र0) एवं 34 सासाराम (बिहार)-मतदान की तिथि 1 जून 2024-गढ़वा जिला में घोषित शुष्क दिवस (ष्ठह्म4 स्रड्ड4)-30 मई अपराह्न 5 बजे से 1 जून अपराह्न 5 बजे तक। उल्लेखनीय है कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखण्ड, राँची एवं आयुक्त उत्पाद, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग झारखंड रांची से प्राप्त निदेश के आलोक में गढ़वा जिला एवं गढ़वा जिला के सीमावर्ती जिला में होने वाले लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के निमित मतदान की समाप्ति तक, मतगणना के दिन तथा यदि आवश्यक हुआ तो पुनर्मतदान के दिन शुष्क दिवस (Dry Day) घोषित करने का निर्देश दिया गया है।

भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ का विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान :

फिर देश की बागडोर मजबूत हाथों को सौंपें - संजय सेठ

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ ने रविवार को सुबह मोराबादी मैदान में मॉर्निंग वॉकर्स के साथ मुलाकात की और शहीद संकल्प शुक्ला की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया । साथ ही अरगोड़ा , गुदरी रामनगर, हटिया हजाम, 10 माईल, हरदाग, तिरिल बस्ती, रातू रोड, डोरंडा, पुनदाग में जनसंपर्क अभियान चलाया। श्री सेठ ने कहा देश की बागडोर फिर मजबूत हाथों में सौंपें। देश के प्रधानमंत्री ने भारतीय सैन्य बल को सुदृढ़ किया पहले हम दूसरे देशों से सैन्य हथियार मांगते थे। भारत खुद इसका निर्माण कर रहा है, यही नहीं, अब दूसरे देश के लोग भी हमसे हथियार खरीद रहे हैं। लड़ाकू विमान तेजस हम खुद अपने देश में बना रहे हैं और दूसरे देश आज हमारे बने हुए फाइटर प्लेन ले रहे हैं। यह है विकसित भारत की ताकत। प्रधानमंत्री देश के शहीदों के सम्मान में दिल्ली में एक बड़ा स्मारक का निर्माण किया। यहां हमारे देश के वीरों की गाथा अंकित है। हमारे जवानों के हाथ खुले हैं पूर्व की तरह बंधे हुए नहीं 70 साल में कांग्रेस ने जो सम्मान हमारे शहीद परिवार को नहीं दिया। वह सम्मान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दे रहे हैं। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि लोकतंत्र के इस पर्व में सभी 25 तारीख को अपना मतदान राष्ट्र के निर्माण के लिए करें और देश को और मजबूती प्रदान करें। जनसंपर्क अभियान में कांके के विधायक समरी लाल, हेमंत दास, संजय जयसवाल, ललित ओझा, मुनचुन राय, विकास रवि, राजेश सिन्हा, मुकेश काबरा, हरि नारायण गुप्ता, रविंद्र सिंह सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हटिया विधानसभा कार्यालय का उद्घाटन

रांची लोकसभा के निमित्त रविवार को हटिया विधानसभा कार्यालय का उद्घाटन हुआ। कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर हटिया के विधायक नवीन जायसवाल, छत्तीसगढ़ जसपुर की विधायक राय मुनि भगत, वरुण साहू, बलराम सिंह, सीमा शर्मा, प्रदीप सिंह, अनिल सिंह, रोमित नारायण सिंह, गुड्डू सिंह, प्रमोद नाथ शाहदेव, संतोष मिश्रा, बिल्लू सिंह सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में कार्यकर्ताओं ने ओरमांझी व अनगड़ा प्रखंड में चलाया जनसंपर्क अभियान

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय के पक्ष में मतदान करने के लिए मतदाताओं को प्रेरित करने हेतु ओरमांझी व अनगड़ा प्रखंड के विभिन्न गांवों में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा जनसंपर्क अभियान चलाया गया। ? अभियान का नेतृत्व कांग्रेस कार्यकर्ता संजय झा ने किया।

इस दौरान लोगों से जनसंपर्क कर इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी यशस्विनी सहाय के पक्ष में मतदान करने की अपील की गई।

जनसंपर्क अभियान में बैजनाथ महतो, छोटेलाल महतो, मुनिता देवी, सीता देवी, महेंद्र महतो, विनेश्वर महतो, श्याम सुंदर, सुखराम बेदिया, कुलदीप बेदिया, आशा देवी, वीर सिंह नायक, संजीत प्रजापति, रीता देवी सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता शामिल थे।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी के न्यायालय द्वारा दिया गया आदेश, दो अपराधियों को प्रतिदिन लगानी होगी थाने में हाजरी

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

रामगढ़। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रामगढ़ चंदन कुमार के न्यायालय में झारखंड अपराध नियंत्रण अधिनियम 2002 के तहत वैसे अपराधियों जोकि जेल से छूटकर आने पर अपने घर पर न रहकर बाहर से ही व्यावसायियों एवं ठेकेदारों से रंगदारी की मांग करते हुए धमकी देने, विभिन्न स्त्रोतों से खबर भिजवाकर या खुद जाकर अपने प्रभाव क्षेत्र के ठेकेदारों व्यवसायियों, ट्रांसपोर्टरों तथा सीसीएल के पदाधिकारी/ कर्मियों को लेवि के लिए भयभीत करने का कार्य करते हैं एवं जिला बदर किए जाने के उपरांत भी अवांछित रूप से जिला में प्रवेश करने तथा विभिन्न स्त्रोतों से खबर भिजवाकर या खुद जाकर लेवी के लिए भयभीत करने अथवा वाद के गवाहों व वादी को डराने धमकाने की संभावना एवं अपराधी की गतिविधियों पर प्रतिदिन निगरानी रखने की आवश्यकता से संबंधित मामले में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी के न्यायालय द्वारा की गई सुनवाई में निम्न आदेश जारी किए गए हैं। अपराध कर्मी विक्की सिंह सांकुल पतरातू, गुलशन कुमार पतरातू बस्ती पतरातू को आगामी 3 महीने अथवा आदर्श आचार संहिता की अवधि समाप्त होने तक जो भी पहले हो के लिए प्रतिदिन 10:00 बजे पूर्वाह्न में संबंधित थाना के थाना प्रभारी के समक्ष हाजिरी लगाने हेतु आदेश दिया गया है। यदि कोई अनुज्ञप्ति आधारित शस्त्र है तो अविलंब उसे स्थानीय थाने में जमा करना होगा एवं इस अवधि में किसी भी स्थिति में शस्त्र धारित नहीं करना होगा।उक्त सभी आदेश तत्काल प्रभाव से लागू है एवं आदेश की अवमानना अथवा उलंघन झारखंड अपराध नियंत्रण अधिनियम 2002 की धारा 25 तथा भारतीय दंड संहिता, इत्यादि के अन्य सुसंगत धाराओं के अंतर्गत दंडनीय होगा।

मनाया गया विश्व नर्स दिवस, बुके देकर किया गया सम्मानित

प्रतिनिधि, भुरकुंडा। रामगढ़ जिला अंतर्गत बरका सयाल क्षेत्र के भुरकुंडा स्थित सी सी एल हॉस्पिटल में सी सी एल कोलयरी कर्मचारी संघ सम्बद्ध भारतीय मजदूर संघ के द्वारा विश्व नर्स दिवस मनाया गया। संगठन के सदस्यों द्वारा रजनी गुलाब एक्का, शिरीर डे, रेखा कुमारी,सुमन नाथ, नेहा मिंज, शालिनी बरला ,नेहा हेवरेगे व रजनी कुजूर नर्स बहनों को अंग वस्त्र व मिठाई का पैकेट देकर सम्मानित किया गया।मौके पर उपस्थित डॉक्टर राजेश, राम विनय त्रिपाठी, ललन प्रसाद ने नर्स दिवस की महत्वता पर प्रकाश डाला।सी सी एल सेफ्टी बोर्ड के सदस्य शशि भूषण सिंह ने डॉ राजेश को अंग वस्त्र देकर सम्मानित करते हुये कहा कि डॉक्टर व नर्स एक दूसरे के अनुपूरक है। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय सुरक्षा बोर्ड के सदस्य श्रीकांत गुप्ता व धन्यवाद ज्ञापन क्षेत्रीय अध्यक्ष हरिनाथ महतो ने किया। मौके पर संतोष पांडे, नौशाद आलम, रंजन, राजेन्द्र, फारूक रजा सहित कई कार्यकर्ता व अस्पताल के कर्मचारी उपस्थित हुए।

एचईसी का गोल्डन पीरियड वापस लाएंगे: धर्मेंद्र तिवारी

झारखंड के लघु और कुटीर उद्योगों की दशा-दिशा सुधारना भी एजेंडे में शामिल

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। भारतीय जनतंत्र मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष और रांची लोकसभा सीट से प्रत्याशी धर्मेंद्र तिवारी ने रविवार को जन संपर्क अभियान के क्रम में कहा कि अगर जनता उन्हें चुनती है तो वह रांची की शान कही जाने वाली हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन के स्वर्णिम दिन लाने की दिशा में केंद्र पर जबरदस्त दबाव बनाएंगे और एचईसी का खोया हुआ गौरव वापस दिलाएंगे।

श्री तिवारी ने कहा कि उनके एजेंडे में एचईसी का कायाकल्प तो है ही, लघु और कुटीर उद्योगों की स्थिति सुधारना भी उनकी प्राथमिकता में है। रांची को इंडस्ट्रियल टाउनशिप के रूप में विकसित करने का आइडिया उनके पास है। छोटे-छोटे जितने भी उद्योग हैं, उन्हें प्रोत्साहित करने की योजना भी है।

धर्मेंद्र तिवारी ने कहा कि एचईसी की हालत किसी से छिपी हुई नहीं है। हम एचईसी की समस्याओं का अध्ययन कर चुके हैं और अब उनके समाधान की दिशा में कदम बढ़ाना है। हम लोग अगर चाहें तो अन्य सार्वजनिक उद्यमों से एचईसी को कार्यादेश दिलाने हेतु केन्द्र सरकार पर निरंतर दबाव बना सकते हैं। इसके साथ ही कर्मचारियों का जो वेतन बकाया है, उसे भी दिलवाने की कोशिश की जाएगी।

श्री तिवारी ने कहा कि आईटीआई ग्रेड पास करके जो लड़के 15-20 हजार की नौकरी के लिए झारखंड छोड़ कर चले जाते हैं, उनको झारखंड में रोकना भी उनका मकसद है। ऐसे नौजवानों को सरकारी स्कीम का फायदा दिला कर झारखंड में ही काम करने, व्यवसाय करने आदि के बारे में प्रोत्साहित किया जाएगा।

इसके पूर्व श्री तिवारी डेली मार्केट, हेथू गांव, पटेल पार्क, हरमू मैदान, अपर बाज़ार, लालपुर में जनसंपर्क कर लोगों को अपने पक्ष में तथा सिलिंडर छाप पर वोट करने का अपील किया।

मतदान कराने हेतु मतदान केंद्रों के लिए रवाना हुए मतदान कर्मी, मतदान आज

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

गढ़वा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में गढ़वा 80 एवं भवनाथपुर 81 को लेकर एसएसजेएस नामधारी कॉलेज गढ़वा में बने डिस्पैच सेंटर से मतदान कर्मियों को अपने निर्धारित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। मतदान कर्मियों को अपने निर्धारित मतदान केंद्रों के लिए रवाना करने से पूर्व जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने जॉइंट ब्रीफिंग किया।

पिकअप वैन सहित 750 लीटर स्प्रिट के साथ एक व्यक्ति धराया, न्यायिक हिरासत में भेजा गया जेल

प्रतिनिधि,चौपारण (हजारीबाग)। थाना प्रभारी दीपक सिंह के द्वारा नित्य प्रतिदिन लगातार कार्रवाई से माफिया और तस्करों मे हड़कंप मचा हुआ है वहीं लोग त्राहिमाम त्राहिमाम कर रहें हैं. चौपारण मे युवा वर्ग भी नशे के आगोश मे समाते जा रहें हैं गांव हो या बाजार प्रत्येक जगह नशे में युवा वर्ग भी दिखने लगें। चौपारण थाना प्रभारी दीपक सिंह के द्वारा रात्री में गुप्त सूचना मिली कि नकली शराब बनाने हेतु उपयोग किया जाने वाला स्प्रिट को प्लास्टिक गैलनों में भरकर चतरा से एक पिकअप वाहन संख्या WB67C 0575 में लोड किया गया है, जिसे चतरा-ईटखोरी होते हुए चौपारण के रास्ते बिहार ले जाने की योजना है। इस सूचना से वरीय पदधिकारियों को अवगत कराते हुए आदेशानुसार थाना प्रभारी दीपक सिंह के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया और छापामारी दल के साथ अन्तर जिला चेकपोस्ट बेढनाबाड़ा के पास पहुंचकर वहां प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी एवं चौपारण थाना के पुलिस निरीक्षक मदन मुण्डा के साथ मिलकर ईटखोरी की ओर से आने वाले वाहनों का सघन रूप से जांच-पड़ताल करने लगा। इसी दरम्यान रात्रि में समय करीब 01:15 बजे ईटखोरी की ओर से एक सफेद रंग का पिकअप वाहन आता हुआ दिखाई दिया, जिसके थोड़ा नजदीक आने परं रूकने का ईशारा किया तो वाहन चालक अपना गाड़ी रोकने के बजाय बैरिकेटिंग को तोड़ते हुए और तेजी से भगाने लगा, जिसे पकड़ने हेतु साथ आये पुलिस बल के सहयोग से पीछा करना प्रारंभ किया तो वाहन चालक महाराजगंज चौक के पास अपना पिकअप गाड़ी को अचानक खड़ा कर दिया और वाहन से एक व्यक्ति उतरकर भागने का प्रयास करने लगा, जिसे साथ चल रहे बल के सहयोग से खदेड़ कर पकड़ लिया गया। उसके बाद पकडाये व्यक्ति से नाम-पता पूछने पर उसके द्वारा अपना नाम एजाज अंसारी पिता-स्व0 रोजिद अंसारी सा0-गढ़हुसीर थाना-कांके जिला-रांची बताया, तत्पश्चात वाहन

की जांच करने पर सूचनानुसार पंजियन संख्या-WB67C 0575 पाया गया तथा वाहन का डाला का जांच करने पर सब्जी होने वाला प्लास्टिक के कैरेट के नीचे छीपा कर रखा 15 प्लास्टिक का गैलन बरामद हुआ, जिसे खोलकर देखने पर उसमें अवैध स्प्रिट भरा हुआ पाया गया। प्रत्येक प्लास्टिक के गैलन में 50-50 लीटर अवैध स्प्रिट भरा हुआ पाया गया है। इस प्रकार 750 लीटर स्प्रिट बरामद हुआ। इस संदर्भ में चौपारण थाना कांड सं0-162/24 धारा 272/273/290/414/34 एवं 47 (ए) उत्पाद अधिनियम के अन्तर्गत प्राथमिकी दर्ज कर पकडाये व्यक्ति को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

मीडिया कोषांग के कार्यों का विस्तृत मूल्यांकन किया गया

वरीय संवाददाता ,रांची। सामान्य प्रेक्षक डीएस रमेश द्वारा मीडिया कोषांग के कार्यों का विस्तृत मूल्यांकन करते हुए यहां हो हो रहे सारे कार्यों का क्रमवार जानकारी लिया। मीडिया कोषांग सह जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी रांची, उर्वशी पांडे द्वारा रांची -08 संसदीय लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक डीएस रमेश को पूरी जानकारी देते हुए बताया गया की यह कोषांग पेड न्यूज़/फेक न्यूज़/विज्ञापन (इलेक्शन), में किस तरह कार्य कर रहा है। यह कोषांग कैसे विज्ञापनों के प्री सर्टिफिकेशन करती है, इसके बारें में भी जानकारी दी गई। सामान्य प्रेक्षक द्वारा नोडल पदाधिकारी से जानकारी लेते हुए प्रिंट मीडिया में आने वाले पेड न्यूज़/विज्ञापन/ प्री सर्टिफिकेशन (पोल दिवस के एक दिन पूर्व) के बारें पूछा उन्होंने मीडिया कोषांग में हो रहें कार्यों पर संतुष्टि जाहिर करते हुए कहा की भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश का पालन करें।

1950 टॉल फ्री कॉल सेंटर निरीक्षण :रांची -08 संसदीय लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक डीएस रमेश के द्वारा समाहरणालय ब्लॉक-ए स्थित जिला निर्वाचन कार्यालय में स्थित

1950 टॉल फ्री कॉल सेंटर निरीक्षण किया। उन्होंने यहाँ आ रहें कॉल सम्बंधित जानकारी लिया की किस तरह के कॉल यहाँ आ रहें है, उन्हें आप जानकारी कैसे दे रहें है। ये कैसे लोगों के सवालों का जवाब देते है, कॉल जितने आते है, उसे पंजी में दर्ज किया जाता है या नही, तमाम तरह की जानकारी लेते हुए उन्होंने विशेष रूप से कहा की आप सभी दिए गए दिशा निर्देश का पालन करें।

इस दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी रांची, बिवेक कुमार सुमन, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा रांची, रवि शंकर मिश्रा एवं सम्बंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

श्रीश्री रवि शंकर का जन्म दिवस आज धूमधाम से मनाया जायेगा

सभी तैयारियां पूरी

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची। श्री श्री रवि शंकर जी का जन्म दिवस सोमवार को रांची के राज योग केंद्र में धूमधाम के साथ मनाया जायेगा। इस अवसर पर झारखण्ड अपैक्स बॉडी की बैठक में कार्यक्रम की रूप-रेखा को अंतिम रूप दिया गया। जेल रोड स्थित राजयोग केंद्र में शाम साढ़े चार बजे से समष्टि एवं गुरुदेव के स्वास्थ्य कल्याण हेतु आयुष होम का आयोजन किया गया है।

इसके पश्चात सभी गुरुओं और गुरु तत्व की आराधना के लिए गुरु पूजा एवं गुरु भजन का कार्यक्रम साढ़े पांच बजे से होगा।

छ बजे से नाना प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन है। साढ़े छः बजे से महासत्संग शुरू होगा। सुमधुर भजनों की संध्या करीब आठ बजे तक चलेगी। भक्तों के लिए इसके पश्चात महाभोग वितरित की जायेगी।

इस अवसर पर आज राजयोग केंद्र में आर्ट ऑफ़ लिविंग के स्वयंसेवकों ने उत्साह के साथ केंद्र की सफाई की एवं हॉल को कल के कार्यक्रम के लिए सुसज्जित किया। श्री श्री रवि शंकर जी का जन्म 13 मई 1956 में तमिलनाडु के पापनाशम गाँव में हुआ था। पूरे विश्व में यह धूम-धाम से मनाया जाता है।

झारखण्ड अपैक्स बॉडी के सदस्य आर पी बरनवाल, दीपक विद्यार्थी, सहेंद्र सिन्हा, राज्य शिक्षक समन्व्यक राकेश भ्रमर तथा श्री प्रमोद ने इसके आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सेल सैटेलाइट टाउनशिप में स्वास्थ्य वार्ता और योग सत्र आयोजित

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची। सेल, रांची ने रविवार को अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए सेल सैटेलाइट टाउनशिप के इस्पात कार्यपालक छात्रावास में स्वास्थ्य वार्ता और योग सत्र का आयोजन किया। डॉ. जेके रथ, पूर्व सीएमओ, इस्पात हॉस्पिटल एवं योग विशेषज्ञ श्रीमती रितु रूंगटा ने क्रमशः स्वास्थ्य वार्ता और योग सत्र में सेल कर्मियों को स्वास्थ्य के नुस्खे दिए। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए सेल, सीईटी के कार्यपालक निदेशक श्री एसके वर्मा ने आज के कॉर्पोरेट जगत में मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. रथ ने अच्छे आहार और नियमित व्यायाम के अलावा मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी जीवनशैली संबंधी बीमारियों को शुरुआती अवस्था में ही रोकने के लिए शीघ्र निदान और उचित चिकित्सा देखभाल पर जोर दिया, ताकि बाद में जटिलताओं से बचा जा सके। श्रीमती रितु रूंगटा ने सेल कर्मचारियों के लंबे समय तक डेस्क वर्क तथा जीवनशैली संबंधी बीमारियों की रोकथाम से संबंधित कुछ चुनिंदा श्वास तकनीकों और विशेष योग मुद्राओं का प्रस्तुतीकरण किया7 सेल, सीईटी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों ने विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया और उन्हें धन्यवाद दिया।

गौतम बुद्ध वन्यप्राणी आश्रयिणी के वनपाल अयूब अंसारी के नाम अनोखा रिकॉर्ड

प्रतिनिधि,चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड चौपारण स्थित गौतम बुद्ध वन्य प्राणी आश्रयणी बिट कार्यालय दनुआ में पदस्थापित वनपाल अयूब अंसारी से खास बातचीत में उन्होंने बताया कि आश्रयणी क्षेत्र काफी बड़ा है। झारखण्ड बिहार से सटा हुआ सीमावर्ती क्षेत्र है।गौतम बुद्ध वन्यप्राणी आश्रयिणी का क्षेत्र हजारीबाग के चौपारण तथा चतरा जिले का भी कुछ भाग आश्रयिणी क्षेत्र में आता है। इसका रेंज कार्यालय कोडरमा जिला है और डिवीजन ऑफिस हजारीबाग है। वहीं वनपाल अयूब अंसारी नें बताया कि वन्य प्राणी में स्टॉफ कि संख्या के कमी के बावजूद इतने बड़े क्षेत्र में मेरी पोस्टिंग 2018 में इस जगह पर हुई थी। बावजूद इसके इस क्षेत्र में काफी संख्या में दो नंबर का कार्य होता था मेरे आने से गौतम बुद्ध वन्यप्राणी आश्रयिणी से लगभग 20 से 25 आरामशीन को कबाड़ दिया गया और लकड़ी व बोटा लदा वाहन भी लगभग 15 से 20 पकड़ा गया। आश्रयणी क्षेत्र को क्षति पहुंचने वाले सैकड़ों लोगों पर वनवाद दायर किया गया। हाँ इस आश्रयनी क्षेत्र में अफीम की खेती पहले बहुत होती थी मगर इसपर भी अंकुश बहुत लगाया गया है और आगे भी मेरी यही प्राथमिकता रहेगी कि इस क्षेत्र से अफीम की खेती का नामोनिशान मिटा दूँ।

सेवा भारती ने लगातार 100वाँ सप्ताह निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया

- 5150 लोगों ने अब तक जाँच शिविर मे चेकअप कराया
- सेवा भारती निशुल्क सेवा देकर मानवता की सेवा करता है -दीपक सर्राफ

प्रतिनिधि,लोहरदगा। सेवा भारती लोहरदगा के द्वारा चुन्नीलाल उच्च विद्यालय के प्रांगण मे लगातार 100 वें सप्ताह के रविवार को सुबह 7:30 बजे से निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा शिविर का जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ एवं डॉ कुमुद अग्रवाल ने संयुक्त रूप से भारत माता के तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्प चढ़ाकर शुभारंभ किया और सभी ने भारत माता की जय आदि का नारा लगाते हुए नमन किए। इस निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में ,60 लोगों ने अपना स्वास्थ्य जांच करवा कर लाभान्वित हुए। जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ ने कहा साप्ताहिक चल रहे इस शिविर में अब तक 5150 लोगों ने अपना स्वास्थ्य चेकअप करा कर लाभान्वित हुए और कहा कि सेवा भारती अपने नाम के अनुरूप निशुल्क सेवा देकर मानवता की सेवा करती है। दीपक सर्राफ ने कहा कि लोकसभा चुनाव पर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें और एक सशक्त सरकार बनाने में भागीदार बने,जिससे कि देश-राज्य और अपना जिला में विकास की गंगा बहने लगे। डॉ कुमुद ने कहा कि लगातार 100 वां सप्ताह से यह निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाना काफी सराहनीय है और मतदान के दिन अपना और अपने परिवार जनों का कीमती वोट दिलाकर एक मजबूत सरकार बनाएं। उपाध्यक्ष अवधेश मित्तल,सचिव जयप्रकाश शर्मा व सहसचिव संजय चौधरी ने कहा कि प्रत्येक सप्ताह इस स्वास्थ्य शिविर में लोग अपना चेकअप करा कर अपने स्वास्थ्य की जानकारी ले रहे हैं,यह निशुल्क स्वास्थ्य शिविर निरंतर प्रत्येक रविवार को एक घंटे के लिए लगाई जाती है और लोगों ने शुगर,बी.पी.,ऑक्सीजन लेबल,वजन,हार्ट बीट आदि की जांच करवाते हुए,डॉक्टर से परामर्श भी लिए। शिविर में जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ,डॉ कुमुद अग्रवाल,अवधेश मित्तल ,जयप्रकाश शर्मा,संजय चौधरी,गुप्तेश्वर प्रसाद गुप्त, सत्यम सराफ,सुबोध महतो,अंजलि सर्राफ,अतुल सर्राफ,गंगोत्री देवी,मुकेश कास्यंकार,सूरज साहू,महावीर सिंह,गीता देवी,हजारी साहू,प्रद्युम्न सिंह,सुगंध देवी,शांति देवी,कुणाल चौधरी,मनोज प्रसाद,नारायण साहू,उदय कास्यंकार,शिमला देवी,तारामती देवी,सुरेंद्र साहू,किशोर अग्रवाल,नंदलाल साहू,तपेश्वर अग्रवाल,मनमोहन प्रसाद,मीना देवी,राजू अग्रवाल,मनीष कुमार,देवनारायण प्रसाद,बिगन प्रसाद,लीला देवी,मीना देवी,कृष्णा प्रसाद,माधुरी देवी,ज्ञानेश गुप्ता,सचिन कुमार,किरण देवी,रमेश शर्मा,सोनिया पोद्दार,नितिन कुमार,लीला देवी,संध्या अग्रवाल,सुधीर अग्रवाल आदि उपस्थित थें।

आरोग्यम अस्पताल में आरोग्यम परिवार के द्वारा मनाया गया नर्स दिवस

नर्स स्वरूप नारी शक्ति अस्पताल की रीढ है -हर्ष अजमेरा

प्रतिनिधि,हजारीबाग। अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पूरे विश्व में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। इसी बीच हजारीबाग शहर के आरोग्यम अस्पताल में अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। अस्पताल में अपनी सेवा प्रदान कर रही सभी नर्स बहनों को अस्पताल के निर्देशक एवं प्रशासक के द्वारा सम्मानित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर केक काटकर एक दूजे को खिलाकर नर्स दिवस को यादगार बनाया गया।कहते हैं कि बीमार लोगों के जीवन को बचाने में नर्सों की अहम भूमिका होती है। साथ ही बीमार व्यक्ति को डॉक्टर की ओर से जो उपचार लिखा जाता है,उसको पूर्ण करने में नर्सों की ओर से विशेष योगदान दिया जाता है।मौके पर आरोग्यम अस्पताल के निर्देशक हर्ष अजमेरा ने कहा कि नर्स स्वरूप नारी शक्ति अस्पताल की रीढ़ होती है। उनके बिना अस्पताल का संचालन ही संभव नहीं है। मरीजों की देखभाल से लेकर दवाएं देना और उनकी हर जरूरत का ध्यान रखना नर्सों के ही जिम्मे होता है। इसलिए हमें भी नर्सों का सम्मान करना चाहिए। समर्पण त्याग और सहयोग की भावना महिलाओं में अधिक होती है। यही वजह है कि चिकित्सा क्षेत्र में नर्सों की संख्या अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की अपेक्षा अधिक होती है। लोग नर्सों को सिस्टर कहकर संबोधित करते हैं।

कोरोना काल में रही इनकी अहम भूमिका : आरोग्यम अस्पताल की नर्सों ने कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के समय अपनी जान जोखिम में डालकर ईमानदारी से ड्यूटी निभाई और कोविड- 19 संक्रमित लोगों के उपचार में लगी रही। ऐसी नारी शक्तियों को आरोग्यम अस्पताल के पूरे परिवार की ओर से कोटि-कोटि आभार।

टीकाकरण में रहा अहम भूमिका : केंद्रीय सरकार द्वारा टीकाकरण के दौरान आरोग्यम अस्पताल मे टीकाकरण में नर्सों का विशेष योगदान रहा। नर्सों ने अपनी क्षमता से बढ़कर हर जगह अपना योगदान दिया है।

सम्मानित होने वाली नर्सों में रुकसाना खातून,सुमन सचू, मेजरीन,जूही,ममता,निमय,तबरेज, करमजीत,कमलेश,सेफेंग सहित कई नर्सों को सम्मानित किया गया।

मौके पर आरोग्यम अस्पताल के निर्देशक हर्ष अजमेरा, जया सिंह,रवि सिंह सहित कई लोग मौजूद थे।

महिला पंचायत सेवक ने मुखिया पति पर लगाए गंभीर आरोप

प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी और थाना प्रभारी को दी आवेदन मदद की लगाई गुहार

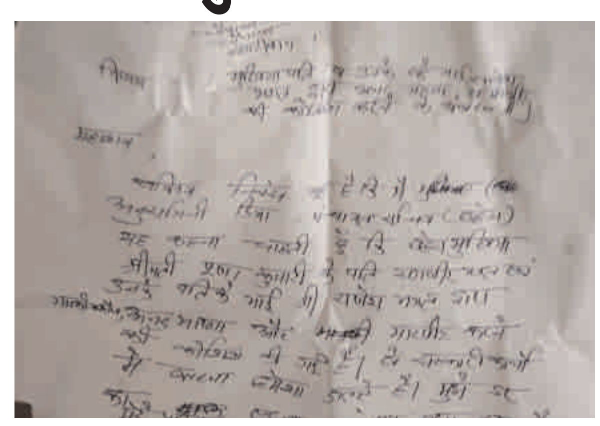

प्रतिनिधि,चौपारण। चौपारण (हजारीबाग) प्रखण्ड के पंचायत बेहरा से बड़ा ही शर्मनाक मामला प्रकाश में आया है।जहां की पंचायत सेवक ने पंचायत के मुखिया पति और भैसुर पर कई गम्भीर आरोप लगाई है। इस सम्बन्ध में महिला पंचायत सेवक अनुरागनी प्रिया द्वारा अपने उच्चधिकारी चौपारण सीओ संजय यादव व चौपारण थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है।

गली गलौज और हाथापाई की कोशिश का आरोप : बेहरा पंचायत सेवक अनुरागनी प्रिया ने अपने दिए गए आवेदन में बेहरा पंचायत की मुखिया पूजा कुमारी के पति रणवीर भगत एवं मुखिया पति के बड़े भाई राजेश भगत पर कई गम्भीर आरोप लगाई है। आवेदन के अनुसार मुखिया पति और उसके भैसुर पर महिला पंचायत सेवक के द्वारा गाली गलौज,अभद्र भाषा और मारपीट करने की कोशिश के अलावा हमेशा सरकारी कार्य मे बाधा पहुंचाने का आरोप लगाया है। साथ ही कहा कि मेरे घर में जिस कारण से टेंशन का माहौल है। इससे पंचायत सचिवालय में मुझे काम करना बहुत मुश्किल हो रहा है।

मुखिया नहीं मुखिया पति की चलती है मनमानी :पंचायत सेवक अनुरागनी प्रिया ने बताया कि पंचायत सचिवालय में शायद ही कभी कभी मुखिया पूजा देवी बैठती है। सारा काम मुखिया पति रणवीर भगत ही करते हैं और अपने ढंग से मनमानी करते हैं और कई गलत कामो में भी सिग्नेचर करने पर दबाव डाला जाता है। मुखिया पूजा देवी को फोन करने के बाद भी नहीं उठाती है। और अपने पति को ही बात करने दे देती है। ये मुखिया के अधिकार का भी हनन कर रहे हैं। साथ ही मेरे नाम पर अबुवा आवास सहित कई ऐसी योजना है जिनके लाभुकों से मुखिया पति द्वारा पैसे का मांग किया जाता है। जबकि मैं कई बार कह चुका हूं कि मेरे नाम से पैसे नहीं लें। पैसे लेने से मना करने पर ही मेरे साथ गाली गलौज और चप्पल उठाकर मुझे मारने का प्रयास किया गया। वहीं सूत्रों से भी पता चला है कि मुखिया पति द्वारा अबुआ आवास दिलाने के नाम पर 10 से 20 हज़ार रुपया कमीशन की उगाई की जा रही है। और उगाही करने से पहले लाभुकों को बेटा के सर पर हाथ रखकर कसम भी खिला लिया जाता है ताकि लाभुकों का मुंह बन्द रहे।

क्या कहते हैं सीओ

सीओ संजय यादव ने कहा कि सरकारी महिला कर्मी के साथ इस तरह की घटना बेहद ही निन्दनीय है। पंचायत सेवक अनुरागनी प्रिया द्वारा आवेदन मुझे भी दिया गया। जो दोषी होंगे उस पर कार्रवाई की जाएगी। चूंकि आरोप मुखिया के पति और भैसुर पर लगाया गया है,जो कि आम ब्यक्ति हैं। इसलिए महिला पंचायत सेवक ने थाने में भी आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। इधर मुखिया पति रणधीर भगत ने बताया कि पंचायत सेवक द्वारा लगाया गया सभी आरोप निराधार है।

तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए मनीष जयसवाल को भारी मतों से जिताने का संकल्प -आदित्य साहू सोनी

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि ,बड़कागांव । भारतीय जनता पार्टी बड़कागांव पश्चिमी मंडल में भाजपा मंडल अध्यक्ष आदित्य साहू सोनी के नेतृत्व में कांडतरी पंचायत के ग्राम मिर्जापुर चुनावी सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन पारसनाथ प्रसाद मुखिया सह जिला उपाध्यक्ष मुखिया संघ के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा जिला मंत्री मूलचंद साव उपस्थित रहें। आदित्य साहू सोनी एवम् मुख्य अतिथि मूलचंद साव ने कहा की मोदी जी के द्वारा चलाए गए कोई भी योजना का अब सीधे जनता के खाते में आता है। देश के प्रधानमंत्री का डंका विदेशों में भी बज रहा है। विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है। न ही उनके पास कोई नीति है। इस लिए इस बार 20 मई को जब चुनाव के दिन सभी को अपने मत का प्रयोग कर मनीष जयसवाल को भरी मतों से विजय बनाए और देश के प्रधानमंत्री को मजबूत करें।उपस्थित ग्रामीणों ने हजारीबाग भाजपा लोकसभा प्रत्याशी माननीय मनीष जयसवाल को भरी मतों से विजय दिलाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मौके उपप्रमुख बचनदेव कुमार, पूर्व प्रमुख सह भाजपा नेता टुकेशवर प्रसाद, कामेश्वर महतो, भवानी प्रसाद, लालदेव महतो, रविकांत महतो, सुधीर कु. चौबे, रामचरण महतो, भोला प्रसाद दांगी, देवनारायण महतो, राजू सोनी, जिला सोसल मीडिया प्रभारी शिव शंकर उर्फ़ शिबू मेहता, उदय मेहता, सत्यजीत विद्या अलंकार, प्रवीण कुमार, शिव शंकर कुमार, के साथ साथ दर्जनों कार्यकर्ता व ग्रामीण उपस्थित रहे।

इटखोरी कांग्रेस कार्यालय में इंडिया महागठबंधन के कार्यकर्ताओं की हुई बैठक, चुनावी रणनीति पर हुई चर्चा

बैठक में चतरा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र की मौलिक समस्याओं पर भी चर्चा की गई

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो

इटखोरी (चतरा)। रविवार को इटखोरी में कांग्रेस कार्यालय में प्रखंड के इंडिया महागठबंधन के सभी कार्यकर्ताओं की एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता डॉक्टर साकेत शुक्ला के द्वारा की गई। इस बैठक में इंडिया महागठबंधन के कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने विचारों को प्रस्तुत किया। अपने विचारों को प्रकट करते हुए कार्यकर्ताओं ने चतरा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र की जमीनी समस्याओं पर भी चर्चा की। इस क्रम में कार्य करता हूं उन्हें चतरा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में विस्थापितों के पुनर्वास, क्षेत्र में युवाओं के बेरोजगारी और पलायन जैसे गंभीर मुद्दों पर भी विचार विमर्श किया गया। 10 वर्षों में इस क्षेत्र में विकास किस तरह से बाधित रहा इस पर भी चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में प्रखंड के सभी पंचायत में बूथ स्तर पर सभी मतदाताओं से मिलकर कांग्रेस के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करने की रणनीति पर विशेष रूप से चर्चा हुई।

इस बैठक में मुख्य रूप से योगेंद्र बैठा, बालमुकुंद राम, जगदीश यादव, अनिल सिंह, श्याम सिंह जागेश्वर यादव, बबलू केसरी, रामाधीन यादव, सीताराम रविदास, सत्यदेव सोनी, ईश्वर यादव नेमधारी यादव, कृष्णा साव समेत सैकड़ो की संख्या में महागठबंधन के प्रखंड स्तरीय पंचायत स्तरीय एवं बुथ स्तरीय कार्य कर्ता शिरकत किये। सब ने एकमत से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी कृष्णानंद त्रिपाठी को भारी से भारी मतों से विजयी बनाने का संकल्प लिया।

सीता नवमी सह प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम संपन्न

प्रतिनिधि,रांची। सेवा भारती एवं विश्व हिंदू परिषद के संयुक्त तत्वावधान में रांची के बिरसा चौक स्थित सेवा निकेतन में सेवा भारती, रांची महानगर अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत की अध्यक्षता में सीता नवमी के उपलक्ष्य में माता सीता का जन्मोत्सव सह स्वालंबन केंद्र का प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्र मंत्री वीरेंद्र विमल ने कहा कि मां सीता हर भारतीय नारी की आदर्श हैं। सीता मैया मां भारती की भक्ति का प्रकटीकरण भी हैं। माता सीता के जीवन का अधिकांश समय प्रकृति के बीच में गुजरा। उनका जीवन सदैव शौर्य , धैर्य,साहस,पर्यावरण,आदर्श परिवार का संदेश वाहक और अनुकरणीय है। मौके पर स्वालंबन केंद्र की बहनों ने अपना अनुभव कथन रखते हुए कहा कि सेवा भारती के माध्यम से संचालित स्वावलंबन प्रशिक्षण केंद्र हमें आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम में महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए सेवा भारती की ट्रस्टी पूनम आनंद ने कहा कि आज अभावग्रस्त महिलाएं सिलाई कटाई , कंप्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वरोजगार कर रही हैं और अपने परिवार को आर्थिक संबल प्रदान कर रही हैं। मौके पर 22 महिलाओं को स्वावलंबन प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इसके पूर्व विषय प्रवेश दुर्गा वाहिनी की प्रांत प्रमुख दीपा रानी कुंज ने किया। अतिथियों का परिचय विहिप के प्रांतीय मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र ने किया। कार्यक्रम का संचालन किशोरी विकास केंद्र आयाम की सपना सिंह ने किया और अंत में धन्यवाद ज्ञापन सेवा भारती की शिक्षा आयाम प्रमुख कंचन प्रभा ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से परमानंद कुजारा, उमाशंकर शर्मा,विनय लाल,डॉ.भारती रायपत, आरती सिंह, श्वेता तिवारी सहित नगर निरीक्षिका, शिक्षिकाओं की उपस्थिति रही।

जेसीआई यूथ ने मनाया अंतरराष्ट्रीय मातृ दिवस

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। जेसीआई रांची यूथ ने अंतरराष्ट्रीय मातृ दिवस (मदर्सडे) मनाया। संस्थान की अध्यक्षा सोनल अग्रवाल ने सर्वप्रथम मां पर एक गीत सुनाया उसके बाद कहा कि मां के कई रूप है और उसमें धैर्य है प्यार है और इतनी फिक्र है कि उसका कर्ज उतारना मुश्किल है। ऐसा नहीं होना चाहिए। माँ का दायित्व बहुत ही बड़ा होता है उसको घर,परिवार, समाज, राष्ट्र सबके लिए सोचना पड़ता है। माँ बच्चों को अच्छे संस्कार देगीं वही सबके लिए सुख का कारण बनेगा। हमारा राष्ट का नाम पूरे विश्व में होगा।माँ को बड़े सोच विचार कर बच्चों का लालन-पालन करना चाहिए।इसलिए उस में सब गुण समाहित होने चाहिए। समय अनुकूल व्यवहार सीखना होगा परिवार का भी अपना एक सुख है। इस बात को कभी नहीं भूलना चाहिए मां परिवार को माला की तरह पिरो कर रखती है। जिसमें सभी रिश्तों के मोती होते हैं। कार्यक्रम में सदस्यों ने अपनी माँ के साथ मातृ दिवस (मदर्सडे) मनाया। उनके उपर बहुत ही सुंदर कविताएं नृत्य नाटिकाएं और नृत्य प्रस्तुत किए।सदस्यों के मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के गेम्स भी करवाए गए।कार्यक्रम मे उपस्थित माँ ने अपने बच्चों को कैसे बड़ा किया अपनी बात को रखते हुए भावुक हो गई थी। कार्यक्रम की संयोजिका सृष्टि सिंह ने सभी को मदर्स डे की बहुत-बहुत शुभकामनाएं दी।

जिंदगी की पहली टीचर होती है मां
जिंदगी की पहली दोस्त होती है मां
जिंदगी भी मां क्योंकि
जिंदगी देने वाली भी होती है मां।

मौक़े पर पूर्व अध्यक्ष प्रतीक बादानी,कुशा जालान और मोनिका गोयनका,मनीषा सोन्थलिया व अन्य सदस्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

गृह मंत्री अमित शाह ने मीडिया सेंटर का किया शुभारंभ, लोगों से पूछा हालचाल

वाराणसी। गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कैंट क्षेत्र के होटल डी-पेरिस में मीडिया सेंटर का शुभारंभ किया। उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय, पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण किया। इस दौरान गृह मंत्री ने मीडिया के लोगों से मिलकर हालचाल पूछा।

गृह मंत्री अमित शाह पीएम मोदी के रोड शो की तैयारियों का जायजा लेने के लिए काशी में हैं। शनिवार की शाम गृह मंत्री अमित शाह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यकर्ताओं संग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो और नामांकन को ऐतिहासिक बनाने की रणनीति बनाई।

सीएम योगी ने काशी विश्वनाथ धाम में किया दर्शन-पूजन, बाबा काल भैरव का लिया आशीर्वाद

वाराणसी, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार की सुबह श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर व काल भैरव मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इस दौरान उन्होंने बाबा विश्वनाथ का विधि-विधान से दर्शन-पूजन व जलाभिषेक किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो और नामांकन के क्रम में सीएम योगी काशी में हैं। रविवार की सुबह मुख्यमंत्री श्रीकाशी विश्वनाथ धाम पहुंचे। उन्होंने विधि-विधान से बाबा का पूजन-अर्चन किया।बाबा के शरण में शीश झुकाकर उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के ऐतिहासिक जीत की कामना की।

गिरी विमान यात्रियों की संख्या, जनवरी की तुलना में आधी रह गईं फ्लाइट, कई डेली सर्विसेज हुईं वीकली

अयोध्या, एजेंसी। रामनगरी के महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाली कई सीधी फ्लाइटों का संचालन इन दिनों ठप है। यात्रियों की कमी और विमान कंपनियों में हो रही उठापटक इसकी प्रमुख वजह मानी जा रही है। अयोध्या से चेन्नई और कोलकाता की रोजाना फ्लाइट मौजूदा समय में वीकली कर दी गई है। मुंबई के लिए भी सिर्फ एक ही फ्लाइट बची है। जबकि शुरुआती दौर में करीब 18 विमान प्रतिदिन रामनगरी से उड़ान भरते थे, अब ये संख्या घटकर आधी रह गई है। अयोध्या से चेन्नई के लिए स्पाइसजेट ने रोजाना फ्लाइट शुरू की थी, जो अब सिर्फ सप्ताह में दो दिन बृहस्पतिवार और रविवार को चल रही है।

पीएम मोदी 16 मई को आजमगढ़ में करेंगे जनसभा, कई लोकसभा क्षेत्रों को साधेंगे प्रधानमंत्री

वाराणसी। लोकसभा चुनाव की सरगर्मी जिले में तेज हो गई है। सपा की ओर से जिले में इंडिया गठबंधन की रैली आयोजित करने की तैयारी की गई है। वहीं अब जिले में 16 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आगमन हो रहा है। इस दौरान वह लालगंज सुरक्षित सीट के निजामाबाद विधानसभा क्षेत्र स्थित गंधुवई में जनसभा को संबोधित करेंगे। उनके आगमन को लेकर जिला प्रशासन के साथ ही पार्टी कार्यकर्ता भी जी-जान से जुट गए हैं।

जनपद में चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों की गतिविधियां तेज हो गई हैं। समाजवादी पार्टी की ओर से मंदुरी एयरपोर्ट के पास इंडिया गठबंधन की रैली कराने की तैयारी की जा रही है। जिसमें राहुल गांधी, ममता बनर्जी, स्टालिन, केजरीवाल, फारुक अब्दुल्ला आदि के शामिल होने की उम्मीद है। इस रैली को 13 मई के बाद आयोजित होने की बात सपा नेताओं द्वारा कही जा रही है। अभी इंडिया गठबंधन के रैली की डेट फिक्स हो उसके पहले ही भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री की जनसभा का कार्यक्रम निर्धारित हो गया।

जनसभा के जरिए कई लोकसभा क्षेत्रों को साधेंगे पीएम

16 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लालगंज सुरक्षित लोकसभा क्षेत्र के निजामाबाद स्थित गंधुवई गांव में जनसभा को संबोधित करेंगे। यह कार्यक्रम शनिवार की देर रात फिक्स हुआ। लोकसभा क्षेत्र अंबेडकर नगर और जौनपुर की सीमा से जुड़ती है। यह जनसभा भले ही आजमगढ़ और लालगंज लोकसभा क्षेत्र के लिए आयोजित हो रही है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस जनसभा के जरिए कई लोकसभा क्षेत्रों को साधेंगे। कार्यक्रम निर्धारित होते ही जिला प्रशासन और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ पदाधिकारी जनसभा की तैयारियों में जुट गए हैं।

पीएम के रोड शो की बैरिकेडिंग के लिए घट गई बांस-बल्ली, सड़कों पर कई जगह लगाई गई स्टील

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो के लिए की जा रही बैरिकेडिंग की बल्लियां घट गई। इसके बाद कई जगह सड़कों पर स्टील की बैरिकेडिंग लगाई गई। साथ ही आसपास के जिलों से 500 बल्लियां मंगाई गई। इसके अलावा 950 और बल्लियों का ऑर्डर दिया गया है। उधर, लंका-गोदौलिया मार्ग पर जगह-जगह पैचिंग की गई और वरेका की सड़कों की पिचिंग के साथ रंग-रोगन कर चकाचक बनाया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी आगमन के मद्देनजर जिला प्रशासन के कई महकमे शनिवार को तैयारी में जुटे रहे। देर शाम तक जिला प्रशासन के अंदरखाने में प्रधानमंत्री के रोड शो के रूट को बढ़ने-घटने को लेकर भी मंथन चलता रहा। लोक निर्माण विभाग के अधिकारी और ठेका लेने वाली एजेंसी के लगभग 100 कर्मी दिनभर प्रधानमंत्री के आवागमन और रोड शो रूट की वैरिकेडिंग करते रहे।

प्रधानमंत्री के पांच किलोमीटर के रोड शो के लिए 5000 से 6000 बल्लियों की जरूरत थी। मगर, बल्लियां कम पड़ गईं। काम प्रभावित होने लगा तो पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने स्टील की वैरिकेडिंग करवाई। इससे भी बात नहीं बनी तो आसपास के जिलों से बल्लियां मंगाई गई।

इससे पूर्व लंका से पीएम के रोड शो रूट की सड़कों पर जगह-जगह पैचिंग की गई। पीएम की नजर जहां तक पहुंच सकती है, उन सभी पॉइंट्स को सजाने का प्रयास किया गया। लहरतारा-मंडुवाडीह और भिखारीपुर-सुंदरपुर मार्ग पर जगह- जगह सड़कों को दुरुस्त किया गया।

भिखारीपुर तिराहे पर अधूरी सड़क को पीडब्ल्यूडी ने पूरा कराया। लंका से शुरू होकर विश्वनाथ धाम तक जाने वाले प्रधानमंत्री के रोड शो के लिए रूट की सड़कों की साफ-सफाई कराई गई। बंगाली टोला, मदनपुरा, सोनारपुरा की सड़कों पर भी पैचिंग और बैरिकेडिंग की गई। पीडब्ल्यूडी ने जगह-जगह डिवाइडरों पर रंग रोगन कराया। उधर बरेका ने भी अपने क्षेत्र की सड़कों पर पिच बिछाने के साथ सफेद पट्टी लगाकर उन्हें दुरुस्त कराया।

पांच आरोपियों द्वार युवती के साथ छेड़खानी का प्रयास

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

गिरिडीह। जमुआ थाना क्षेत्र में शनिवार को युवती के साथ हुए छेड़खानी मामले में आरोपियों ने युवती और उसके परिजनों पर प्रहार कर जख्मी कर दिया। तीनों का इलाज फिलहाल सदर अस्पताल में चल रहा है। घटना के बाद पीड़िता ने जमुआ थाना में आवेदन देकर रिंकू हाजरा, पप्पू हाजरा, बलदेव हाजरा, राजेश कुमार गुलशन और नारायण हाजरा पर आरोप लगाया। पीड़िता ने थाना को दिए आवेदन में पीड़िता ने पांचो पर आरोप लगाते हुए कहा कि करीब आठ बजे वो अपने नए घर से पुराना घर भोजन करने जा रही थी। इसी दौरान रिंकू हाजरा और पप्पू हाजरा ने पीड़िता के साथ गलत हरकत करने लगा और दुपट्टा खींचकर मुंह दबाया। इस दौरान जब पीड़िता चिल्लाई, तो और तीन आरोपी आएं और पीड़िता के साथ मारपीट करने लगे। इधर बेटी की आवाज सुनकर पिता और मां आई, तो पांचो आरोपियों ने उसके माता-पिता के साथ भी मारपीट किया और जख्मी कर दिया। आवेदन मिलने के बाद जमुआ थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई। जबकि सारे आरोपी फरार बताए जा रहे हैं।

रोटरी क्लब ऑफ़ गिरिडीह द्वारा किया गया प्लास्टिक सर्जरी कैंप का आयोजन

पूसू प्रतिनिधि, गिरिडीह। रोटरी क्लब ऑफ़ गिरिडीह के द्वारा दो दिवसीय प्लास्टिक सर्जरी कैंप का आयोजन जीडी बगड़िया हॉस्पिटल में किया गया। जहां डॉ विकास माथुर ने मरीजों का स्क्रीनिंग किया और करीबन 10 लोगों का ऑपरेशन डॉक्टर विवेक गोस्वामी,पारस हॉस्पिटल रांची के द्वारा किया गया। यह पूरे कैंप का आयोजन प्रोजेक्ट चेयरमैन प्रशांत बागड़िया की देखरेख में संपन्न हुआ। वही प्रेसिडेंट मनीष तर्वे ने डॉ विवेक गोस्वामी को धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि आगे भी इस तरह का कैम्प हम भविष्य में करते रहेंगे जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग लाभान्वित हो सके। मौके पर सेक्रेटरी आशीष तर्वे विकास बसईवाला ,प्रशांत बगड़िया सिद्धार्थ जैन, अंशुल जैन अमित तुलसियान सरद रुंगटा,नरेन्द्र सिंह, मंजीत सिंह भुपेन्द्र सिंह लखी गौरी,सरिया अमित गुप्ता आदि लोग मौजूद थे।

बिजली निगम की एक नासमझी, लाइनमैन की जान पर भारी- गंभीर अवस्था में चल रहा इलाज

गोरखपुर, एजेंसी। झरना टोले में बिजली मरम्मत के दौरान आपूर्ति शुरू होने से झुलसे लाइनमैन नवीन चौधरी का बीआरडी मेडिकल कॉलेज के सर्जरी वार्ड में इलाज चल रहा है। भर्ती लाइनमैन की स्थिति नाजुक है। दूसरे दिन शुक्रवार को भी उनके कान से खून आता रहा। वहीं इस मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में एसएसओ को हटा दिया गया है।

बिछिया क्षेत्र के सिंहासनपुर निवासी, संविदा लाइनमैन नवीन चौधरी के भाई सचिन चौधरी ने बताया कि न्यूरो और ईएनटी सर्जन देखेंगे, इसके बाद आगे के इलाज के बारे में बताएंगे। सिर की हड्डी टूट जाने के कारण कान से खून आ रहा है, जबकि गला, छाती, दाहिना पैर और हाथ झुलस गया है।

विद्युत उपकेंद्र नीना थापा के झरना टोला में शट डाउन के दौरान दूसरे फीडर की बिजली कटने के कारण यह हादसा हुआ। इस मामले में बिजली निगम ने एसएसओ की सेवा प्रदाता एजेंसी भूतपूर्व सैनिक कल्याण निगम को पत्र लिखकर एसएसओ को हटाने की सिफारिश की थी। शाम को सेवा प्रदाता एजेंसी ने एसएसओ को पद से हटाने की जानकारी निगम को दी।

विभिन्न मांगों को लेकर बिजली निगम के कर्मचारियों ने मुख्य अभियंता कार्यालय पर प्रदर्शन किया। मुख्य अभियंता से वार्ता हुई। उनके आश्वासन और मांगे माने जाने के भरोसे के बाद प्रदर्शन खत्म किया। कर्मचारी नेता अजय शाही ने बताया कि अगर निगम की तरफ से तकनीकी रूप से दक्ष लोगों को एसएसओ पद पर रखा जाता तो ये हादसा नहीं होता।

सभी सैनिक कल्याण की तरफ से तैनात एसएसओ की शैक्षणिक योग्यता और तकनीकी परीक्षण की जांच हो। इसी आधार पर इन्हें तैनाती दी जाए।

अर्थिंग चेन होती तो नहीं होता हादसा

बिजली निगम के अधिकारियों के अनुसार अर्थिंग चेन होती तो नवीन चौधरी हादसे के शिकार नहीं होते। अर्थिंग चेन लाइनमैन के पास होती, तो वे बिजली जोड़ने से पहले तार को उसके ऊपर फेंकते तो स्पार्किंग से पता चल जाता है कि बिजली है। यदि बिजली होती थी तो ट्रिपिंग से आपूर्ति बंद हो जाती। इसके साथ ही ठेकेदारों की लापरवाह से श्रमिक हेलमेट और सेफ्टी बेल्ट आदि उपकरण के बिना ही मरम्मत कार्य कर रहे हैं।

अधिशासी अभियंता मोहद्दीपुर लवलेश कुमार ने बताया कि झुलसे लाइनमैन को बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां बेहतर ढंग से इलाज कराया जा रहा है। इस मामले में लापरवाही करने वाले एसएसओ को हटा दिया गया है।

डीडीयू में इसी सत्र से शुरू हो जाएगी फार्मेसी की पढ़ाई, नहीं जाना होगा घर- शहर से दूर

गोरखपुर, एजेंसी। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 से ही फार्मेसी की भी पढ़ाई होगी। इसके लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। विश्वविद्यालय ने सीटों की संख्या को तय कर लिया है। डी फार्मा और बी-फार्मा में 60-60 सीटें होंगी। जल्द ही विद्या परिषद की बैठक में इसे स्वीकृति के लिए रखा जाएगा।

साथ ही जल्द ही पीसीआई (फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया) की टीम निरीक्षण के लिए आ सकती है। विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी का संचालन पूर्वांचल विकास बोर्ड वाले भवन में होगा। वहां से पूर्वांचल विकास बोर्ड के दफ्तर को हटाकर जीरो वेस्ट सेंटर में शिफ्ट कर दिया गया है।

अब यह बिल्डिंग पूरी तरह खाली हो गई है। फार्मेसी की

बिल्डिंग में इंक्यूबेशन सेंटर के लिए भी जगह दी जाएगी। फार्मेसी की जरूरत के अनुसार लैब और क्लास रूम का काम शुरू हो गया है। जल्द ही फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया की टीम इसका निरीक्षण कर सकती है। उससे हरी झंडी मिलने के बाद विश्वविद्यालय इसके लिए प्रवेश शुरू कर देगा।

इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी के अंतर्गत बैचलर इन फार्मेसी और डिप्लोमा इन फार्मेसी के पाठ्यक्रम चलाए जाएंगे। दोनों पाठ्यक्रमों में 60-60 सीटें होंगी। पहले साल पढ़ाई के लिए छह लैब तैयार किए जा रहे हैं। इसके बाद इसे बढ़ाकर 12 कर दिया जाएगा। लैब के लिए जरूरी उपकरणों की खरीद शुरू हो गई है। इसके साथ ही पाठ्यक्रम से संबंधित किताबों की खरीदारी की भी शुरुआत हो गई है।

प्रो. सोम शंकर बने निदेशक

विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी की स्थापना फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत होनी है। इसके सुचारू संचालन के लिए रसायन शास्त्र विभाग के प्रो. सोम शंकर को निदेशक नियुक्त किया गया है। फार्मेसी से जुड़े प्रस्ताव को आगामी 24 मई को होने वाली विद्या परिषद की बैठक में भी रखा जाएगा।

अगले सत्र तक तैयार हो जाएगी एक और मंजिल

फार्मेसी की शुरुआत में दो बैच ही होंगे, ऐसे में इनकी कक्षाएं इस भवन में संचालित हो जाएंगी। लेकिन अगले सत्र से दो बैच और बढ़ने के बाद इसमें समस्या आ सकती है। इसके लिए विश्वविद्यालय, पूर्वांचल विकास बोर्ड वाले भवन में एक और मंजिल बनाने जा रहा है। अगले साल तक यह तैयार हो जाएगी। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि विश्वविद्यालय में इसी सत्र से फार्मेसी की पढ़ाई शुरू हो जाएगी। इसको लेकर तैयारियां काफी तेज हैं। बी फार्मा और डी-फार्मा के लिए सीटों का निर्धारण हो गया है। इसको जल्द ही विद्या परिषद की बैठक में रखा जाएगा।

स्मृति ईरानी ने दी राहुल-प्रियंका को बहस करने की खुली चुनौती, कहा-तय कीजिए जगह और एंकर

अमेठी, एजेंसी। अमेठी से चुनाव लड़ रहीं स्मृति ईरानी ने राहुल और प्रियंका को बहस करने की खुली चुनौती दी है। मालूम हो कि राहुल गांधी ने एक सवाल के जवाब में कहा था कि वह मोदी से बहस कर सकते हैं लेकिन मोदी उनसे बहस नहीं करेंगे। अब इस पर स्मृति ईरानी ने पलटवार किया है। स्मृति ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को चुनौती दी है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस खुद मुद्दों से भाग रही है।

सांसद स्मृति ईरानी ने प्रियंका गांधी के बयान पर जवाब देते चुनौती दी और कहा कि मेरी आज इन सबको चुनौती है..आप अपना चैनल पिक करिए, एंकर चुनिए..मुद्दा चुनिए..स्थल चुनिए.. तारीख चुनिए..दोनों भाई बहन एक तरफ और भाजपा के एक प्रवक्ता एक तरफ़..दूध का दूध, पानी का पानी वहीं हो जाएगा किसमें कितना दम है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी खुद मुद्दों से भाग रही है। अगर मुद्दों पर बात करने का दम है तो फिर कहती हूं चैनल बताएं, रिपोर्टर बताएं..स्थल बताएं..तारीख बताएं.. मुद्दा बताएं. हमारी पार्टी से सुधांशु त्रिवेदी जी है काफी हैं। दोनों भाई-बहन एक तरफ और त्रिवेदी जी एक तरफ..पता चल जाएगा।

राहुल ने कहा था कि मोदी बहस नहीं करेंगे

राहुल गांधी शनिवार को लखनऊ में एक कार्यक्रम में थे। संविधान रक्षा से जुड़े एक कार्यक्रम में राहुल से सवाल पूछा गया कि क्या वह खुले मंच पर मोदी से बहस कर सकते हैं। इसके जवाब में राहुल ने कहा कि वह पीएम से बहस कर सकते हैं लेकिन वह पीएम को जानते हैं। पीएम उनके साथ बहस नहीं करेंगे। राहुल ने यह भी कहा कि पीएम मोदी के साथ बहस करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष खरगे भी तैयार हैं।

संपादकीय

यात्रियों की मुसीबत

एयर इंडिया एक्सप्रेस को लगातार दूसरे दिन गुरुवार को बड़ी संख्या में फ्लाइट कैंसल करनी पड़ी थी। हालांकि सहयोगी कंपनी एयर इंडिया उसकी मदद के लिए आगे आई और खबर है कि करीब 20 रूटों पर पर वह उड़ानें संचालित कर रही है। फिर भी एयर इंडिया एक्सप्रेस को 85 फ्लाइट कैंसल करनी पड़ीं। कंपनी ने बुधवार को भी 80 से ज्यादा फ्लाइट कैंसल की थी। निश्चित रूप से इससे यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी है। करीब एक महीने के अंतर पर यह दूसरा मौका है जब टाटा ग्रुप की एयरलाइन कंपनी के यात्रियों को इस तरह की परेशानियों से दो-चार होना पड़ा है। अप्रैल में ग्रुप की कंपनी विस्तारा को अचानक पायलटों के छुट्टी पर चले जाने से 150 से ज्यादा उड़ानें रद्द करनी पड़ी थीं। दरअसल, टाटा ग्रुप में अलग-अलग एयरलाइन कंपनियों के विलय की प्रक्रिया चल रही है। इस क्रम में अलग-अलग कंपनियों में सैलरी स्ट्रक्चर की रीबैलेंसिंग का चुनौतीपूर्ण काम होना है। यह बिजनेस डिसिजन ग्रुप का आंतरिक मामला है। लेकिन जिस तरह से इसका असर उड़ानों के रद्द होने के रूप में सामने आ रहा है और जिसका खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है, उससे साफ है कि यह काम कुशलता से नहीं किया जा रहा। देश का एविएशन सेक्टर कई तरह के दबावों से जूझ रहा है। हालांकि यह कोविड महामारी के चुनौतीपूर्ण दौर को पीछे छोड़ चुका है। एयर ट्रैफिक मूवमेंट के जो आंकड़े 2022 में 18 करोड़ से कुछ ज्यादा थे, 2023 में वे 32 करोड़ से ऊपर पहुंच गए। लेकिन यात्रियों की इस बढ़ी हुई संख्या की जरूरतें पूरी करने वाले विमानों की संख्या महामारी-पूर्व के दौर के मुकाबले और कम हो गई है। इसका सीधा परिणाम यह हुआ कि हवाई किराए में अच्छी बढ़ोतरी हो चुकी है। दूसरी बात यह कि जब भी बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द की जाती हैं तो यात्रियों की परेशानी कई गुना बढ़ जाती है। इन हालात में उनके लिए वैकल्पिक फ्लाइट्स का इंतजाम करना बेहद मुश्किल हो जाता है। अगर जनवरी-मार्च तिमाही की बात की जाए तो डोमेस्टिक एविएशन मार्केट के करीब 90% हिस्से पर इंडिगो और टाटा ग्रुप एयरलाइंस का कब्जा दिखता है। मार्केट पर दो बड़े खिलाड़ियों का वर्चस्व कॉम्पिटिशन के लिहाज से कोई अच्छी स्थिति नहीं कही जाएगी। इससे किराए के नीचे आने की उम्मीद भी नहीं बन रही। बहरहाल, ऊंचे किराए और मुनाफे की तगड़ी संभावना के बीच यात्रियों की परेशानी की मौजूदा स्थिति स्वीकार्य नहीं हो सकती। एविएशन रेग्युलेटर ष्ठत्रष्ट को कंपनियों से यह सुनिश्चित करवाना चाहिए कि उनकी आंतरिक समस्याओं का खामियाजा यात्रियों को न भुगतना पड़े।

युवाओं की ज्यादा परवाह का समय

(राज कुमार सिंह, वरिष्ठ पत्रकार)

इसी साल फरवरी के अंतिम रविवार को अपने 'मन की बात' कार्यक्रम के 110वें संस्करण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 18 साल की उम्र पूरी करने पर नए बने मतदाताओं से यह आह्वान किया था कि वे 18वीं लोकसभा चुनने के लिए बड़ी संख्या में मतदान करें। प्रधानमंत्री ने चुनाव आयोग के अभियान 'मेरा पहला वोट देश के लिए' की भी प्रशंसा की थी, पर हाल ही में 18 वर्ष के होने वाले युवाओं पर इस सबका ज्यादा असर नजर नहीं आता। 18वीं लोकसभा के लिए सात चरणों में मतदान हो रहा है। 19 अप्रैल को मतदान के पहले चरण से कुछ ही दिन पहले यह आंकड़ा आया था कि देश भर में 18-19 आयु वर्ग के युवाओं के मतदाता बनने का प्रतिशत 40 से भी कम है। देश में इस आयु वर्ग के मतदाताओं की अनुमानित आबादी 4.9 करोड़ है, पर 1.8 करोड़, यानी 38 प्रतिशत ने ही खुद को मतदाता के रूप में पंजीकृत कराया है। यह आंकड़ा वर्ष 2014 में खुद को मतदाता के रूप में पंजीकृत कराने वाले इसी आयु वर्ग के नौजवानों से 1.9 प्रतिशत कम है।

राजनीतिक दल भी इससे इनकार तो नहीं करते कि युवा ही वास्तव में किसी देश का भविष्य होते हैं। तब क्या भारत के युवाओं में मतदाता बनने के प्रति ही ऐसी उदासीनता को गंभीर संकेत नहीं माना जाना चाहिए? मतदान तो अगला कदम है। मतदाता बनने के प्रति उदासीनता के राज्यवार आंकड़े भी सवाल खड़े करते हैं। मसलन, देश का दिल कही जाने वाली दिल्ली में 18 से 19 आयु वर्ग के युवाओं के मतदाता बनने का प्रतिशत मात्र 21 है। राजनीतिक रूप से सजग और सक्रिय माने जाने वाले बिहार में तो यह 17 प्रतिशत पर ही अटक गया। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में भी इस आयु वर्ग के 23 प्रतिशत युवाओं ने ही मतदाता बनने में दिलचस्पी दिखाई। अपेक्षाकृत नए राज्य तेलंगाना के आंकड़े अवश्य उत्साहवर्द्धक हैं, जहां इसी आयु वर्ग के 66.7 प्रतिशत युवाओं ने मतदाता के रूप में खुद को पंजीकृत कराया है। अरसे से आतंकवाद और अलगाववाद झेल रहा जम्मू-कश्मीर भी इस मामले में प्रशंसा का पात्र है, जहां 62 प्रतिशत नौजवानों ने मतदाता बनने में दिलचस्पी दिखाई है। हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और केरल में यह प्रतिशत क्रमश- 60, 49, 48 और 38 रहा। जाहिर है, कम मतदाता बनने का सीधा असर चुनाव प्रक्रिया के जरिये युवाओं की भागीदारी पर भी पड़ेगा।

चुनाव प्रक्रिया में युवाओं की घटती दिलचस्पी के जो कारण जानकार बताते हैं, वे दरअसल हमारी राजनीति को ही कठघरे में खड़ा करने वाले हैं। मसलन, उम्रदराज राजनीतिक नेतृत्व में युवाओं को अपना प्रतिनिधित्व और अपनी आकांक्षाओं का प्रतिबिंब नहीं दिखता। चुनाव प्रक्रिया में युवाओं की घटती दिलचस्पी तब और भी चौंकाने वाली है, जब देखें कि 2014 के लोकसभा चुनाव में युवाओं ने बढ़-चढ़कर मतदान किया था। एक आंकड़े के मुताबिक, 2014 के लोकसभा चुनाव में 18 से 25 आयु वर्ग के युवाओं ने शेष आबादी की तुलना में कहीं ज्यादा 70 प्रतिशत तक मतदान किया था। चुनाव प्रक्रिया पर नजर रखनेवाले मानते हैं कि तब भाजपा की जीत में भी निर्णायक भूमिका युवाओं ने ही निभाई थी। 2019 के लोकसभा चुनाव में भी युवा पीछे नहीं रहे। फिर अब युवाओं का चुनाव प्रक्रिया से मोहभंग क्यों नजर आ रहा है? वास्तविक कारण तो युवाओं के बीच किसी व्यापक सर्वेक्षण से ही पता चल सकता है, पर देश-काल-परिवेश के मद्देनजर उसका अनुमान लगाने की कोशिश की जा सकती है। तत्कालीन सरकार पर भ्रष्टाचार और नीतिगत जड़ता के गंभीर आरोपों के बीच हुए 2014 के लोकसभा चुनाव में बड़े पैमाने पर नौकरियां देने का वायदा किया गया था, पर आज भी लाखों सरकारी पद खाली पड़े हैं।

युवाओं के वोट की चाह रखने वाली हर पार्टी को यह भी दिखना चाहिए कि युवाओं की चिंता क्या है? अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की 2024 की रिपोर्ट बताती है कि कुल मिलाकर 83 प्रतिशत युवा बेरोजगार हैं। आयु वर्ग की बात करें, तो राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) के आवधिक श्रम बल सर्वे (पीएलएफएस) के आंकड़े बताते हैं कि जुलाई, 2022 से जून, 2023 के बीच नौकरी तलाश कर रहे 17 साल के युवाओं का प्रतिशत 16.8, 18 साल के युवाओं का प्रतिशत 28.5 और 19 साल के युवाओं का प्रतिशत 31.3 था। इसी सर्वेक्षण के मुताबिक, पहली बार मतदान करने वालों की श्रम बल भागीदारी 29.7 प्रतिशत थी, यानी उनमें से 70 प्रतिशत के पास कोई रोजगार नहीं था। ऐसे में, युवाओं की चुनाव प्रक्रिया से कुछ दूरी बहुत चौंकाती तो नहीं, पर सवाल अवश्य खड़े करती है। पिछले कई सालों से भारत को युवाओं का देश कहा जा रहा है। भारत की जनसंख्या 144 करोड़ हो जाने पर आई संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की रिपोर्ट बताती है कि रोजगार की दृष्टि से युवा यानी 18 से 35 वर्ष के बीच की आबादी की बात करें, तो उसका आंकड़ा 60 करोड़ के आसपास बैठता है। दिल्ली में तो 45 प्रतिशत मतदाता 40 साल से कम उम्र के हैं।

आर्थिक उदारीकरण के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था की तेज विकास दर की कहानी खुद आंकड़े बयान करते हैं। भारत का विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाना निश्चय ही गर्व की बात है। ऐसा कदापि नहीं कहा जा सकता कि हमारे राजनीतिक दल युवा मतदाताओं का महत्व नहीं समझते हैं। कमोबेश सभी राजनीतिक दलों के विभिन्न नामों से जारी चुनाव घोषणापत्रों में युवाओं के लिए लुभावनी घोषणाएं हैं। फिर भी, युवाओं में मतदान के प्रति दिलचस्पी घट रही है, तो सभी दलों को सोचना होगा। बेशक यह स्थिति राजनीतिक नेतृत्व से भी आत्म-विश्लेषण की मांग करती है, लेकिन देश सिर्फ राजनीतिक दलों-नेताओं का नहीं है। देश की सही दिशा के लिए जरूरी है कि दलों-नेताओं की दिशा भी सही रखी जाए। हालात मोहभंग से नहीं, मनोबल से ही बदले जा सकते हैं। मतदान अधिकार ही नहीं, हर नागरिक का कर्तव्य भी है। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं के लिए ही कहा था - उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक मंजिल प्राप्त न हो जाए।

भारत में हाल ही के वर्षों में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में आई भारी कमी के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक एवं विकसित देशों के कई वित्तीय एवं आर्थिक संस्थानों ने भारत की आर्थिक नीतियों की मुक्त कंठ से सराहना की है। यह सब दरअसल भारत में तेज गति से हुए वित्तीय समावेशन के चलते सम्भव हुआ है। याद करें वर्ष 1947, जब देश ने राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त की थी, उस समय देश की अधिकतम आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने को मजबूर थी। जबकि, भारत का इतिहास वैभवशाली रहा है एवं भारत को 'सोने की चिड़िया' कहा जाता था। परंतु, पहिले अरब से आक्रांताओं एवं बाद में अंग्रेजों ने भारत को जमकर लूटा तथा देश के नागरिकों को गरीबी की ओर धकेल दिया। भारत में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत से 'गरीबी हटाओ' के नारे तो बहुत लगे परंतु, गरीबी नहीं हटी। 'गरीबी हटाओ' के नारे के साथ राजनैतिक दलों ने कई बार सता हासिल की किंतु देश से गरीबी हटाने के गम्भीर प्रयास शायद कभी नहीं हुए और गरीब वर्ग को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा।

भारत में गरीबी उन्मूलन पर पूर्व में गम्भीरता से ध्यान ही नहीं दिया गया

(प्रह्लाद सबनानी)

भारत में प्रधानमंत्री जनधन योजना को वर्ष 2014 में लागू किया गया जिसके माध्यम से आम नागरिकों के बैंकों में बचत खाते खोले गए, आवश्यकता आधारित ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित की गई, धन के प्रेषण की सुविधा, बीमा तथा पेंशन सुविधा भी उपलब्ध कराई गई।

भारत में हाल ही के वर्षों में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में आई भारी कमी के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक एवं विकसित देशों के कई वित्तीय एवं आर्थिक संस्थानों ने भारत की आर्थिक नीतियों की मुक्त कंठ से सराहना की है। यह सब दरअसल भारत में तेज गति से हुए वित्तीय समावेशन के चलते सम्भव हुआ है। याद करें वर्ष 1947, जब देश ने राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त की थी, उस समय देश की अधिकतम आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने को मजबूर थी। जबकि, भारत का इतिहास वैभवशाली रहा है एवं भारत को 'सोने की चिड़िया' कहा जाता था। परंतु, पहिले अरब से आक्रांताओं एवं बाद में अंग्रेजों ने भारत को जमकर लूटा तथा देश के नागरिकों को गरीबी की ओर धकेल दिया। भारत में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत से 'गरीबी हटाओ' के नारे तो बहुत लगे परंतु, गरीबी नहीं हटी। 'गरीबी हटाओ' के नारे के साथ राजनैतिक दलों ने कई बार सता हासिल की किंतु देश से गरीबी हटाने के गम्भीर प्रयास शायद कभी नहीं हुए और गरीब वर्ग को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा।

भारत में प्रधानमंत्री जनधन योजना को वर्ष 2014 में लागू किया गया जिसके माध्यम से आम नागरिकों के बैंकों में बचत खाते खोले गए, आवश्यकता आधारित ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित की गई, धन के प्रेषण की सुविधा, बीमा तथा पेंशन सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। इस योजना के अंतर्गत जमाराशि पर ब्याज मिलता है, हालांकि बचत खाते में कोई न्यूनतम राशि रखना आवश्यक नहीं है। एक लाख रुपए तक का दुर्घटना बीमा भी मिलता है। साथ ही, इस योजना के माध्यम से दो लाख रुपए का जीवन बीमा उस लाभार्थी को उसकी मृत्यु पर सामान्य शर्तों पर मिलता है।

भारत में प्रधानमंत्री जनधन योजना को सफलता पूर्वक लागू करने के बाद प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना को भी लागू किया गया जिसके अंतर्गत केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा गरीब वर्ग के हितार्थ चलाई जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली सहायता की राशि को सीधे ही हितग्राहियों के बचत खातों में जमा कर दिया जाता है। इससे विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को 100 प्रतिशत लाभ की राशि सीधे ही उनके हाथों में पहुंच जाती है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना के अंतर्गत, वर्ष 2013 के बाद से 31 मार्च 2022 तक, 24.8 लाख करोड़ रुपए की राशि सीधे ही लाभार्थियों के बचत खातों में जमा की जा चुकी है, इसमें अकेले वित्तीय वर्ष 2021-22 में ही 6.3 लाख करोड़ रुपए की राशि लाभार्थियों के बचत खातों में हस्तांतरित की गई थी। वर्ष 2014 के पूर्व तक जब इन लाभार्थियों के बचत खाते विभिन्न बैंकों में नहीं खुले थे तब तक कांग्रेस एवं अन्य सरकारों के शासनकाल के दौरान विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली सहायता की राशि सामान्यतः नकद राशि के रूप में इन लाभार्थियों को उपलब्ध कराई जाती थी।

आपको शायद ध्यान होगा कि एक बार देश के प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी जी ने कहा था कि केंद्र सरकार से विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली सहायता की राशि के एक रुपए में से केवल 16 पैसे ही लाभार्थियों तक पहुंच पाते हैं। शेष 84 पैसे इन योजनाओं को चलाने वाले तंत्र की जेब में पहुंच जाते है। अब आप स्वयं आंकलन करें कि यदि बैंक में 50 करोड़ लाभार्थियों के बचत खाते नहीं खुले होते और यदि उक्त वर्णित केवल 8 वर्षों के दौरान उपलब्ध कराई गई 25 लाख करोड़ रुपए से अधिक की सहायता राशि केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न लाभार्थियों को नकद राशि के रूप में उपलब्ध कराई जाती तो इन लाभार्थियों के पास केवल 4 लाख करोड़ रुपए की राशि ही पहुंच पाती एवं शेष 21 लाख करोड़ रुपए की राशि इन योजनाओं को चलाने वाले तंत्र के पास ही रह जाती। अब आप आगे एक और कल्पना कर लीजिये कि पिछले 70 वर्षों के दौरान कितनी भारी भरकम राशि इन गरीब हितग्राहियों तक नहीं पहुंच पाई होगी। इस राशि का आकार शायद आपकी कल्पना से भी परे है। सहायता की यह राशि यदि गरीबों तक पहुंच गई होती तो शायद हो सकता है कि देश से अभी तक गरीबी भी दूर हो चुकी होती। अब जब प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना के अंतर्गत सहायता की राशि हितग्राहियों के खातों में सीधे ही पहुंच रही है तो देश से गरीबी भी तेजी से कम होती दिखाई दे रही है, जिसकी तारीफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुक्त कंठ से हो रही है।

पिछले 10 वर्षों के दौरान केंद्र सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भारतीय बैंकों के माध्यम से इस दृष्टि से बहुत ठोस कार्य किया गया है। न केवल 50 करोड़ से अधिक बचत खाते विभिन्न भारतीय बैंकों में खोले गए हैं बल्कि आज इन बचत खातों में 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि भी जमा हो गई है और बचत की यह भारी भरकम राशि बैंकों द्वारा देश के आर्थिक विकास में उपयोग की जा रही है। इस प्रकार, भारत का गरीब वर्ग भी इन बैंक खातों के माध्यम से देश के आर्थिक विकास में प्रत्यक्ष रूप से अपना योगदान देता हुआ दिखाई दे रहा है। उक्त 50 करोड़ से अधिक बचत खातों में 50 प्रतिशत खाते महिलाओं द्वारा खोले गए हैं, अर्थात अब भारतीय महिलाएं, ग्रामीण महिलाओं सहित, भी आत्मनिर्भर बनती जा रही हैं।

भारी मात्रा में खोले गए इन बचत खातों के माध्यम से गरीब वर्ग के नागरिकों का बैंकिंग सम्बंधी इतिहास भी धीरे धीरे विकसित हो रहा है, जिससे इस वर्ग के नागरिकों को बैंकों द्वारा ऋण प्रदान करने में आसानी होने लगी है। केंद्र सरकार द्वारा बैंकों के माध्यम से लागू की जा रही विभिन्न प्रकार की ऋण योजनाओं का लाभ भी अब गरीब वर्ग को मिलने लगा है। कोरोना महामारी के तुरंत बाद जब देश में स्थितियां सामान्य बनने की ओर अग्रसर हो रहीं थीं तब केंद्र सरकार ने खोमचा वाले, रेहड़ी वाले एवं ठेलों पर अपना सामान बेचकर छोटे छोटे व्यवसाईयों हेतु अपना व्यापार पुनः प्रारम्भ करने के उद्देश्य से एक विशेष ऋण योजना प्रारम्भ की थी। इस योजना के अंतर्गत उक्त वर्णित छोटे छोटे व्यवसाईयों को बैंक द्वारा आसानी से ऋण प्रदान किया गया था क्योंकि इस वर्ग के नागरिकों के पूर्व में ही बैंकों में बचत खाते खुले हुए थे। बैंकों द्वारा यह ऋण बगैर किसी व्यक्तिगत गारंटी के प्रदान किया गया था। और, हजारों की संख्या में छोटे छोटे व्यवसाईयों ने निर्धारित समय सीमा में इस ऋण को अदा कर, पुनः बढ़ी हुई राशि के ऋण बैंकों से लिए थे और अपने व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ाया था। बैंकों में खोले गए बचत खातों से गरीब वर्ग को इस प्रकार के लाभ भी हुए हैं।

भारत में प्रधानमंत्री जनधन योजना ने देश के हर गरीब नागरिक को वित्तीय मुख्य धारा से जोड़ा है। समाज के अंतिम छोर पर बैठे गरीबतम व्यक्तियों को भी इस योजना का लाभ मिला है। आजादी के लगभग 70 वर्षों के बाद भी भारत के 50 प्रतिशत नागरिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ अर्थात बैकों से नहीं जुड़े थे। प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत खाताधारकों को प्रदान की जाने वाली अन्य सुविधाओं का लाभ भी भारी मात्रा में नागरिकों ने उठाया है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से 15.99 करोड़ नागरिक जुड़ गए हैं, इनमें 49 प्रतिशत महिलाएं शामिल हैं, इस योजना के अंतर्गत 2 लाख रुपए का जीवन बीमा केवल 436 रुपए के वार्षिक प्रीमीयम पर उपलब्ध कराया जाता है। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से 33.78 करोड़ नागरिक जुड़ गए हैं, इनमें 48 प्रतिशत महिला लाभार्थी हैं, इस योजना के अंतर्गत 2 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा केवल 20 रुपए के वार्षिक प्रीमीयम पर उपलब्ध कराया जाता है। अटल पेंशन योजना से 5.20 करोड़ नागरिक जुड़ गए हैं। मुद्रा योजना के अंतर्गत 40.83 करोड़ नागरिकों को ऋण प्रदान किया गया है।

प्रधानमंत्री जनधन योजना अपने प्रारम्भिक समय से ही वित्तीय समावेशन के लिए एक क्रांतिकारी कदम मानी जा रही है। इस योजना के अंतर्गत खोले गए बचत खातों में से लगभग 67 प्रतिशत बचत खाते ग्रामीण एवं अर्धशहरी केंद्रों पर खोले गए हैं, जिसे मजबूत होती ग्रामीण अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है। भारत में बैंकिंग व्यवस्था को आसान बनाने के उद्देश्य से डिजिटल इंडिया को आगे बढ़ाने का कार्य भी सफलतापूर्वक किया गया है। इस योजना के अंतर्गत खोले गए बचत खाताधारकों को रूपे डेबिट कार्ड प्रदान किया गया है। यह रूपे कार्ड उपयोगकर्ता द्वारा समस्त एटीएम, पोस टर्मिनल एवं ई-कामर्स वेबसाइट पर लेनदेन करने की दृष्टि से उपयोग किया जा सकता है। वर्ष 2016 में 15.78 करोड़ बचत खाताधारकों को रूपे कार्ड प्रदान किया गया था एवं अप्रेल 2023 तक यह संख्या बढ़कर 33.5 करोड़ तक पहुंच गई है। (लेखक सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

किसके पक्ष में जाएगा जनता का फैसला? तीसरे चरण के बाद भी हवा का रुख साफ नहीं

सत्ताधीश भाजपा के सबसे मुखर नेता तथा जिनके नाम पर जनता से वोट मांगा जाता है, उनका स्वर तीसरे चरण के मतदान के बाद बदल गए हैं। अब प्रधानमंत्री के भाषण को सुनने पर यह नहीं लगता कि वह कोई नई बात कह रहे हैं, या लोग अब यह कहने लगे हैं कि प्रधानमंत्री का जो भाषण ओज से भरा होता था तथा जिसे सुनने के लिए दूर-दूर से लोग आते थे, अब उनमें ऐसा नहीं रहा। यही वजह है कि सभा स्थल पर कुर्सियां भी आजकल खाली दिखती हैं। लोग तो अब यह भी कहने लगे हैं कि प्रधानमंत्री, जो कुछ अब अपने भाषण में वह कहते हैं, उसका प्रभाव समाज पर नहीं पड़ता।

(निशिकांत ठाकुर)

विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में लोकसभा चुनाव का तीसरा चरण हो गया। जीत-हार का निर्णय सात चरणों के चुनाव के बाद चार जून को होने वाली मतगणना के बाद होगा। इस चुनाव में उनका भाग्योदय होगा, जिन्हें जनता बड़े सोच विचार से अपना अनमोल वोट देकर संसद में भेजने का निर्णय लिया होगा। अभी जो भी गणना या रुझान आपको दिखाया जाता है, वह समाज को दिग्भ्रमित और अपने पक्ष को मजबूत करने के लिए दिखाया जा रहा है। ऐसे लोगों का उद्देश्य यह होता है कि आनेवाले चरणों में होनेवाले चुनावों पर इन रुझानों का प्रभाव पड़े और जिस दल की वे मार्केटिंग कर रहे हैं, उसे अगले चरणों के चुनाव में लाभ मिले। क्योंकि; आज भी हमारा समाज सुनी-सुनाई बातों के पीछे अपनी बुद्धि का प्रयोग करने से कतराता नहीं है।

जीत-हार को लेकर सर्वेयरों ने कई तरह के अनुमान बताए हैं- इसी का लाभ आज के ऐसे सर्वेयरों को मिलता है, जो अपने तामझाम से जनता के बीच पकड़ बना चुके होते हैं। अभी कुछ सप्ताह इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट तथा सोशल मीडिया पर वही दहाड़-फुफकार सुनते रहेंगे कि अमुक स्थान पर उस पार्टी ने बढ़त बना ली है। साथ ही भविष्य के लिए तथाकथित अंकों को भी स्पष्ट करते हैं कि इस पार्टी को उतनी और इस पार्टी को इतनी सीटें मिलने जा रही हैं और इसी के साथ चार जून को इस पार्टी की सरकार बनने जा रही है। एक से एक ज्योतिष अपनी गणना करके समाज को भ्रमित करते रहते हैं।

पीएम के भाषण में भी पहले वाला आकर्षण अब कम हो गया है- सत्ताधीश भाजपा के सबसे मुखर नेता तथा जिनके नाम पर जनता से वोट मांगा जाता है, उनका स्वर तीसरे चरण के मतदान के बाद बदल गए हैं। अब प्रधानमंत्री के भाषण को सुनने पर यह नहीं लगता कि वह कोई नई बात कह रहे हैं, या लोग अब यह कहने लगे हैं कि प्रधानमंत्री का जो भाषण ओज से भरा होता था तथा जिसे सुनने के लिए दूर-दूर से लोग आते थे, अब उनमें ऐसा नहीं रहा। यही वजह है कि सभा स्थल पर कुर्सियां भी आजकल खाली दिखती हैं। लोग तो अब यह भी कहने लगे हैं कि प्रधानमंत्री, जो कुछ अब अपने भाषण में वह कहते हैं, उसका प्रभाव समाज पर नहीं पड़ता। कारण जो भी हो, लेकिन अब तो यहां तक कहा जाने लगा है कि जब टेलीविजन पर उनका भाषण आने लगता है, तो लोग चैनल तक बदल लेते हैं। यानी, अब किसी भी सामान्य जनता के मन में नेताओं द्वारा कही हुई बातें घर नहीं करतीं, बल्कि वह इसे झूठ का पुलिंदा या जुमला ही मानने लगी है।

बहुसंख्यक हिन्दू के खतरे में होने की आशंका कहीं नही है- तीसरे चरण के चुनाव होते होते उन नेताओं की भी स्थिति वैसी नहीं रही, जब प्रधानमंत्री के भाषण को सुनने दूर-दूर से लोग आते थे और भाषण के बाद उनके भाषण पर सभी सकारात्मक समीक्षा करते थे, लेकिन जब से सरकार ने मुस्लिम पक्ष को ललकारना शुरू कर दिया, भारत पाकिस्तान की बात करके उन्हें सबसे खतरनाक पड़ोसी मानने की बात कहने लगे, तभी से माहौल बिल्कुल बिगड़ता चला गयर। निश्चित रूप से भारतीय ताकत के समक्ष पाकिस्तान की कोई औकात नहीं है, लेकिन इस बात का नारा भी अपने देश में ही दिया गया कि बहुसंख्यक हिन्दू खतरे में आ गया है, जबकि इसकी आशंका दूर-दूर तक दिखाई नहीं देती है।

हिन्दू-मुस्लिम के बीच एक अघोषित खाई सी बनने लगी है- हिन्दुओं को खतरे में बताने वाले भी यह नहीं बता पाते कि अपने ही देश में सत्तर प्रतिशत की आबादी वाला हिंदू खतरे में कब, क्यों और कैसे आ गया! हां, खतरे की बात का ढिंढोरा जरूर पीटते रहते हैं। हद की बात तो यह है कि देश के हिंदू खुद भी कहीं से भी खतरे में नहीं मानता। कहीं?, यह भाजपा की ओर से बनाया गए 'छद्म हिंदू' तो नहीं हैं, जिनके दम पर भाजपा हमेशा सत्ता पाने की जुगाड़ में लगी रहती है। खैर जो भी हो, ऐसे लोगों के प्रयास से यह तो जरूर संभव हुआ कि अब हिन्दू-मुस्लिम के बीच एक अघोषित खाई सी बनने लगी है। मुस्लिम समाज खुद को अपमानित महसूस करते हुए अपने ही देश में स्वयं को निरीह मानने लगा है। इसी वजह से उनके मुंह से सुना जा सकता है कि अब वह हिंदुस्तान नहीं रहा, जिसमें हम मुसलमान और हिंदुओं ने साथ मिलकर अंग्रेजों को भगाया था।

कैसी विडंबना है कि आज के राजनीतिज्ञ यह सोचने लगे हैं और सार्वजनिक रूप से मंच से कहने लगे हैं हम उन्हें कपड़ों से पहचान लेते हैं। कहां से आती है किसी के मन में दूसरी जाति संप्रदाय के लिए ऐसी नफरत भरी भाषा का प्रयोग करने की हिम्मत? सच यह है कि यह सब राजनीतिज्ञ अपनी सत्ता को बचाए रखने के लिए, तानाशाही की ओर जाती सत्ता के पैरों को मजबूत करने के लिए ही जानबूझकर इन शब्दावलियों का प्रयोग करते हैं, ताकि दूसरे संप्रदाय के मन में भय पैदा हो और उन नेताओं के जो समर्थक हों, उनके मन में अपने नेताओं के प्रति अटूट विश्वास पैदा हो।

रही बात हिन्दू-मुसलमानों के बीच समय-समय पर मार-काट होने की बात, तो पहले भी और अभी तक की जांच में यही बात सामने आई है कि ऐसा करने के लिए किसी छद्म राजनीतिज्ञों का ही हाथ रहा होता है। अपने ही देश के कुछ मंत्री सरेआम पाकिस्तान चले जाने की बात करते हैं। यही नहीं, उनके समर्थक उन्हें गोली मारने तक के लिए उकसाते हैं। ऐसे नेताओं की अपने दल में बड़ी पूछ होती है और उन्हें पदोन्नति भी दी जाती है। क्या दूसरों को डराकर उन पर जोर जबरदस्ती राज्य करना लोकतंत्र कहलाता है? ऐसा तो हमारे संविधान में कहीं नहीं लिखा है।

क्या हो गया आज की सरकार में ? एक-दूसरे पर आरोप लगाना तो चलिए स्वाभाविक रूप से चुनावों में चलता आ रहा है, लेकिन धर्म-संप्रदाय के नाम पर इतना झूठ बोलना, जिससे सांप्रदायिक सद्भाव बिगड़ जाए, आजादी के बाद ऐसा कभी हुआ नहीं है। अपने एक साक्षात्कार में प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष में राम मंदिर का फैसला पलटवाने की मंशा खतरनाक है। पता नहीं किसने इस तरह का संदेश प्रधानमंत्री को देकर देश की शांति-व्यवस्था को खतरे डालने का अनैतिक प्रयास किया है। दरअसल, जानवरों का कोई समाज नहीं होता। आदमियों का समाज होता है। समाज के लिए भाषा चाहिए। दो लोगों को जोड़ने के लिए भाषा चाहिए। अगर दो लोगों के बीच भाषा न हो, तो जोड़ नहीं पैदा होगा। भाषा समाज बनाती है। भाषा ही सामाजिकता का आधार है। यदि इस तरह की भाषा प्रधानमंत्री ही जनता को उकसाने के लिए करें, तो इस समाज की, इस देश की रक्षा कौन करेगा!

इस बार का लोकसभा चुनाव तीसरे चरण के बाद भी स्पष्ट नहीं कर पा रहा है कि जनता का निर्णय किसके पक्ष में जाएगा। हर छात्र की धड़कन परीक्षा काल में बढ़ी रहती है। उसका किया-कराया ही उसके पास करने का आधार तय करता है। इसलिए अपने किए-कराए पर विचार, अपने माता-पिता से पूरे वर्ष किए गए तरह-तरह के वादे, दिलासा सब उसके सामने चलचित्र की तरह आने लगते हैं; क्योंकि अब केवल उसे उन्हीं सवालों का उत्तर देना है, जो उसने अब तक झूठ-सच के रूप में सबके सामने रखा है। पास और फेल का परिणाम तो परीक्षक देंगे।

उसी तरह सत्तारूढ़ ने जो कुछ अपने पिछले वर्षों के कार्यकाल में किया, वह भी सबके सामने है। इसलिए वह झूठ बोलता है, और झूठ बोलते समय आवाज लड़खड़ा जाती है, गला सूखने लगता है। फिर समाज उसके झूठ को समझ जाता है और फिर चुनाव बूथ में जाकर अपने संवैधानिक अधिकारों का प्रयोग करके उन नेताओं को रास्ते पर लाने के लिए एक वोट की कीमत बताकर उसके सारे झूठ की हवा निकाल देता है। लोकतंत्र की यह ताकत समझते तो सभी राजनीतिज्ञ हैं, लेकिन इसे स्वीकार करने के बदले केवल प्रपंच रचते रहते हैं। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक हैं)

वर्तमान कृषि में एकीकृत कृषि प्रणाली

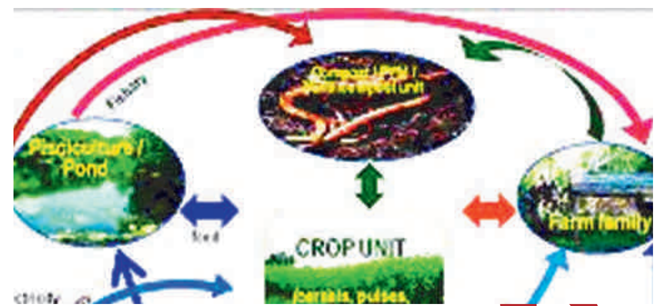

एकीकृत कृषि प्रणाली की आवश्यकता

भारत में जनसँख्या वृद्धि एक विकट समस्या हैं जहाँ एक और किसान के पास सीमित कृषक भूमि है वहीँ दूसरी और सीमित सांसदों के रहते किसान को आवश्यक है की कृषि से अधिक से अधिक उपज प्राप्त हो सके इसलिए रसायनो का उपयोग कृषि में बढ़ता जा रहा है जिससे पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। कृषि में फसलोत्पादन अधिकतर मौसम आधारित होने के कारण विपरीत मौसम परिस्थितियों में आशान्वित उपज प्राप्त नहीं हो पाती। इससे कृषक आय पर प्रभाव पड़ता है जो की आर्थिक व् सामाजिक दृष्टिकोण से भी कृषक को प्रभावित करता है। इस हेतु यह आवश्यक हो गया है की कृषि में फसल के साथ साथ अन्य घटको को भी समेकित किया जाए जिससे किसान को सतत आय मिलती रहे साथ ही विभिन्न घटको के अवशेषों को भी संसाधनों के रूप में पुनर्चक्रण किया जाए जो पर्यावरण की दृष्टि से भी लाभकारी हो।

एकीकृत कृषि प्रणाली क्या है ?

एकीकृत कृषि प्रणाली का तात्पर्य कृषि की उस प्रणाली से है जिसमे कृषि के विभिन्न घटक जैसे फसल उत्पादन, मवेशी पालन, फल तथा सब्जी उत्पादन, मधुमकखी पालन, वानिकी इत्यादि को इस प्रकार समेकित किया जाता हैं, वे एक दूसरे के पूरक हो जिससे संसाधनों की क्षमता, उत्पादकता एवं लाभप्रदता में पर्यावरण को सुरक्षित रखते हुए वृद्धि की जा सके इसे एकीकृत कृषि प्रणाली कहते है। यह एक स्व-सम्पोषित प्रणाली है इसमें अवशेषों के चक्रीय तथा जल एवं पोषक तत्वों आदि का निरंतर प्रवाह होता रहता है जिससे कृषि लागत में कमी आती है और कृषक की आमदनी में वृद्धि होती है साथ ही रोजगार भी मिलता है।

एकीकृत कृषि प्रणाली में एक उद्यम की दूसरे उद्यम पर अंर्तनिर्भरता समन्वित कृषि प्रणाली की मूल-भावना एक उद्यम की दूसरे उद्यम अंर्तनिर्भरता पर आधारित है। अत- समेकित कृषि प्रणाली में विभिन्न घटकों को एक निश्चित अनुपात में रखा जाता है जिससे विभिन्न उद्यम आपस में परस्पर सम्पूरक एवं सहजननात्मक संबंध स्थापित करके कृषि लागत में कमी लाते हुए आमदनी एवं रोजगार में वृद्धि कर सके।

एकीकृत कृषि प्रणाली के सिद्धांत

यह प्रणाली मूलतः इस सिद्धांत पर आधारित है की इसमें समेकित घटक के बीच में परस्पर प्रतिस्पर्धा अधिक न हो और परस्पर पूरकता अधिक से अधिक हो और इसमें कृषि-अर्थशास्त्रीय प्रबन्धन के परिष्कृत नियमों का उपयोग करते हुए किसानों की आमदनी, पारिवारिक पोषण के स्तर और पारिस्थितिकीय प्रणाली से मिलने वाले लाभ सतत और पर्यावरण की दृष्टि से अनुकूल हो। इनके साथ ही जैव विविधता का संरक्षण, फसल/खेती की प्रणाली में विविधता और अधिकतम मात्रा में पुनर्चक्रण करना इस प्रणाली हेतु आवश्यक है।

रोजगार

खेती के साथ अन्य गतिविधियों को अपनाने से मजदूरी की माँग उत्पन्न होती है जिससे पूरे साल परिवार के सदस्यों को काम मिलता है और उन्हें खाली नहीं बैठे रहना पड़ता। पुष्प उत्पादन, मधुमक्खी पालन और प्रसंस्करण से भी परिवार को अतिरिक्त रोजगार प्राप्त होता है। भोजन और पौष्टिक आहार की घरेलू आवश्यकता पूरा करना तथा बाजार पर निर्भरता घटाना।

पुनर्चक्रण के द्वारा भूमि की उर्वरकता में सुधार

अपशिष्ट पदार्थों का पुनर्चक्रण कृषि प्रणालियों का अभिन्न अंग है। यह खेती से निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थों के टिकाऊ निपटान का सबसे उपयोगी तरीका है। इससे पर्याप्त मात्रा में नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम के साथ-साथ बहुत से सूक्ष्म पोषक तत्वो का भी खेतों में ही पुनर्चक्रण के माध्यम से उपयोग किये जा सकते हैं।

संसाधनों का विविध उपयोग

एकीकृत कृषि प्रणाली की उत्पादकता और लाभप्रदता बढ़ाने के लिये भूमि और जल जैसे संसाधनों का विविधतापूर्ण उपयोग बेहद जरूरी है। वर्षा जल को जल संग्रहण संरचना बनाकर एकत्रित किया जा सकता है व् इस जल का उपयोग फल वृक्षों को लगाने में या सब्जी उत्पादन में पूरक सिचाई हेतु किया जा सकता है। जिससे छोटे काश्तकारों की आमदनी बढ़ाने, उनके पौष्टिक आहार के स्तर में सुधार और रोजगार के अवसर बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

छोटे और सीमान्त कृषकों के खेती के अपशिष्ट पदार्थों के फिर से इस्तेमाल की व्यवस्था करने से उर्वरकों का उपयोग कम करने में भी मदद मिलेगी जिसका सकारात्मक असर पड़ेगा।

जोखिमों में कमी

एकीकृत कृषि प्रणाली दृष्टिकोण अपनाने से खेती के जोखिमों को कम करने, खासतौर पर बाजार में मंदी और प्राकृतिक आपदाओं से उत्पन्न खतरों से बचाव में भी मदद मिलती है। एक ही बार में कई घटकों के होने से एक या दो फसलों के खराब हो जाने का परिवार की आर्थिक स्थिति पर कोई खास असर नहीं पड़ता।

एकीकृत कृषि प्रणाली अपनाकर किसान अपने खेतों में संग्रहित जल से फसल आच्छादन बढ़ा सकते है तथा उपलब्ध संसाधनों का भरपूर दोहन करते हुए अपनी आय में वृद्धि कर सकते है। समन्वित कृषि प्रणाली के अंतर्गत कृषि के विभिन्न उद्यम से किसानों को रोजाना आय प्राप्त हो सकती है जिससे वह अपनी रोजमर्रा की जरूरतों की पूर्ति कर सकता है। छोटे एवं सीमांत किसान इस प्रणाली के द्वारा अपनी भूमि पर सालो भर रोजगार प्राप्त कर सकते है तथा बड़े किसान अपनी भूमि पर दूसरों को रोजगार मुहैया करा सकते है। अत- अच्छी आमदनी एवं रोजगार प्राप्त होने पर किसानों एवं मजदूरों का गाँवों से शहरों की तरफ होने वाले पलायन को रोका जा सकता है। साथ ही इस प्रणाली को अपनाकर हम मृदा-उत्पादकता को बरकरार रखते हुए अपने पर्यावरण को सुरक्षित रख सकते है।

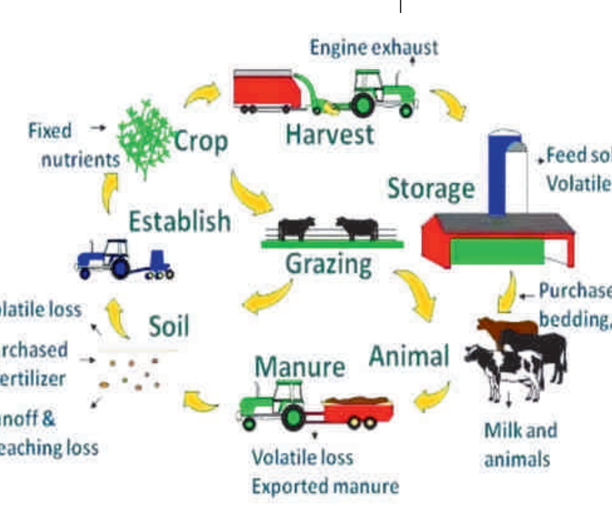

एकीकृत कृषि प्रणाली के लाभ

उत्पादकता

एकीकृत कृषि प्रणाली में फसल और इससे सम्बन्धित उद्यमों में सघनता से उपज और आर्थिक/इकाई समय का इजाफा होता है। भारत में किये गए कई अध्ययनों से पता चला है कि समन्वित कृषि दृष्टिकोण अपनाने से छोटे और सीमान्त किसानों की आजीविका में महत्त्वपूर्ण सुधार हुआ है।

कृषक आय में लाभ

एकीकृत कृषि प्रणाली खेतों के स्तर पर अपशिष्ट पदार्थों का परिष्कार करके उसे दूसरे घटक को बिना किसी लागत या बहुत कम लागत पर उपलब्ध कराने का समग्र अवसर प्रदान करती है। इस तरह एक उद्यम से दूसरे उद्यम के स्तर पर उत्पादन लागत में कमी लाने में मदद मिलती है। इससे निवेश किये गए प्रत्येक रुपए से काफी अधिक मुनाफा मिलता है। अपशिष्ट पदार्थों के पुनर्चक्रण से आधानों के लिये बाजार पर निर्भरता कम होती है

एकीकृत कृषि प्रणाली के घटक

मिट्टी की जीवन्तता को बनाए रखना और प्राकृतिक संसाधनों के कारगर प्रबन्धन से खेत को टिकाऊ आधार प्रदान करना। इसके अन्तर्गत जो बातें शामिल हैं, वे इस प्रकार हैं-

मृदा प्रबंधन

मिट्टी को उपजाऊ बनाना रसायनों का आवश्यकतानुसार उपयोग, फसली अपशिष्ट का पलवार के रूप में उपयोग करना, जैविक और जैव उर्वरकों का उपयोग करना, फसलों को अदला-बदली करके बोना और उनमें विविधता, जमीन की जरूरत से ज्यादा जुताई न करना और मिट्टी को हरित आवरण यानी जैव पलवार से ढँककर रखना।

तापमान प्रबन्धन

जमीन को आच्छादित यानी ढँककर रखना, पेड़-पौधे और बाग लगाना और खेतों की मेढ़ों पर झाड़ियाँ उगाना।

जल उपयोग एवं संरक्षण- वर्षा जल संग्रहण हेतु टांका ,जल होज, इत्यादि का निर्माण क्र जल को संगृहीत कर के उपयोग में लाया जा सकता है।

ऊर्जा दक्षता

विभिन्न प्रकार की फसल प्रणालियों और अन्य पेड़-पौधे उगाकर पूरे साल जमीन को हरा-भरा बनाए रखना।

कृषि आदान में आत्मनिर्भरता

अपने लिये बीजों का अधिक-से-अधिक उत्पादन करना, अपने खेतों के लिये खुद कम्पोस्ट खाद बनाना, वर्मी कम्पोस्ट, वर्मीवॉश, तरल खाद और वनस्पतियों का रस बनाना।

जैवविविधता संरक्षण

विभिन्न प्रकार के जैव-रूपों के लिये पर्यावास का विकास, स्वीकृत रसायनों का कम-से-कम उपयोग और पर्याप्त विविधता का निर्माण।

पशुपालन एवं पशुकल्याण

मवेशी कृषि प्रबन्धन के महत्त्वपूर्ण घटक हैं और उनके न सिर्फ कई तरह के उत्पाद मिलते हैं बल्कि वे जमीन को उपजाऊ बनाने के लिये पर्याप्त मात्रा में गोबर और मूत्र भी उपलब्ध कराते हैं।

नवीकरणीय स्रोत ऊजा- सौर ऊर्जा, बायोगैस और पर्यावरण की दृष्टि से अनुकूल यंत्रों और उपकरणों का उपयोग।

अवशेषों का पुनर्चक्रण

खेती से प्राप्त होने वाले अपशिष्ट पदार्थों का पुनर्चक्रण कर अन्य कार्यों में इस्तेमाल करना।

परिवार की बुनियादी जरूरतों को पूर्ण करना - परिवार की भोजन, चारे, आहार, रेशे, ईंधन और उर्वरक जैसी बुनियादी जरूरतों को खेत-खलिहानों से ही टिकाऊ आधार पर अधिकतम सीमा तक पूरा करने के लिये विभिन्न घटकों में समन्वय और सृजन।

सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये पूरे साल आमदनी

बिक्री को ध्यान में रखकर पर्याप्त उत्पादन करना और कृषि से सम्बन्धित मधुमक्खी पालन, मशरूम की खेती, खेत-खलिहान में ही प्रसंस्करण व मूल्य संवर्धन, आदि गतिविधियाँ संचालित करके परिवार के लिये पूरे साल आमदनी का इन्तजाम करना ताकि परिवार की सामाजिक जरूरतें जैसे, शिक्षा, स्वास्थ्य और विभिन्न सामाजिक गतिविधियाँ सम्पन्न हो सकें।

बरसीन

बरसीन हरे चारें अपने गुणों द्वारा दुधारू पशुओं के लिये प्रसिद्ध है। उत्तरी/पूर्वी क्षेत्र में मक्का या धान के बाद इसकी सफल खेती होती है।

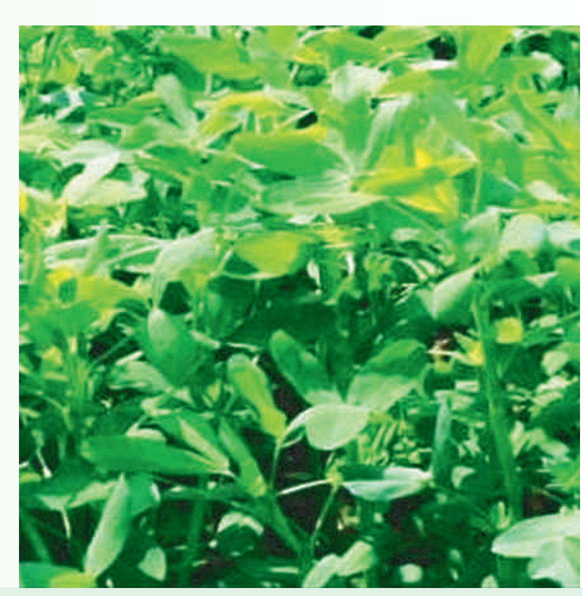

भूमि

दोमट तथा दोमट अधिक उपयुक्त है। बरसीन के लिए अम्लीय मृदा अनुपयुक्त है।

भूमि की तैयारी

खरीफ की फसल के बाद पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से फिर 2-3 बार हैरों चलाकर मिट्टी भूरभूरी कर लेना चाहिये। बुवाई के लिए खेत के लगभग 4*5 मी. की क्यारियों में बॉट ले।

बुवाई का समय

बुवाई 15 अक्टूबर से 15 नवम्बर तक करना ठीक रहता है। देर से बोने पर कटाई की संख्या कम और चारों की उपज प्रभावित होता हे।

बुवाई की विधि

तैयार क्यारियों में 5 सेमी0 गहरा पानी भरकर उसके ऊपर बीज छिड़क देते है। बुवाई के 24 घण्टें बाद क्यारी से जल निकाल कर देना चाहिये। जहॉ धान काटने मे देर हो वहॉ बरसीन की उतेरा करना उचित है इसमें धान कटने से 10-15 दिन पूर्व ही बरसीन को खड़ी फसल में छिड़काव विधि से बुवाई करते है।

बीज दर

प्रति हेक्टेयर 25-30 किग्रा0 बीज बोते है। पहली कटाई मे चारा की उपज अधिक लेने के लिए 1 किग्रा0 /हे0 चारे वाली टा -9 सरसों का बीज बरसीन में मिलाकर बोना चाहियें।

कटाई

कटाई 8-10 सेमी0 की जमीन के ऊपर करने से कल्ले निकलते है। बीज लेने के लिए पहली कटाई के बाद फसल छोड दे।

बीजोपचार

प्रायः बरसीन के साथ कासनी का बीज मिला रहता है। मिश्रत बीज को 5-10 प्रतिशत नमक के घोल में डाल देने से कासनी का बीज ऊपर तैरने लगता है। इसे छानकर अलग कर लेते है। बरसीन के बीज को नमक के घोल से तुरन्त निकाल कर साफ पानी से अच्छी तरह धोले।

यदि बरसीन की किसी खेत में पहली बार बुवाई की जा रही है। तो उसे प्रति 10 किग्रा0 बीज को 250 ग्राम बरसीन कल्चर की दर से उपचारित कर लें। कल्चर ने मिलने पर बरसीन के बीज के बराबर मात्रा में पहले बरसीन बोई गंई खेत की नम भुरभुरी मिट्टी मिला लेते है।

उर्वरक

20 किग्रा0 नत्रजन एंव 80 किग्रा0 फास्फोरस प्रति हेक्टेयर की दर से बोते समय खेत में छिड़कर कर मिट्टी में अच्छी तरह मिला दें।

सिचाई

पहली -सिंचाई बीज अंकुरण के तुरन्त बाद करनी चाहियें। बाद में प्रत्येक सप्ताह के अन्तर पर 2-3 बार सिंचाई करनी चाहियें। इसके पश्चात फरवरी के अन्त तक बीस दिन के अन्तर पर सिंचाई करें मार्च से मई तक 10 दिन कि अन्तर पर सिंचाई करना आवश्यक होगा। साधारणतः प्रत्येक कटाई के बाद सिंचाई अवश्य की जानी चाहियें। एक बार में लगभग 5 सेन्टीमीटर से ज्यादा पानी नही देना चाहिये।

बीजोत्पादन

बरसीन की 2-3 कटाई के बाद कटाई बन्द कर दें। फरवरी का अन्तिम या मार्च का प्रथम सप्ताह उपयुक्त है। अन्तिम कटाई के 10-15 दिन तक सिंचाई रोक देना चाहियें। अधिक बार कटाई करने से बीज का उपज कम एवं कमजोर होते है।

उपज

प्रति हेक्टेयर 80-100 टन हरा प्राप्त होता है। 2-3 कटाई के बाद बीज 2-3 कुन्तल/हे0 एवं 40-50 टन/हे0 हरा चारा मिल जाता है।

उन्नतिशील प्रजातियॉ

क्र.सं.	प्रजातियॉ	हरा चारा (कु0हे0)	उपयुक्त क्षेत्र
1.	वरदान	900-1000	सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश
2.	मेस्कावी	800-900	सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश
3.	बुंदेलखण्ड बरसीन-2 (जे.एच.बी.-146)	900-1100	सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश
4.	बुंदेलखण्ड बरसीन-3 (जे.एच.टी.बी.-146)	950-1100	सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश पश्चिमी व पूर्वी क्षेत्र

कटाई

कुल 4-5 कटाई करते है। कटाई 5-6 सेंमी. ऊपर से करना चाहिये।

पहली कटाई	बोने के 45 दिन
दिसम्बर एवं जनवरी	30-35 दिन बाद
फरवरी से	20-25 दिन के अन्तर पर

पूर्वांचल सूर्य
रांची ➢ सोमवार ➢ 13 मई 2024

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप उपराष्ट्रपति पद के लिए डगलस जेम्स बर्गम को चुनेंगे

न्यू जर्सी , एजेंसी। अमेरिका के न्यू जर्सी में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रैली में नॉर्थ डकोटा के गवर्नर डगलस जेम्स बर्गम भी शामिल हुए। बाहर निकलने से पहले बर्गम रिपब्लिकन प्राइमरी में ट्रम्प के विरोधियों में से एक थे। इस रैली में बर्गम ने ट्रंप की सराहना करने के साथ अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन की आलोचना भी की। उन्होंने इस दौरान राष्ट्रपति बाइडन को तानाशाही शासक बताया। रैली में ट्रंप की सराहना करते हुए बर्गम ने कहा, गवर्नर के तौर पर ट्रंप के साथ काम करना एक अच्छा अनुभव था. यह कुछ ऐसा था, जैसे आपके पीछे एक खूबसूरत हवा का झोंका आया हो। जबकि बाइडन का शासन आपके चेहरे पर तूफानी हवा के झोंके की तरह है, क्योंकि वह हमारे संवैधानिक गणतंत्र के साथ तानाशाही की तरह व्यवहार करते हैं। बर्गम ने आगे कहा, डोनाल्ड ट्रंप का मतलब है ताकत और जो बाइडन का मतलब कमजोरी है। अगर आप अमेरिका को मजबूत बनाना चाहते हैं, तो आपको मालूम होगा कि क्या करना है। हालांकि, डोनाल्ड ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह बर्गम को उपराष्ट्रपति के तौर पर चुनंगे या नहीं। उन्होंने रैली में बर्गम की सराहना जरूर की और वहां मौजूद लोगों से किसी चीज के लिए तैयार रहने के लिए कहा। ट्रंप ने कहा, उसने टेक्नोलॉजी में पैसा कमाया, लेकिन वह ऊर्जा के बारे में मेरे जानने वाले किसी भी व्यक्ति से ज्यादा जानता है। इसलिए कुछ के लिए तैयार हो जाइए। ट्रंप जुलाई में होने वाले रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन से पहले अपने उपराष्ट्रपति पद की घोषणा करेंगे, इसकी संभावना नहीं है। डगलस जेम्स बर्गम ने 15 दिसंबर 2016 में नॉर्थ डकोटा के 33वें गवर्नर के तौर पर पदभाल संभाला था। उन्होंने 1978 में नॉर्थ डकोटा स्टेट यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन के बाद 1980 में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर डिग्री हसिल की। बर्गम शिक्षा प्रणाली को बदलने, छात्रों को सीखने के लिए आवश्यक कौशल से लैश करने और कालेज, करियर एवं सेना में विकल्प के लिए स्नातकों को तैयार करने में अहम भूमिका मिभा चुके हैं।

फिलीपींस ने चीन की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए तैनात किए जहाज

मनीला , एजेंसी। फिलीपींस ने शनिवार को कहा कि उसने दक्षिण चीन सागर में एक विवादित क्षेत्र में जहाज तैनात किए हैं। उसने आरोप लगाया है कि चीन एक कृत्रिम द्वीप का निर्माण कर रहा है। राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि चीन की कथित अवैध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए जहाज भेजा गया था। कार्यालय की ओर से कहा गया है कि दो अन्य जहाज क्षेत्र में बारी-बारी से तैनाती में थे। फिलीपींस कोस्ट गार्ड के प्रवक्ता कमोडोर जे तारिएला ने कहा कि सबीना शोल का छोटे पैमाने पर पुनर्ग्रहण किया गया है, जिसे मनीला एस्कोडा कहता है। मनीला में चीनी दूतावास ने फिलीपींस के दावों पर टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया, जिससे द्विपक्षीय दरार और गहरी हो सकती है। गौरतलब है कि फिलीपींस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने शुक्रवार को समुद्री विवाद के बारे में फिलीपींस के एक एडमिरल के साथ फोन पर हुई बातचीत के कथित लीक होने पर चीनी राजनयिकों को निष्कासित करने का आह्वान किया था।

नेपाली पर्वतारोही ने 29वीं बार एवरेस्ट पर चढ़ाई की; अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पर्वतारोही कामी रीता शेरपा ने एवरेस्ट पर चढ़ने का अपना 28 बार का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। वे विश्व की सबसे ऊंची चोटी पर 29 बार चढ़ने वाले विश्व के एकमात्र व्यक्ति बन गए हैं। 54 वर्षीय कामी रीता शेरपा का 28 बार 8848.86 मीटर ऊंचे माउंट एवरेस्ट का रिकॉर्ड बना हुआ था। लेकिन इस बार उन्होंने वापस से माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई कर नया रिकॉर्ड अपने नाम किया है। एवरेस्ट मैन के नाम से पहचाने जाने वाले शेरपा ने 29 वीं बार एवरेस्ट पर चढ़ने का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। शेरपा एक सप्ताह पहले स्प्रिंग सीजन एवरेस्ट अभियान के तहत काठमांडू से निकले थे। वे 28 पर्वतारोहियों वाले एक दल के साथ निकले थे। जो कि एक सेवन समिट ट्रेक्स प्राइवेट लिमिटेड संचालित करता है।

मॉस्को ने फिर किया कीव पर हमला; रूस का दावा- यूक्रेन के पांच गांवों पर कब्जा

मॉस्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच 26 महीने से अधिक समय से युद्ध जारी है। फिलहाल यह जंग थमती नजर नहीं आ रही है। इस बीच, रूस की सेना ने यूक्रेन में ताजा जमीनी हमले शुरू करने के बाद पांच गांवों पर कब्जा कर लिया। हालांकि, यूक्रेनी अधिकारियों ने फिलहाल इस बात की कोई पुष्टि नहीं की है।

यूक्रेन की खार्किव और रूस की सीमा पर एक विवादित ग्रे जोन स्थित है। एक मीडिया रिपोर्ट में कई यूक्रेनी पत्रकारों का हवाला देते हुए बताया कि बोरीसिवका, ओहिर्टसेव, पिलना और स्ट्रिलेचा के गांवों को शुक्रवार को रूसी सैनिकों ने कब्जा लिया था। रूस ने यह भी दावा किया है कि उसने प्लेटेनीवका पर भी कब्जा किया है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने शनिवार शाम को कहा कि स्ट्रिलेचा और प्लेटेनिवका, साथ ही क्रास्ने, मोरोखोवेट्स, ओलिनीकोव, लुक्यांत्सी और हैतिशे में लड़ाई जारी है। उन्होंने आगे कहा कि हमारे सैनिक दूसरे दिन भी जवाबी हमले कर रहे हैं और यूक्रेनी क्षेत्र की रक्षा कर रहे हैं। इससे पहले शुक्रवार को, इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर ने कहा कि जियोलोकेटेड फुटेज पुष्टि करता है कि कम से कम एक गांव को जब्त कर लिया गया था। यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, क्षेत्र में नए सिरे से हुए हमले ने बस्तियों में रहने वाले 1,700 से अधिक नागरिकों को पलायन करने के लिए मजबूर कर दिया है। एक दिन पहले ही खबर आई थी कि अमेरिका ने एक बार फिर यूक्रेन की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। बाइडन प्रशासन की ओर से युद्ध के लिए 400 मिलियन डॉलर की सैन्य मदद का एलान किया गया है।

जापान में हजारों डॉल्फिन को निर्दयतापूर्वक मार दिया जाता है, समंदर का पानी हो जाता है लाल, सरकार ने दे रखी है खुली छूट

टोक्यो, एजेंसी।
जापान के ताईजी में क्रूर डॉल्फिन शिकार के मौसम के दौरान हजारों डॉल्फिन को निर्दयतापूर्वक मार दिया जाता है या समुद्री पार्कों में ले जाया जाता है। कई तरीके से दावे किए जाते हैं कि इससे समुद्र का रंग पूरी तरह से लाल हो जाता है।

अजीब बात यह है कि इसे बिलकुल भी काबू में नहीं किया जा सकता है क्योंकि सरकार छह महीने के लिए इसकी अनुमति देती है। जापानी मत्स्य पालन एजेंसी मछुआरों को हर साल लगभग 16000 समुद्री स्तनधारियों को मारने या छीनने की मंजूरी देती है। यह गंभीर तमाशा इस महीने की शुरुआत में तटीय शहर में शुरू हुआ है। अमेरिका स्थित चैरिटी डॉल्फिन प्रोजेक्ट का कहना है कि इन मछुआरों ने अपने काम को एक बेहतरीन कला के रूप में पेश किया है, कुछ दिनों में उन्हें 100 से अधिक डॉल्फिन बैग में ले जाते हुए देखा गया है। इसकी आलोचना करते हुए, डॉल्फिन

प्रोजेक्ट के एक प्रवक्ता ने बताया कि यह कैसे काम करता है, जब एक समूह मिलता, तो मछुआरे अपनी नावों के नीचे स्टेनलेस स्टील के खंभों को पानी में डालते हैं। शिकारियों के खंभों पर हथौड़ों से बार-बार प्रहार करने पर उत्पन्न होने वाली ध्वनि को बढ़ा देता है। शोर पानी के भीतर ध्वनि की एक दीवार बनाता है, और डॉल्फिन खुद को ध्वनि की इस दीवार और तटरेखा के बीच फंसा हुआ पाते हैं।ध्वनि से बचने की कोशिश में, डॉल्फिन विपरीत दिशा में, किनारे की ओर तैरती हैं। मछुआरे उन्हें ताईजी बंदरगाह के पास एक छोटी खाड़ी में ले जा सकते हैं।

इस प्रक्रिया में कई घंटे लग सकते हैं, जिसके दौरान डॉल्फिन थक जाती हैं। मछुआरे ब्लोहोल्स के ठीक पीछे डॉल्फिन की गर्दन में एक तेज धातु की कील ठोक देते हैं, जिससे रीढ़ की हड्डी टूट जाती है और तत्काल मौत हो जाती है। जापान को इस साल की शुरुआत में अपनी व्यावसायिक व्हेलिंग गतिविधियों को फिर से शुरू करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा, जिससे वैश्विक स्तर पर भी ऐसी ही प्रतिक्रिया हुई थी। वहीं इन दावों को खारिज भी किया जाता है। दलील दी जाती की वास्वत में डॉल्फिन का शिकार इतना अमानवीय नहीं है जितना पेश किया जा रहा है। बता दें कि मछली मारना कोई वहशी काम नहीं माना जाता है। लेकिन जापान में डॉल्फिन का शिकार एक क्रूरता का खेल दिखाई देता है।

विमान में बदबू से मचा हड़कंप, दुबई से इस्लामाबाद जा रही थी फ्लाइट

इस्लामाबाद , एजेंसी। दुबई से इस्लामाबाद जा रही पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) की एक फ्लाइट में उस वक्त तनाव भरी स्थिति पैदा हो गई जब यात्रियों ने फूड स्टोरेज एरिया से जलने की बदबू आने की बात कही।

एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, जानकारी मिलते ही इमरजेंसी घोषित की गई। त्वरित कार्रवाई के लिए दुबई हवाई अड्डे पर फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस सहित आवश्यक सेवाओं की तैनाती की गई। उड़ान चालक दल द्वारा गहन जांच के बाद विमान को अंततः इस्लामाबाद के लिए प्रस्थान के लिए मंजूरी दे दी गई। पीआईए के प्रवक्ता ने उड़ान के दौरान धुआं निकलने के परिणामस्वरूप उड़ान में देरी की पुष्टि की।

यह घटना पीआईए के हज के बाद उड़ान संचालन की शुरुआत के बीच हुई, जो 9 मई को शुरू हुई और 10 जून, 2024 तक जारी रहेगी। एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, एयरलाइन इस्लामाबाद, कराची, लाहौर, पेशावर, मुल्तान, क्वेटा, सियालकोट और सुक्कुर सहित पाकिस्तान के आठ शहरों से जेद्दा और मदीना के लिए सीधी उड़ान की सुविधा प्रदान कर रही है।

प्रवक्ता ने दोहराया कि पीआईए का लक्ष्य इस अवधि के दौरान 170 उड़ानों के माध्यम से लगभग 34,000 इबादतगारों की सेवा करना है, जिसमें सरकार प्रायोजित और निजी दोनों इबादतगारों को शामिल किया जाएगा। विशेष रूप से, कराची या इस्लामाबाद से अपनी यात्रा शुरू करने वाले यात्री रोड टू मक्का प्रोजेक्ट के सौजन्य से हवाई अड्डे पर सऊदी आव्रजन सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं। पीआईए के साथ लापरवाही की घटनाएं आम हैं, एक दिन पहले, इस्लामाबाद से स्कर्दू जा रहे पीआईए विमान के कर्मचारी छह साल के एक लड़के के शव को उस पर रखना भूल गए थे, जबकि उसके दुखी माता-पिता इस बात से अनजान थे, जबकि फ्लाइट उड़ान भर चुकी थी।

ब्रिटिश परिवार की शाही बहू मेगन ने कहा- डीएनए जांच में मेरे नाइजीरियाई अंश के बारे में पता लगना सुखद अहसास

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के शाही परिवार की बहू एवं 'डचेस ऑफ ससेक्स मेगन ने शनिवार को पश्चिम अफ्रीकी देश में महिलाओं से मुलाकात के दौरान कहा कि डीएनए जांच के दौरान यह पता लगना ''सुखद रहा कि वह आंशिक रूप से नाइजीरियाई हैं। घायल सैनिकों और युवतियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के वास्ते पहली बार प्रिंस हैरी के साथ नाइजीरिया की यात्रा के दूसरे दिन मेगन ने नाइजीरिया को 'अपना देश माना। उन्होंने कहा,

''अपनी विरासत के बारे में और अधिक जानना आंखें खोलने वाला रहा है। उन्होंने नाइजीरियाई अर्थशास्त्री और विश्व व्यापार संगठन की प्रमुख नगोजी ओकोंजो-इवीला की सह-अध्यक्षता में 'नेतृत्व में महिलाओं पर आधारित एक कार्यक्रम में कहा, ''लाखों वर्ष में भी मैं इसे इतना नहीं समझ पाती, जितना कि अब समझती हूं। और पिछले दिनों में जो चर्चा में रहा, वह यह है कि 'हमें यह जानकार इतनी हैरानी नहीं हुई कि आप नाइजीरियाई हैं। मेगन ने कहा, ''यह आपके लिए एक प्रशंसा है क्योंकि वे नाइजीरियाई महिला को बहादुर, साहसी और सुंदर के तौर पर परिभाषित करते हैं।

'डचेस ऑफ ससेक्स ने अक्टूबर 2022 में अपने पॉडकास्ट में घोषणा की थी कि उन्हें डीएनए आधारित एक जांच में पता चला कि वह ''43 फीसदी नाइजीरियाई हैं। इसके बाद कार्यक्रम के प्रस्तोता मो अबुदु ने दर्शकों से मेगन का नाइजीरियाई नाम सुझाने के लिए कहा। उत्साहित लोगों में से एक ने उन्हें 'इफेओमा बुलाया जो नाइजीरिया की इग्बो जनजाति का एक नाम है जिसका मतलब होता है 'कीमती चीज। उन्होंने नाइजीरिया की राजधानी अबुजा में एक कार्यक्रम में कहा कि यह पता लगने के बाद उनकी पहली प्रतिक्रिया अपनी मां को इसके बारे में बताना था।

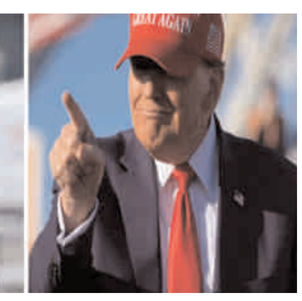

न्यू जर्सी में ट्रंप ने की बाइडन की आलोचना, बोले- पूरी दुनिया अमेरिकी राष्ट्रपति पर हंस रही

न्यू जर्सी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव को लेकर जो बाइडेन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच तीखे हमले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। पोर्न स्टार संग अवैध रिश्तों को लेकर अदालती कार्यवाही के बीच ट्रंप ने एक रैली में बाइडेन पर तीखा हमला बोला। कहा कि उन्होंने अपने जीवन में इससे (बाइडेन) बड़ा मूर्ख नहीं देखा। आप अमेरिकी इतिहास के सबसे खराब 10 राष्ट्रपतियों का नाम उठा लीजिए। उन्होंने अपने कार्यकाल में देश का इतना नुकसान नहीं किया होगा, जितना इस अकेले मूर्ख ने किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नवंबर में होने वाले प्रेजिडेंट चुनाव से पहले इंडियाना राज्य में हुए प्राइमरी चुनाव में अपनी-अपनी पार्टी की ओर से जीत हासिल की है। बाइडन डेमोक्रेटिक पार्टी के जबकि ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार हैं।

इस बीच ट्रंप ने हजारों समर्थकों के सामने बाइडेन की कड़ी आलोचना करते हुए, आप हमारे देश के इतिहास के 10 सबसे खराब राष्ट्रपतियों को ले लीजिए और उन्हें जोड़ सकते हैं।

निम्न जन्म दर को आपात काल घोषित किया

सियोल , एजेंसी।
पूर्वी एशियाई देश दक्षिण कोरिया के सरकार ने निम्न जन्म दर को आपात काल घोषित करते हुए इससे निपटने के लिए मंत्रालय बनाने की घोषणा की है। गुरुवार को टेलीविजन पर प्रसारित संदेश में राष्ट्रपति यून सुक योल ने कहा कि वह निम्न ज्नम दर से जुड़े मंत्रालय बनाने के लिए संसद से सहयोग मांगेंगे।

योल ने कहा, राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति धारण कर चुकी कम जन्म दर पर काबू पाने के लिए हम देश की सभी क्षमताओं को जुटाएंगे। दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति 2022 में पद संभालने के बाद दो साल पूरे होने पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी सरकार सरकार लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के प्रयासों में असफल रही है। उन्होंने वादा किया कि अपने कार्यकाल के बाकी बचे तीन साल का इस्तेमाल अर्थव्यवस्था में सुधार लाने और कम जन्मदर को संबोधित करने में करेंगे। दक्षिण कोरिया में दुनिया की सबसे कम प्रजनन दर है। प्रजनन दर को इस आधार पर मापा जाता है कि एक महिला के जीवनकाल में कितने बच्चे होंगे। दक्षिण कोरिया में साल 2023 में प्रति महिला यह औसत 0.72 दर्ज किया गया, जो पिछले वर्ष 0.78 से भी कम है। देश में लगातार कई सालों में प्रजनन दर में गिरावट देखी जा रही है।

किसी भी देश में आबादी को स्थिर रखने के लिए औसत प्रजनन दर का 2.1 होना जरूरी है। यानी हर महिला औसतन 2.1 बच्चे पैदा करे। दक्षिण कोरिया और उसके पड़ोस के दूसरे पूर्वी एशियाई देशों में जनसंख्या का डेटा चिंताजनक बना हुआ है। इन देशों में औद्योगीकरण के कुछ ही दशकों के बाद बूढ़ों की आबादी तेजी से बढ़ती जा रही है। जापान भी इस मामले में परेशानी से जूझ रहा है। युवाओं की घटती संख्या से इन देशों में कामकाजी आबादी भी कम हो रही है। यूरोपीय देशों में भी बूढ़ी हो रही आबादी का सामना करना पड़ता है, लेकिन इस परिवर्तन के असर को दुनिया भर से आने वाले आप्रवासियों के चलते कम कर दिया जाता है।

फिर फिसली जो बाइडन की जुबान, नाम को लेकर कर बैठे गलती, अब किम जोंग उन को बताया दक्षिण कोरिया का राष्ट्रपति

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन अपनी एक गलती के कारण फिर से चर्चा में आ गए हैं। विश्व स्तरीय नेताओं के नाम को लेकर एक बार फिर अमेरिकी राष्ट्रपति की जुबान फिसल गई। दरअसल, उन्होंने उत्तर कोरिया के राष्ट्रपति किम जोंग उन को दक्षिण कोरिया का राष्ट्रपति कह दिया। उन्होंने यह गलती अपने प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप पर हमला करने, और उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन के साथ ट्रंप के संबंधों को लेकर बात करने के दौरान की। बाइडन ने कहा, हम दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति किम जोंग उन के लिए उनके प्रेम पत्र और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए उनकी प्रशंसा को कभी नहीं भूलेंगे। बाइडन ने यह गलती व्हाइट हाउस में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल की मेजबानी करने के ठीक एक साल बाद की है। पिछले साल अगस्त में दोनों नेताओं ने कैंप डेविड में बातचीत भी की थी।

राष्ट्रपति बाइडन ने यह पहली बार विश्व स्तरीय नेताओं के नाम को लेकर गलती नहीं की है। दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति के नाम को लेकर बाइडन इससे पहले भी गलती कर चुके हैं। 2022 में दक्षिण कोरिया की यात्रा के दौरान भी बाइडन ने राष्ट्रपति यून को मून कहकर संबोधित किया था। केवल दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ही नहीं, बल्कि अन्य

नेतओं के नाम को लेकर भी बाइडन गलती कर चुके हैं। पिछले साल जुलाई में लिथुआनिया में नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को व्लादिमीर कह दिया था। फरवरी में बाइडन ने एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल सिसि को मैक्सिको के राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर के साथ मिला दिया था। हाल ही में बाइडन ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को फ्रांसीसी राष्ट्रपति फ्रेंकोइस मिटरैंड कहकर संबोधित किया। बता दें कि 1996 में मिटरैंड का निधन हो गया था।

नेतन्याहू धमकी देना बंद करो, नहीं तो परमाणु बम गिरा देंगे- ईरान

तेहरान, एजेंसी।
रूस-यूक्रेन और इजरायल-हमास के बीच महायुद्ध में हम दुनिया को जलते हुए देख रहे हैं। लाखों लोगों के कत्लेआम और अमूल्य संपदा के खाक होने के बावजूद तीसरे महायुद्ध का खतरा बढ़ गया है। मुस्लिम देश ईरान ने धमकी दी है कि अगर उसे अपने अस्तित्व पर खतरा महसूस हुआ तो वह परमाणु हमले से नहीं चूकेगा। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के सलाहकार ने कहा है कि इजरायल अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। अगर उसे इजरायल से खतरा महसूस हुआ तो वह परमाणु युद्ध नीति को लेकर खाई अपनी कसम भूल जाएगा।

पिछले कुछ महीनों से इजरायली हुकूमत हमास आतंकियों को जड़ से खत्म करने के चक्कर में पूरी दुनिया से पंगा लेने पर लगी है। पहले उसने गाजा शहर में कत्लेआम मचाया और अब हमास को खत्म करने के लिए राफा में नरसंहार के लिए कदम बढ़ा दिए हैं। हमास को चोट पहुंचाने के लिए इजरायल उसके कथित दोस्तों को भी निशाना बना रही है। ईरान के कमांडरों को हवाई हमले में मौत के घाट उतारकर इजरायल इस मुस्लिम देश से पंगा ले चुका है। जवाब में ईरान ने भी काउंटर अटैक कर दुश्मनी को और हवा दे दी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के सलाहकार ने कहा है कि इजरायल से तेज होती दुश्मनी ने उसे अपनी परमाणु नीति को बदलने पर मजबूर कर दिया है। ईरान ने जोर देकर कहा है कि अगर इजरायल उसके लिए खतरा महसूस हुआ तो वह परमाणु हमले से भी पीछे नहीं हटेगा।

ईरान का इजरायल को परमाणु हमले की धमकी देना मामूली बात नहीं है, खासकर तब जब दुनिया पहले ही दो महायुद्ध को अपनी आंखों के सामने देख रही है। फरवरी 2022 से रूस और यूक्रेन के बीच कत्लेआम जारी है। उधर, इजरायल हमास के नामो-निशान को मिटा देने की कसम खा चुका है। पहले गाजा को श्मशान बनाया और अब राफा शहर में नरसंहार का खतरा मंडरा रहा है। इजरायली सेना राफा पर कभी भी हमला कर सकती है। अनुमान है कि राफा में कम से कम 16 लाख फिलिस्तीनी रह रहे हैं, इनमें लाखों गाजा से भागे वे लोग हैं, जिन्होंने इजरायली रक्षा बलों के हमलों में अपना सबकुछ गंवा दिया है।

खामेनेई के सलाहकार कमल खर्राज़ी ने बड़ा बयान देकर तीसरे महायुद्ध की संभावना को बढ़ा दिया है। खर्राजी ने ईरान के परमाणु सिद्धांत में बदलाव का संकेत दिया है। कहा कि ईरान ऐसा नहीं करना चाहता लेकिन, अगर उसे अपने अस्तित्व पर खतरा महसूस हुआ तो वह परमाणु हमले से भी नहीं चूकेगा। खर्राजी ने कहा, परमाणु बम बनाने का हमारा कोई निर्णय नहीं है, लेकिन अगर ईरान को इजरायल से खतरा महसूस होता है तो हमारे पास इसके अलावा और कोई विकल्प नहीं होगा। दरअसल, इस साल अप्रैल की शुरुआत में सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरान के दूतावास पर बमबारी के जवाब में ईरान और इज़रायल के बीच तनाव को चरम को पहुंचा दिया है। हालात ये हो गई कि ईरान ने सीधे इजरायली क्षेत्र को निशाना बनाते हुए विस्फोटक ड्रोन और मिसाइलों की बौछार की। परमाणु हथियारों के खिलाफ बोलने वाले

खामेनेई ने अब न्यूक्लियर बमों के इस्तेमाल की पैरवीं करनी शुरू कर दी है। ईरान के पूर्व खुफिया मंत्री ने भी संकेत दिया कि बाहरी दबाव, विशेष रूप से पश्चिमी देशों के कारण ईरान परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की तरफ बढ़ सकता है। हाल ही में ऐसी रिपोर्ट भी सामने आई है कि ईरान को कुछ अघोषित स्थलों पर यूरेनियम का भंडार मिला है। यूरेनियम का इस्तेमाल परमाणु बमों को विकसित और बनाने में किया जाता है। हालांकि ईरान ने यूरेनियम मिलने की बात कबूली जरूर थी लेकिन, कहा था कि वह परमाणु बमों को बनाने के बजाय इसका इस्तेमाल अपने हथियारों को विकसित करने में कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

मनदीप ऑटो इंडस्ट्रीज लिमिटेड का आईपीओ आज खुलेगा

मुंबई , एजेंसी। आटोमोटिव कॉम्पोनेंट्स की एक डायनेमिक निर्माता और सप्लायर, मनदीप ऑटो इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने 13 मई , 2024 को इनिशियल पब्लिक आफरिंग (आईपीओ) के साथ पब्लिक में जाने की अपनी योजना की घोषणा की है. कंपनी का इरादा इस आईपीओ के मार्फत ?67 प्रति शेयर मूल्य पर ?2,524.56 लाख एकत्र करना है. कंपनी के शेयर्स सेट एनएसई इमर्ज प्लेटफार्म पर लिस्ट होंगे. आईपीओ से प्राप्त होने वाली शुद्ध धनराशि का उपयोग वर्तमान निर्माण क्षमताएं बढ़ाने, नए उपकरण और मशीनरी खरीदने, कार्यशील पूंजी की जरूरत पूरी करने, कुछ कर्ज का रीपेमेंट करने और आम कॉर्पोरेट खर्चों को कवर करने के लिए किया जाएगा. इश्यू 13 मई , 2024 को खुलेगा और 15 मई , 2024 को बंद होगा.इश्यू की लीड मैनेजर जावा कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड है , जो अपने साथ विभिन्न उद्योगों की गहरी समझ और अनुभव की संपदा लाई है. उनका अनुभव, एक्सपर्टीज उन्हें मान्य नेविगेटर बनने के साथ इश्यू की जटिलताओं का समाधान कर उसे सक्षम रूप से आगे बढ़ाने में समर्थ बनाता है. इश्यू की रजिस्ट्रार कैमियो कॉरपोरेट सर्विसेज लिमिटेड है. मनदीप इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री गुरपाल सिंह बेदी ने कहा, हम हर्षित हैं क्योंकि हम हमारी ग्रोथ यात्रा के नए और महत्वपूर्ण चरण में हैं. हम लगातार हमारे प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को समृद्ध बनाने और ग्राहकों की विभिन्न और उभरती जरूरत को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है. यह आईपीओ हमारे लिए महत्वपूर्ण मोमेंट को प्रस्तुत करता है क्योंकि यह हमारे बाजार की डायनेमिक डिमांड पूरी करने और हमारे प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को बढ़ाने हेतु एक नई निर्माण इकाई स्थापित करने में हमें समर्थ बनाएगा. हम हमारी कंपनी को नई ऊंचाइयों पर पहुंचने के लिए तैयार करने हेतु इस सीमा चिन्ह का उपयोग करने की प्रतीक्षा कर रहे हैं. जावा कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर श्री. सीए अनूप कुमार गुप्ता ने कहा , ऑटोमोबाइल उद्योग के ग्रोथ के पल के साथ मनदीप ऑटो इंडस्ट्रीज लिमिटेड की एक्सपर्टीज और ग्राहकों की विभिन्न जरूरत को समझने और उनके प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को बढ़ाने के प्रति समर्पण कंपनी को उभरते सुअवसरों का दोहन करने के लिए अनुकूल स्थिति में लाता है .हम उन्हें हमारी हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं क्योंकि वे उनकी यात्रा के महत्वपूर्ण चरण में हैं.

वेरिटास एडवरटाइजिंग लिमिटेड का आईपीओ आज खुलेगा

मुंबई , एजेंसी। वेरिटास एडवरटाइजिंग लिमिटेड विभिन्न मंचों से 360 डिग्री सेवाएं ऑफर करने वाली एडवरटाइजिंग एजेंसी, ने 13 मई, 2024 को इनिशियल पब्लिक आफरिंग (आईपीओ) के साथ पब्लिक में जाने की अपनी योजना की घोषणा की है. कंपनी का इरादा इस आईपीओ के मार्फत अपर बैंड पर ?8.48 करोड़ एकत्र करना है. कंपनी के शेयर्स सेट एनएसई इमर्ज प्लेटफार्म पर लिस्ट होंगे. आईपीओ से प्राप्त होने वाली शुद्ध धनराशि का उपयोग पश्चिम बंगाल, असम, महाराष्ट्र और दिल्ली में नए पुलिस बूथ स्थापित करने, कोलकाता, मुंबई और पुणे में ट्रैफिक सिग्नल पॉइंट डिस्प्ले करने आम कॉर्पोरेट कार्यों का वित्त पोषण करने के लिए किया जाएगा. एंकर पोर्शन की बिडिंग 10 मई, 2024 को खुलेगी. सभी अन्य श्रेणियां के अभिदान के लिए इश्यू 13 मई, 2024 को खुलेगा और 15 मई, 2024 को बंद होगा. इश्यू की बुक रनिंग लीड मैनेजर होराइजन मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड है. इश्यू की रजिस्ट्रार मास सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड है. वेरिटास एडवरटाइजिंग लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री देबोज्योति बॅनर्जी ने कहा, वेरिटास एडवरटाइजिंग लिमिटेड को उद्योग की कुछ मीडिया स्वामित्व की मार्केटिंग एवं एडवरटाइजिंग एजेंसी में से एक होने का गर्व है.

120 से टूटकर 1 तक आया अनिल अंबानी का शेयर, अब फिर शुरू होगी ट्रेडिंग!

नईदिल्ली, एजेंसी। भारी कर्ज की वजह से अनिल अंबानी की ज्यादातर लिस्टेड कंपनियां दिवालिया प्रक्रिया से गुजर रही हैं। इनमें से कुछ कंपनियों को खरीदार भी मिल चुका है। उदाहरण के लिए हाल ही में रिलायंस कैपिटल को हिंदुजा समूह की कंपनी ने खरीदा है तो रिलायंस नेवल एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड (आरएनईएल), स्वान एनर्जी लिमिटेड की झोली में गई है। अब स्वान एनर्जी की ओर से रिलायंस नेवल एंड इंजीनियरिंग के अधिग्रहण पर एक अहम जानकारी दी गई है।

स्वान एनर्जी ने बीएसई फाइलिंग में कहा कि रिलायंस नेवल एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड (आरएनईएल) के मौजूदा शेयरधारकों द्वारा रखे

गए प्रत्येक 275 इक्विटी शेयरों के लिए एक (1) इक्विटी शेयर जारी करने की प्रक्रिया पूरी हो गई है। इस प्रक्रिया का आदेश एनसीएलटी की अहमदाबाद पीठ के 23 दिसंबर, 2022 को दिया था। अब इसी के साथ रिलायंस नेवल एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड स्टॉक एक्सचेंजों से दोबार लिस्टिंग की मंजूरी प्राप्त करने की प्रक्रिया में है। स्वान एनर्जी ने कहा कि लिस्टिंग की प्रक्रिया स्टॉक एक्सचेंजों की मंजूरी का इंतजार है।

ट्रेडिंग है बंद

बता दें कि रिलायंस नेवल एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड की ट्रेडिंग लंबे समय से बंद है। साल 2010 में 120 रुपये के इस शेयर ने निवेशकों को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। मार्च 2023 में इस शेयर की कीमत 99 फीसदी गिरकर 1.61 रुपये तक पहुंच गई। शेयरहोल्डिंग पैटर्न की बात करें तो प्रमोटर्स नहीं हैं बल्कि पब्लिक शेयरहोल्डर्स के पास 100 फीसदी हिस्सेदारी है। पब्लिक शेयरहोल्डर्स की बात करें तो एलआईसी में 7.93 फीसदी या 58,46,5899 शेयरों की हिस्सेदारी है। बता दें कि एनसीएलटी ने कॉरपोरेट इनसॉल्वेंसी रेजॉल्यूशन प्रोसेस के तहत अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस नेवल एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड के लिए हाजेल इंफ्रा लिमिटेड की बोली को मंजूरी दी। हाजेल इंफ्रा लिमिटेड, स्वान एनर्जी की 74 पर्सेंट हिस्सेदारी और हाजेल मर्केंटाइल लिमिटेड की 26 पर्सेंट हिस्सेदारी वाला एसपीवी (स्पेशल पर्पज व्हीकल) है।

3.60 डिविडेंड दे रहा यूनियन बैंक, सुस्त पड़ा शेयर, 175 तक जाएगा भाव!

नईदिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने मार्च तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। जनवरी से मार्च तिमाही में बैंक का नेट प्रॉफिट 18.36 प्रतिशत बढ़कर 3,328 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ने बताया कि फंसे हुए कर्ज के लिए कम प्रावधान के चलते उसका मुनाफा बढ़ा। एडवांस में 11.7 प्रतिशत की वृद्धि से मुख्य शुद्ध ब्याज आय 14.38 प्रतिशत बढ़कर 9,437 करोड़ रुपये हो गई और शुद्ध ब्याज मार्जिन बढ़कर 3.10 प्रतिशत हो गया, जो एक साल पहले 2.97 प्रतिशत था। बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए मणिमेखलाई ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान ऋण वृद्धि 11-13 प्रतिशत और जमा वृद्धि 9-11 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। फंसे हुए कर्ज के लिए कुल प्रावधान सालाना आधार पर 4,041 करोड़ रुपये से घटकर 3,222 करोड़ रुपये हो गया। इस सरकारी बैंक यानी यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के निदेशक मंडल ने डिविडेंड का भी ऐलान किया है। इसके तहत 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए 3.60 प्रति इक्विटी शेयर या 36 प्रतिशत के डिविडेंड की सिफारिश की है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के शेयर की बात करें तो 142 रुपये कीमत है। इस शेयर ने अप्रैल 2024 में 163.15 रुपये के हाई को टच किया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। बता दें कि जून 2023 में शेयर 68 रुपये पर था, जो 52 हफ्ते का लो है।

20 रुपये के शेयर को खरीदने की लूट, मुकेश अंबानी की है कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी की कुछ ऐसी भी कंपनियां हैं जिनके शेयर पेनी कैटेगरी में आते हैं। ये शेयर 50 रुपये से भी कम कीमत पर कारोबार कर रहे हैं। ऐसी ही एक कंपनी हैथवे केबल एंड डाटाकॉम लिमिटेड है। इस कंपनी के शेयर की कीमत 20 रुपये से कम है। इस कंपनी का मालिकाना हक मुकेश अंबानी की रिलायंस के पास है। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को हैथवे केबल एंड डाटाकॉम लिमिटेड के शेयर की कीमत 20.83 रुपये थी। एक दिन पहले के मुकाबले शेयर 1.66 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। शेयर ने फरवरी 2024 में 27.90 रुपये के स्तर को टच किया। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। वहीं, मई 2023 में शेयर की कीमत 13.10 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। हैथवे केबल एंड डाटाकॉम के मार्च तिमाही की बात करें तो इसके प्रमोटर की हिस्सेदारी 75 फीसदी थी। वहीं, पब्लिक शेयरहोल्डिंग 25 फीसदी है। इस कंपनी के प्रमोटर्स में रिलायंस इंडस्ट्रीज के वेंचर- जियो कंटेंट डिस्ट्रिब्यूशन होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड, जियो इंटरनेट डिस्ट्रिब्यूशन होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड के अलावा जियो केबल एंड ब्रॉडबैंड होल्डिंग शामिल हैं। बीते दिनों हैथवे केबल एंड डाटाकॉम के मार्च तिमाही के नतीजे जारी हुए। इस नतीजे की बात करें तो 34.57 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ। हालांकि, वित्त वर्ष 2023 की मार्च तिमाही में 14.62 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। तिमाही अवधि के दौरान केबल टेलीविजन सेगमेंट से कंपनी का राजस्व 330.62 करोड़ रुपये रहा। ब्रॉडबैंड कारोबार 153.85 करोड़ रुपये और सिक्योरिटीज में लेनदेन से राजस्व 8.90 करोड़ रुपये रहा। अगर परिचालन से राजस्व की बात करें तो यह सालाना आधार पर 7.35 प्रतिशत बढ़कर 493.37 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, कुल खर्च सालाना आधार पर 1.86 प्रतिशत बढ़कर 493.52 रुपये पर पहुंच गया। हैथवे केबल एंड डाटाकॉम भारत में सबसे बड़े मल्टीपल-सिस्टम ऑपरेटर (एमएसओ) और केबल ब्रॉडबैंड सर्विस प्रोवाइडर में से एक है।

एक सेल्समैन जो बन गया रिलायंस से चार गुना बड़ी कंपनी का गुड लक, वॉरेन बफे भी मानते हैं लोहा

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका का जाने-माने इन्वेस्टर वॉरेन बफे को भला कौन नहीं जानता। दुनियाभर के निवेशक उन्हें अपना आदर्श मानते हैं। बफे की कंपनी बर्कशायर हैथवे का मार्केट कैप 889.52 अरब डॉलर है जो भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज (228.03 अरब डॉलर) से करीब चार गुना अधिक है। बफे दुनिया के अमीरों की लिस्ट में नौवें नंबर पर हैं। उनकी नेटवर्थ 136 अरब डॉलर है। बर्कशायर हैथवे के इंश्योरेंस बिजनस को भारतीय मूल का एक व्यक्ति संभालता है। उनका नाम अजित जैन है। बफे उन पर सबसे ज्यादा भरोसा करते हैं। वह तो अजित जैन को कंपनी के लिए गुड लक हायरिंग मानते हैं। जैन 1986 में बर्कशायर हैथवे से जुड़े और आज कंपनी में वाइस चेयरमैन हैं। कुछ साल पहले यह चर्चा थी कि बफे उन्हें अपना उत्तराधिकारी बना सकते हैं। हालांकि बफे ने साफ किया है कि लहह्द्द् इद्दद्य उनके उत्तराधिकारी होंगे।

अजित का जन्म ओडिशा के एक छोटे से शहर सुंदरगढ़ में हुई थी। उन्होंने कटक के स्टीवर्ट स्कूल से पढ़ाई की और फिर आईआईटी खड़गपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक की डिग्री ली। जैन ने 1973 में दिग्गज टेक कंपनी आईबीएम में सेल्समैन के तौर पर अपना करियर शुरू किया लेकिन तीन साल बाद ही उन्हें नौकरी से हाथ धोना पड़ा। इसके बाद 1978 में वह अमेरिका चले गए। फिर वह बफे के इंश्योरेंस बिजनस से जुड़ गए। साल 2018 में उन्हें कंपनी का वाइस चेयरमैन बनाया गया। फोर्ब्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2021 में जैन के पास बर्कशायर हैथवे के 18.5 करोड़ डॉलर के शेयर थे।

बफे कहते हैं, 1986 में अजित बर्कशायर में आए। बहुत जल्दी मुझे अहसास हो गया कि हमने एक असाधारण प्रतिभा को हायर किया है। मैंने नई दिल्ली में उनके माता-पिता को चिट्ठी लिखी कि क्या उनके पास इस तरह का कोई और बेटा है। मैं उत्तर पहले से जानता था। अजित की तरह दूसरा कोई नहीं है। 92 साल के बफे ने कहा कि जैन से उनकी पहली मुलाकात शनिवार की एक सुबह हुई थी। बफे ने उनसे पूछा कि इंश्योरेंस में उनका कितना अनुभव है। इस पर अजित जैन ने कहा, कुछ भी नहीं। इस पर बफे का जवाब था कि कोई भी परफेक्ट नहीं है। बफे ने उन्हें हायर कर लिया। वह याद करते हैं, वह मेरे जीवन का भाग्यशाली दिन था। अजित वास्तव में परफेक्ट चॉइस थे। 35 साल बाद भी वह बेहतर हैं।

अजित को बचाना चाहिए

बफे ने एक बार शेयरहोल्डर्स को लिखी एक चिट्ठी में कहा था कि अगर मैं, चार्ली मुंगेर और अजित जैन एक डूबती नाव पर सवार हों और आपके पास केवल एक आदमी को बचाने का चॉइस हो तो आपको अजित को बचाना चाहिए। अजित दुनिया के सबसे बेहतरीन दिमागों में से एक हैं।

आनंद महिंद्रा ने दिखाई देश की पहली हवाई टैक्सी की झलक

नईदिल्ली, एजेंसी। महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। सोशल मीडिया पर उनकी बड़ी फैन फालोइंग है। अभी हाल ही में आनंद महिंद्रा ने सोशल मीडिया पर देश की पहली हवाई टैक्सी की झलक दिखाई है। इसे उन्होंने ट्रांसपोर्ट की दुनिया में इनोवेशन बताया है। आनंद महिंद्रा ने इस फ्लाइंग कार के फीचर्स की जानकारी भी शेयर की है। उन्होंने संभावना जताई है कि अगले साल तक यह भारत में लॉन्च हो सकती है। यह फ्लाइंग टैक्सी एक बार में 200 किलोमीटर की दूरी तय कर सकती है। इसमें दो लोगों के बैठने की जगह होगी। यह फ्लाइंग टैक्सी 200 किलोग्राम तक का वजन उठा सकती है। आनंद महिंद्रा ने

इलेक्ट्रिक फ्लाइंग कार की फोटो के साथ एक पोस्ट भी शेयर की है। आईए आपको बताते हैं ये फ्लाइंग टैक्सी कैसी होने वाली है।

आनंद महिंद्रा ने एक्स पर इस हवाई टैक्सी की फोटो शेयर की है। उन्होंने लिखा है कि आईआईटी मद्रास के द्वारा भारत की पहली इलेक्ट्रिक टैक्सी के निर्माण के लिए ईप्लेन कंपनी बनाई जा रही है। यह इलेक्ट्रिक फ्लाइंग कार अगले साल तक उड़ान भर सकती है। इसी के साथ ही उन्होंने अपनी पोस्ट में आईआईटी मद्रास को दुनिया के रोमांचक और सक्रिय इनक्यूबेटरों में से एक बताया है। साथ ही आनंद महिंद्रा ने देश बढ़ते इनक्यूबेटरों की बढ़ती संख्या के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि अब देश नए आविष्कार करने में पीछे नहीं है। आनंद महिंद्रा ने अपनी पोस्ट में आईआईटी मद्रास के द्वारा बनाई जाने वाली इलेक्ट्रिक फ्लाइंग टैक्सी के फीचर्स भी शेयर किए हैं।

दुनिया का नया इनोवेशन

आनंद महिंद्रा ने इस हवाई टैक्सी को दुनिया का नया इनोवेशन बताया है। आनंद महिंद्रा ने देश की पहली टैक्सी की फोटो ट्वीट करते हुए ऐसी इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए आईआईटी मद्रास की तारीफ भी की है। उन्होंने इसे भविष्य का वाहन बताया है। आनंद महिंद्रा ने संभावना जताई है कि देश में अगले साल तक हवाई टैक्सी से सफर करने की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी।

दमानी की कंपनी ने खरीदा 117 करोड़ का प्लॉट, कारोबार विस्तार पर है फोकस

नई दिल्ली, एजेंसी। रिटेल की दिग्गज डीमार्ट सुपरमार्केट चेन का संचालन करने वाली पैरेंट कंपनी- एवेन्यू सुपरमार्ट्स ने मुंबई में एक बड़ा प्लॉट खरीदा है। करीब 1.2 एकड़ का यह प्लॉट मुंबई के चांदीवली में है, जिसकी कीमत 117 करोड़ रुपये से अधिक है। यह प्लॉट औद्योगिक क्षेत्र के अंतर्गत आता है और कंपनी इसे रिटेल शॉपिंग सेंटर या कॉमर्शियल बिल्डिंग के रूप में विकसित करना चाहती है। बता दें कि डीमार्ट के प्रमोटर अरबपति राधाकिशन दमानी हैं।

ईटी की एक रिपोर्ट में रियल एस्टेट डेटा विश्लेषण प्लेटफॉर्म सीआरई मैट्रिक्स का हवाला देते हुए बताया गया है कि कंपनी ने बीते 6 मई को डील की है। इस डील के तहत 7.03 करोड़

रुपये की स्टांप ड्यूटी का भुगतान किया गया है। हालांकि, एवेन्यू सुपरमार्ट्स और अरबपति राधाकिशन दमानी की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। एवेन्यू सुपरमार्ट्स के मैनेजमेंट ने पिछले साल विश्लेषकों से कहा था कि वह एक वित्त वर्ष में 40 आउटलेट खोलने के अपने लक्ष्य को बनाए रखने की योजना बना रहा है। बता दें कि कंपनी का फोकस स्टोर विस्तार पर है। पिछले हफ्ते ही कंपनी ने गुजरात के वलसाड में अब्रामा में एक नया स्टोर खोला, जिससे उसके सुपरमार्केट आउटलेट्स की कुल संख्या 367 हो गई। एवेन्यू सुपरमार्ट्स ने साल 2002 में मुंबई के पवई में अपना पहला स्टोर खोला था। यह वर्तमान में महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, दिल्ली, तमिलनाडु, पंजाब और राजस्थान में स्टोर संचालित करता है। मुंबई मुख्यालय वाली कंपनी के पास डीमार्ट, डीमार्ट मिनिमैक्स, डीमार्ट प्रीमिया, डीहोम्स और डच हार्बर जैसे ब्रांड हैं। एवेन्यू सुपरमार्ट्स का प्रॉफिट बीते वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में 22.39 प्रतिशत बढ़कर 563 करोड़ रुपये रहा है।

5वीं बार बोनस शेयर देने जा रही है सरकारी कंपनी, 21 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकारी कंपनी बीपीसीएल ने 5वीं बार बोनस शेयर देने का ऐलान किया है। कंपनी ने बोनस के साथ-साथ डिविडेंड देने का भी फैसला किया है। बीपीसीएल की तरफ से किए गए बोनस शेयर और डिविडेंड के ऐलान का असर शेयरों के प्रदर्शन पर साफ दिखाई दे रहा है। शुक्रवार को इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 4 प्रतिशत से अधिक की तेजी रिकॉर्ड की गई।

कंपनी ने 9 मई को हुई बोर्ड की बैठक में ऐलान किया था कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 1 शेयर बोनस दिया जाएगा। कंपनी ने बोनस शेयर के लिए 22 जून 2024, दिन शनिवार को रिकॉर्ड डेट तय किया है। इस दिन कंपनी ने बोनस शेयर के साथ ही डिविडेंड का भी ऐलान किया था। कंपनी ने कहा था कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 21 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा। जोकि बोनस शेयर के बाद प्रति शेयर 10.5 रुपये हो जाएगा।

बीपीसीएल ने इससे पहले 5 बार बोनस शेयर दिया है। पहली बार इस सरकारी कंपनी ने साल 2000 में बोनस शेय दिया था। तब कंपनी की तरफ से 1 शेयर पर 1 शेयर बोनस

दिया गया था। फिर 2012, 2016 और 2017 में भी बीपीसीएल एक्स-बोनस स्टॉक के तौर पर ट्रेड किया था। बता दें, 2012 और 2016 में योग्य निवेशकों निवेशकों को हर एक शेयर पर 1 शेयर बोनस मिला था। जबकि 2017 में 2 शेयरों पर एक शेयर बोनस के तौर पर मिला था।

शुक्रवार को बीपीसीएल के शेयरों का भाव बीएसई में 4.44 प्रतिशत की तेजी के बाद 618.60 रुपये था। पिछले 6 महीने में इस कंपनी के शेयरों का भाव 61 प्रतिशत बढ़ चुका है। गुड रिटर्न की रिपोर्ट के अनुसार ब्रोकरेज हाउस सिटी ने इस स्टॉक को 'बाय' टैग दिया है। वहीं, मोतीलाल ओसवाल ने 'न्यूट्रल' को बरकरार रखा है। सिटी ने 760 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है जोकि कंपनी के 52 वीक हाई 687.65 रुपये प्रति शेयर है।

3 बोनस शेयर दे रही है कंपनी, रिकॉर्ड डेट इसी हफ्ते, भाव 100 रुपये से कम

बोनस शेयरों पर दांव लगाने वाले निवेशकों को इस हफ्ते शेयर बाजार में टाइटन इंटेक लिमिटेड के शेयरों पर नजर बनाए रखनी होगी। कंपनी बोनस शेयर दे रही है। स्टॉक मार्केट में इसी हफ्ते ये एक्स-बोनस स्टॉक के तौर पर ट्रेड करेगी। बता दें, शुक्रवार को 4 प्रतिशत से अधिक की तेजी के बाद भी कंपनी के शेयरों का भाव 100 रुपये से कम का ही है। कंपनी ने कहा था कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले 5 शेयरों पर 3 शेयर बोनस के तौर पर दिए जाएंगे। 7 मई को शेयर बाजारों को दी जानकारी में कंपनी ने बताया कि बोनस इश्यू के लिए तय रिकॉर्ड डेट में बदलाव किया गया है। कंपनी ने कहा है कि पहले रिकॉर्ड डेट 14 मई था। जिसके बढ़ाकर 17 मई, दिन शुक्रवार कर दिया गया है।

शुक्रवार को टाइटन इंटेक लिमिटेड के शेयर बीएसई में 4.81 प्रतिशत की तेजी के साथ 95.83 रुपये के लेवल पर पहुंचकर बंद हुआ था। पिछले एक साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 76 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 6 महीने से होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 57.1 प्रतिशत का लाभ हो चुका है। बता दें, 2019 में कंपनी के शेयरों का भाव 7 रुपये से भी कम था। तब से अबतक इस स्टॉक की कीमतों में 1389 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

बीते 3 महीने की बात करें तो इस दौरान कंपनी के शेयरों का भाव 21 प्रतिशत बढ़ा है। हालांकि, पिछले एक महीने में टाइटन इंटेक लिमिटेड के शेयरों का भाव 9.4 प्रतिशत टूट चुका है। कंपनी का 52 वीक हाई 113 रुपये प्रति शेयर और 52 वीक लो लेवल 38.60 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी का मार्केट कैप 110.68 करोड़ रुपये का है।

पॉलीकैब ने नए एक्सपर्ट्स ऐप के साथ भारत के इलेक्ट्रीशियन समुदाय को इंस्टेंट रिवार्ड और इंस्टेंट रिडेम्पशन के साथ बनाया और सशक्त

मुंबई , एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी वायर और केबल निर्माता और सबसे तेजी से बढ़ती एफएमईजी कंपनियों में से एक पॉलीकैब ने नए 'पॉलीकैब एक्सपर्ट्स' को लॉन्च करने की घोषणा की है। अपनी तरह का यह पहला प्लेटफॉर्म दरअसल देश के इलेक्ट्रीशियन कम्युनिटी के लिए डिज़ाइन किया गया है, ताकि उन्हें भी डिजिटल परिवर्तन की लहर में शामिल होने का एक और अवसर मिल सके। पॉलीकैब एक्सपर्ट्स का उद्देश्य पूरे भारत में इलेक्ट्रीशियन समुदाय को सशक्त बनाना और उनके जरिये ग्राहकों को बेहतर अनुभव प्रदान करना है। यह ऐप एक ऐसा प्लेटफॉर्म होगा जो अपने ग्राहकों को लाभ और पुरस्कारों का एक व्यापक सूट प्रदान करके उनके लिए पॉइंट अर्जित करने और रिडेम्पशन दोनों सुविधाएं प्रदान करता है। पॉलीकैब एक्सपर्ट प्रोग्राम के पास 1.5 लाख इलेक्ट्रीशियन और लगभग 1 लाख रिटेलर के साथ एक मौजूदा ऐप है जिन्हें नए ऐप में माइग्रेट किया जाएगा। पॉलीकैब एक्सपर्ट्स ऐप एक इनोवेटिव रिवार्ड सिस्टम पेश करता है जो इलेक्ट्रीशियन और रिटेलर को पॉलीकैब उत्पादों पर मुद्रित लॉयल्टी कोड को स्कैन करके आसानी से पॉइंट अर्जित करने की सुविधा देता है।

आमिर खान को है पूरा विश्वास

निश्चित रूप से बनेगी सरफरोश 2

आमिर खान और सोनाली बेंद्रे की सरफरोश ने 30 अप्रैल, 2024 को अपनी 25वीं वर्षगांठ मनाई। फिल्म की टीम ने शुक्रवार, 10 मई को मुंबई में एक भव्य स्क्रीनिंग के साथ इस अवसर का जश्न मनाया। फिल्म की स्क्रीनिंग के बाद, प्रेस को संबोधित करते हुए, आमिर खान ने आखिरकार सरफरोश 2 को सीरियस शॉट देने के बारे में जानकारी साझा की। बातचीत के दौरान आमिर से सरफरोश 2 को लेकर उनकी योजनाओं के बारे में पूछताछ की गई। उन्होंने कहा, आपने वही कहा जो हम सभी ने अपने दिल में महसूस किया है। मैं कई सालों से जॉन मैथ्यू मैथन (फिल्म के निर्देशक) के पीछे पड़ा हूं कि उन्हें इसका सीक्वल बनाना चाहिए। मैं एक चीज के बारे में प्रतिबद्धता जता सकता हूं कि हम बनाएंगे। निश्चित रूप से इसे गंभीरता से लेते हुए सरफरोश 2 बनाई जानी चाहिए और मुझे भी ऐसा लगता है। स्क्रीनिंग पर आमिर गहरे नीले रंग की टी-शर्ट के साथ रिप्ड जींस पहनकर कैजुअल ड्रेस में पहुंचे। सरफरोश में उनकी सह-कलाकार सोनाली बेंद्रे ने शानदार लाल गाउन पहनकर प्रीमियर की शोभा बढ़ाई। उनके साथ फिल्म के सहायक कलाकार भी थे, जिनमें नसीरुद्दीन शाह, मकरंद देशपांडे, गोविंद नामदेव, अखिलेंद्र मिश्रा, प्रदीप राम सिंह रावत और अशोक लोखंडे शामिल थे। सरफरोश एक भारतीय पुलिस अधिकारी की सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई की कहानी पर आधारित है। नसीरुद्दीन शाह द्वारा अभिनीत नायक गुलफ़ाम हसन के ख़िलाफ़ आमिर के अजय सिंह राठौड़ के किरदार को प्रशंसा मिली। फिल्म ने आलोचनात्मक और व्यावसायिक दोनों तरह से सफलता हासिल की और संपूर्ण मनोरंजन प्रदान करने वाली सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार अर्जित किया। इसे कन्नड़ में सत्यमेव जयते और तेलुगु में अस्त्रम नाम से बनाया गया था।

शाहिद के बाद क्या मीरा भी दिखाएंगी फिल्मों में अपना जलवा!

शाहिद कपूर की खूबसूरत पत्नी मीरा कपूर अक्सर अपने लुक्स को लेकर सुर्खियां बटोरती रहती हैं। मीरा कपूर की फिटनेस और स्टाइल के लाखों लोग दीवाने हैं। मीरा कपूर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती हैं। आज मीरा कपूर अपनी कुछ सेल्फी को पोस्ट करते हुए अपने फैंस से सवाल पूछती नजर आईं। मीरा कपूर की तस्वीरों को देखकर यूजर्स कयास लगा रहे हैं कि वे शायद जल्द ही फिल्मों में नजर आएंगी। एक यूजर ने लिखा है, क्या आप भी अब फिल्मों में काम करेंगी।

जबलपुर कोर्ट ने जारी किया नोटिस

कानूनी लफड़े में फंसी करीना कपूर खान

करीना कपूर खान कानूनी विवादों में फंस गई हैं। उनकी मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की जबलपुर बेंच ने करीना कपूर को एक नोटिस जारी किया है। यह नोटिस करीना कपूर प्रेगनेंसी बाइबल नाम की विवादित पुस्तक को लेकर दिया गया है। करीना कपूर के अलावा जस्टिस जीएस आहलूवालिया की एकलपीठ ने अदिति शाह भीमजियानी, अमेजान इंडिया, जगरनाट बुक्स और अन्य को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

मामले पर अगली सुनवाई एक जुलाई को होगी। दअरसल, जबलपुर सिविल लाइन निवासी क्रिस्टोफर एंथोनी ने हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की है। जिसमें उन्होंने करीना कपूर प्रेगनेंसी बाइबल पुस्तक के जरिए ईसाई समाज की धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगाया है। याचिका के जरिए करीना कपूर पर आपराधिक मुकदमा दर्ज कराने की मांग की गई है। साथ ही कहा गया है कि करीना कपूर खान ने सस्ती लोकप्रियता हासिल करने की मंशा से यह किताब लिखी है, जिसका कवर पेज भी आपत्तिजनक है। अधिवक्ता किस्टोफर एंथोनी ने याचिका दायर कर दलील दी कि करीना कपूर खान ने अपनी प्रेगनेंसी के अनुभव को साझा करने पर यह किताब प्रकाशित की थी।

किताब के नाम में बाइबिल जोड़ने से ईसाई धर्म के लोगों को पीड़ा हुई और उनकी भावनाएं आहत हुई। किताब का शीर्षक ईसाई धर्म के मानने वाले अनुयाईयों के पवित्र धार्मिक ग्रंथ बाइबिल से लिया गया है। जिस कारण ईसाई समाज के लोगों द्वारा ज्ञापन और विरोध प्रदर्शन किया गया था। बाइबिल ईसाई धर्म का धार्मिक ग्रंथ है और प्रभु की शिक्षा व दृष्टांतों का वर्णन इस पवित्र पुस्तक में पाया जाता है।

कृति का दिल जीतने के लिए होनी चाहिए ये खूबियां

कृति सैनन हिंदी फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री हैं। उनके फैंस उनकी फिल्मों के अलावा उनकी लव लाइफ के बारे में भी जानने को उत्सुक रहते हैं। एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने अपने आदर्श हमसफर के बारे में बात की है। कृति सैनन बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने फिल्म हीरोपंती से फिल्मी दुनिया में कदम रखा था। यह फिल्म साल 2014 में रिलीज हुई थी। पहली फिल्म से अब तक कृति ने बॉलीवुड में लगभग एक दशक पूरा कर लिया है। अपने अब तक के करियर में उन्होंने बहुमुखी किरदार किए हैं। उनके लिए इस साल की शुरुआत भी काफी बेहतरीन रही है। एक के बाद एक उनकी दो फिल्में इस साल रिलीज हुई हैं। तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया और क्रू दोनों बॉक्स ऑफिस पर सफल साबित हुई हैं।

निजी जिंदगी पर की बात

इस साल रिलीज हुई कृति की दोनों फिल्मों को फिल्म समीक्षकों और दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। साल की शुरुआत में लगातार दो सफल फिल्में दे कर उन्होंने फिर से अपनी मौजूदगी जाहिर की है। अभिनेत्री की सफलता से उनके फैंस काफी खुश हैं।

अभिनेत्री के फैंस उनकी फिल्मों के अलावा निजी जिंदगी के बारे में जानने को भी काफी उत्सुक रहते हैं। हाल में ही क्रू अभिनेत्री ने अपने आदर्श हमसफर को लेकर बात की है।

बताया था आदर्श हमसफर के गुण

एक इंटरव्यू के दौरान, उनसे उनके पुराने बयान को लेकर सवाल पूछा गया। अपने पुराने बयान में उन्होंने कहा था कि उनके लिए एक आदर्श हमसफर में आदर भाव के साथ कई और आवश्यक गुण होने चाहिए। इसको लेकर उनसे सवाल किया गया कि उनके जैसी सफल महिला के लिए जो कामयाब,स्मार्ट, खूबसूरत और आर्थिक रुप से आजाद है, क्या उनके लिए ऐसा लड़का ढूंढ़ पाना संभव है, जिसमें वो सभी गुण हो? इसका जवाब देते हुए उन्होंने हंसते हुए कहा, मुझे नहीं पता।

फिलहाल तो मुझे नहीं पता कि लड़के में इन सभी गुणों को होना आवश्यक है या नहीं। मुझे नहीं लगता।

शिव ठाकरे का नया म्यूजिक वीडियो कोई बात नहीं रिलीज

बिग बॉस मराठी 2 के विजेता शिव ठाकरे ने शनिवार को म्यूजिक वीडियो कोई बात नहीं जारी किया। म्यूजिक वीडियो में शिव के साथ एक और बिग बॉस की एक्स कंटेस्टेंट सोनिया बंसल नजर आ रही हैं। गाने में एकतरफा प्यार और दिल टूटने वाली भावनाएं हैं। इसे साज भट्ट ने गाया है और अमजद नदीम आमिर ने कंपोज किया है, वहीं इसके बोल अजीम शिराजी ने लिखे हैं।

गाने के बारे में बात करते हुए, शिव ने कहा, यह व्हाइट हिल बीट्स के साथ मेरा पहला सहयोग है, और पहली बार गाना सुनने पर, मुझे किरदार से जुड़ा हुआ महसूस हुआ, जिसका दिल उस वक्त दिल टूट जाता है, जब उसके प्यार की शादी किसी दूसरे से हो रही होती है। उन्होंने आगे कहा, मेरा मानना है कि यह ट्रैक दर्शकों को गहराई से पसंद आएगा, वे मेरे किरदार से जुड़ पाएंगे। सोनिया के साथ काम करना शानदार रहा। यह म्यूजिक वीडियो मेरे लिए एक बेहतरीन अवसर था। सोनिया ने कहा, वीडियो को नैनीताल में शूट किया गया। यह गाना प्यार की मासूमियत के खट्टे-मीठे सार को दर्शाता है। जब से यह गाना मेरे पास आया है, तब से मैं इसे लेकर काफी रोमांचित हूं। मुझे शिव और टीम के साथ मिलकर काम करने में बहुत मजा आया और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस गाने को अपना प्यार देंगे। गुनबीर सिंह सिद्धू और मनमोर्ड सिंह सिद्धू द्वारा निर्मित, यह गाना व्हाइट हिल बीट्स के लेबल के तहत जारी किया गया है और यह ऑडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध है।

सूर्या ने पत्नी ज्योतिका की फिल्म श्रीकांत की समीक्षा की

सूर्या ने अपनी पत्नी ज्योतिका और राजकुमार राव की फिल्म श्रीकांत की समीक्षा की और इसे रोलरकोस्टर राइड बताया। अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर अपने विचार साझा करते हुए सूर्या ने भी ज्योतिका की सराहना करते हुए उन्हें बहुत खास बताया। बायोपिक की रिलीज के तुरंत बाद, तमिल अभिनेता सूर्या ने एक्स पर अपनी समीक्षा साझा की और लिखा, श्रीकांत फिल्म एक खूबसूरत रोलरकोस्टर राइड है जो हमें हंसाएगी और रुलाएगी और एहसास कराएगी कि कैसे एक व्यक्ति जीवन में इतनी सारी चीजें हासिल कर सकता है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने फिल्म के कलाकारों और क्रू की प्रशंसा की और राजकुमार की उनके ईमानदार प्रयासों के लिए सराहना की। सूर्या ने फिल्म के निर्देशक तुषार हीरानंदानी को बधाई दी और उनकी पत्नी ज्योतिका को विशेष बधाई दी।

उन्होंने लिखा, ज्योतिका जिस तरह की कहानियों का आप हिस्सा होती हैं वह हमेशा बहुत खास होती हैं जो! आपकी उपस्थिति आपके आस-पास की हर चीज को इतना वास्तविक बना देती है। उन्होंने अपने प्रशंसकों और फॉलोअर्स से फिल्म देखने का आग्रह किया और लिखा, यह एक महत्वपूर्ण फिल्म है दोस्तों, अपने बच्चों के साथ इसे जरूर देखें।

गोट - ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम की शूटिंग के लिए यूएस रवाना हुए विजय

साउथ सुपरस्टार विजय इन दिनों गोट-ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम के निर्माण में व्यस्त हैं। यह फिल्म इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म का क्रेज दर्शकों के बीच अभी से छाया हुआ है। हाल ही में फिल्म का पहला गाना व्हिसल पोडु रिलीज हुआ था, जिसे फैंस ने खूब पसंद किया। वहीं अब तेजी से फिल्म की शूटिंग आगे बढ़ रही है, जिसके बारे में अब नई जानकारियां सामने आई हैं।

फिल्म को लेकर नई जानकारी यह है कि गोट के अगले शेड्यूल की शूटिंग शुरू हो चुकी है। विजय इस एक्शन ड्रामा के नए शेड्यूल के लिए यूएसए गए हैं। अभिनेता को अमेरिका के लिए रवाना होते हुए चेन्नई हवाईअड्डे पर देखा गया। खबर है कि यूएसए में विजय कुछ तकनीकी दृश्य फिल्मा सकते हैं। निर्माता इस फिल्म के लिए डी-एजिंग तकनीक का उपयोग करेंगे और विजय दो भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसके साथ ही फिल्म को लेकर यह जानकारी है कि विजय ने डबिंग का 50 प्रतिशत काम पहले ही पूरा कर लिया है और उनके हिस्से की डबिंग जल्द ही पूरी कर ली जाएगी।

इससे पहले खबर आई थी कि निर्माता जल्द ही फिल्म का दूसरा गाना रिलीज करने की भी योजना बना रहे हैं। इस बारे में बात करते हुए निर्देशकों ने पुष्टि की थी कि दूसरा गाना जून में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म के जरिए वेंकट प्रभु और विजय पहली बार साथ काम कर रहे हैं। गोट विजय की 68वीं फिल्म है। यह फिल्म एजीएस एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही है। कहा जा रहा है कि यह एक एक्शन-आधारित विज्ञान-फाई फिल्म होगी।

सरफरोश को लेकर कई बार लगा कि क्या हम एक डॉक्यूमेंट्री बना रहे हैं : सोनाली बेंद्रे

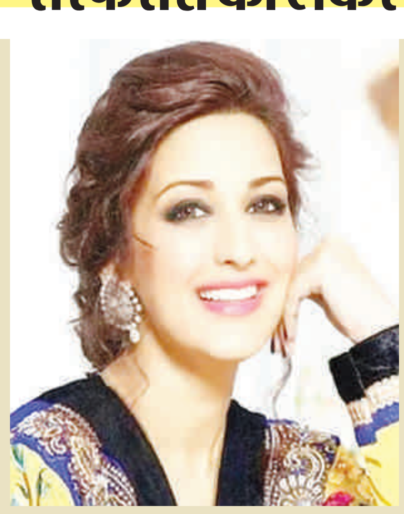

एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे को स्ट्रीमिंग शो द ब्रोकन न्यूज के दूसरे सीजन के लिए काफी सराहना मिल रही है। वह हिंदी सिनेमा की उन एक्ट्रेसेस में से एक हैं, जिन्होंने देश की अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्रीज में काम किया है। तमिल, मराठी, कन्नड़ और तेलुगु सिनेमा में काम करने के अनुभव के बारे में एक्ट्रेस ने कहा कि उनके लिए फिल्म इंडस्ट्री में काम करते समय भाषा एक बड़ी चुनौती थी, और उस समय उन्हें लगता था कि वह भी फिल्म की टीम के सदस्यों के साथ थोड़ा और घुले-मिलें।

एक्ट्रेस ने बात करते हुए कहा कि हम 1990 के दशक में पैन-इंडिया नहीं कहते थे, हमने सिर्फ राज्यों में अलग-अलग फिल्में बनाते थे। मैंने मराठी सिनेमा में एक फिल्म की है, अनाहत। यह एक शानदार कहानी थी। मैंने एक अद्भुत तमिल फिल्म की है, यह इंटरनेट पर बेस्ड लव स्टोरी थी। वह ऐसा समय था जब लोग साइबर कैफे में जाते थे। मैंने कन्नड़ फिल्में और तेलुगु फिल्में भी की हैं। सबसे बढ़कर, मुझे तेलुगु सिनेमा में काम करने में मजा आया। वे बहुत अच्छे लोग हैं। सोनाली बेंद्रे ने आगे कहा कि दिन भर के अच्छे काम के बाद रचनात्मकता, संतुष्टि की भावना, सभी फिल्म सेट पर एक समान है।

मुझे लगता है कि एकमात्र अंतर भाषा का है। दुर्भाग्य से, मैं सभी भाषाएं नहीं जानती थी और उन फिल्मों के सेट पर लोगों से ज्यादा बातचीत नहीं कर पाता थी। मैं शब्दों का अर्थ तो जानती थी, लेकिन भाषा को आत्मविश्वास के साथ सहजता से बोलने में मैं बहुत घबरा जाती थी। यह मेरे लिए हिंदी सिनेमा की तुलना में चार गुना ज्यादा काम जैसा था। सरफरोश, जिसमें वह बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान के साथ नजर आईं, हिंदी सिनेमा में गेम-चेंजर बनकर उभरी। दिलचस्प कहानी और बेहतरीन कास्टिंग के चलते दर्शकों के दिलों में आज भी इसकी अपनी अलग जगह है। फिल्म से जुड़ी अपनी सबसे प्यारी यादों के बारे में बात करते हुए, एक्ट्रेस ने कहा कि कई बार उन्हें ऐसा महसूस हुआ कि क्या हम एक डॉक्यूमेंट्री की शूटिंग कर रहे हैं? लेकिन, फिल्म में उनके किरदार ने उन्हें यह विश्वास दिलाया कि यह एक पूरी तरह से कमर्शियल फिल्म है। एक्ट्रेस ने कहा कि सरफरोश एक बहुत ही खास फिल्म है, खासकर निर्देशक जॉन मैथ्यू मैथन की वजह से।

मैंने और जॉन ने विज्ञापन फिल्मों में बड़े पैमाने पर काम किया था। कई बार हमें ऐसा लगता था, क्या हम एक डॉक्यूमेंट्री बना रहे हैं? लेकिन, यह फिल्म में मेरे और आमिर खान के किरदारों के बीच म्यूजिक और बॉन्डिंग थी, जिसने हमारे विश्वास को मजबूत किया कि हम एक कमर्शियल बॉलीवुड फिल्म बना रहे हैं।

- साभार एजेंसी

संक्षिप्त समाचार

विश्व कप विजेता का छलका दर्द, बताया कैसे नस्लवाद की वजह से हुए थे परेशान

कोच्चि, एजेंसी। एस श्रीसंत एक बार फिर खबरों की दुनिया में अपने बयान को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं. यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया के पोडकास्ट द रणवीर शो पर श्रीसंत ने कई राज खोलें. उनके बयान से भारतीय क्रिकेट में नस्लवाद का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है. इस मुद्दे पर पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज एस. श्रीसंत ने एक बड़ा खुलासा किया है. मद्रासी शब्द से हुई जिंदगीभर परेशानी ! द रणवीर शो में श्रीसंत ने कहा- पूरी जिंदगी मुझे... मैं बोल सकता हूं. आप जानते हैं, बॉम्बे से नीचे सब कुछ मद्रासी जैसा था. अंडर-13 से अंडर-19 तक, हर जगह ये सुनता रहा. फिर हमें कोच्चि (टस्कर्स केरल) टीम मिली और लगा कि फिर से देश के लिए खेल रहे हैं. आपको बता दें कि एस श्रीसंत का जन्म केरल के कोतमंगलम में हुआ था. गौरतलब है कि मद्रासी दक्षिण भारत, खासकर तमिलनाडु के रहने वालों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला क्षेत्रीय अपमान है.

कोच्चि टस्कर्स केरल से अभी भी है वेतन का इंतजार

इसी शो में श्रीसंत ने खुलासा किया कि अब बंद हो चुकी कोच्चि टस्कर्स केरल टीम ने उन्हें अभी तक उनका वेतन नहीं दिया है. श्रीसंत 2011 के आईपीएल में खिलाड़ी के रूप में इस टीम का हिस्सा थे. अगले सीजन से पहले ही टीम को खत्म कर दिया गया था. श्रीसंत ने कहा, उन्हें बहुत पैसा देना है. उन्होंने अभी तक नहीं दिया है. आपको मुथैया मुरलीधरन सर, महेला जयवर्धने को इस शो में लाना चाहिए, वो आपको यही बताएंगे. मैकुलम भी वहां थे, और जडेजा भी.

उन्होंने हंसते हुए आगे कहा, ÷यारों, बीसीसीआई ने उन्हें पैसा दे दिया है, ऐसा मुझे लगता है. कृपया हमें भी पेमेंट कर दो... वैसे भी, जब भी करो, हर साल 18त्न ब्याज याद रखना. मुझे लगता है मेरे बच्चे की शादी तक तो जरूर मिल जाएगा पैसा. टीम तीन साल चलने वाली थी, और पहले साल ही खत्म हो गई. मुझे नहीं लगता किसी ने इस बारे में बात की है. अब भी जब खिलाड़ी मिलते हैं, तो इस बारे में बात करते हैं. किसी भी इंटरनेशनल क्रिकेटर ने इस मुद्दे पर आवाज नहीं उठाई.

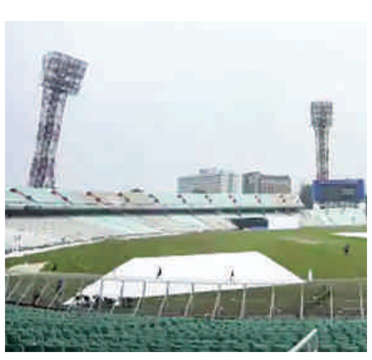

बीसीसीआई सेक्रेटरी ने घरेलू क्रिकेट के लिए किए तीन सिफारिश

- रणजी ट्रॉफी के मैचों के बीच चार दिन का गैप, सीके नायडू ट्रॉफी में टॉस खत्म होगा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड घरेलू क्रिकेट को बेहतर बनाने के लिए रणजी ट्रॉफी को दो चरणों में कराने के साथ ही तीन बदलाव करने जा रही है। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने 2024-2025 के घरेलू सीजन के लिए एपेक्स काउंसिल को तीन बड़ी सिफारिशें भेजी हैं। जिनमें रणजी ट्रॉफी को दो चरणों में करना, अंडर-23 सीके नायडू ट्रॉफी में टॉस खत्म करना और दलीप ट्रॉफी के लिए जोन टीमों का चयन नेशनल सिलेक्शन कमिटी की ओर से किया जाना शामिल है।

रणजी ट्रॉफी के मैचों के बीच तीन की जगह अब चार दिन का गैप होगा। दरअसल पिछले साल शार्दूल ठाकुर ने कहा था कि रणजी ट्रॉफी के मैचों के बीच गैप कम है, पहले ग्रुप मैचों के बीच 4 दिन और नॉक आउट मैचों के बीच 5 दिन का गैप होता था। अगर मैचों का ऐसा शेड्यूल दो-तीन साल ऐसा ही रहा तो देश के कई युवा खिलाड़ी चोटों से जूझते नजर आएंगे। शार्दूल की बात तो बीसीसीआई ने गंभीरता से लिया। बीसीसीआई अब रणजी ट्रॉफी को दो चरणों में कराने की योजना तैयार की है।

रणजी ट्रॉफी अब जनवरी के बजाय सितंबर के आखिर या अक्टूबर के शुरुआत में कराया जाएगा। शुरुआती चरणों के 5 राउंड के मैचों के बाद सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी के मैच होंगे। वहीं उसके बाद रणजी राउंड के दूसरे चरण में तीन राउंड और नॉकआउट के मैच होंगे। 2023-2024 सीजन में रणजी के मैच जनवरी में हुए थे। इस दौरान मौसम की खराबी की वजह से कई मैचों में बाधा उत्पन्न हुई थी। इसलिए इसे अब सितंबर-अक्टूबर में कराया जाएगा। पिछले सीजन खराब मौसम की वजह से कई रणजी मैचों में परेशानी हुई थी।

आईपीएल:2024

अगले सीजन कोलकाता का हिस्सा होंगे रोहित शर्मा?

- केकेआर कोच और प्लेयर संग मीटिंग के बाद मिले संकेत

नईदिल्ली, एजेसी। कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुंबई इंडियंस को 18 रनों से हराया. इस जीत के बाद श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली कोलकाता नाइट राइडर्स प्लेऑफ में पहुंच गई है. वहीं, मुंबई इंडियंस बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स मैच के बाद रोहित शर्मा की तस्वीरें खूब वायरल हो रही है. दरअसल, रोहित शर्मा कोलकाता नाइट राइडर्स के कोच और खिलाड़ियों संग बैठे नजर आए. इस दौरान लंबी बातचीत हुई. इसके बाद सोशल मीडिया पर लगातार तरह-तरह के कयास लग रहे हैं. सोशल मीडिया पर फैंस का कहना है कि आईपीएल 2025 में रोहित शर्मा कोलकाता नाइट राइडर्स का हिस्सा होंगे.

दरअसल, इस सीजन की शुरूआत से पहले मुंबई इंडियंस ने हार्दिक पांड्या को अपना कप्तान बनाया. जिसके बाद खबरों में दावा किया गया कि रोहित शर्मा खुश नहीं हैं. बहरहाल, अब सोशल मीडिया पर वायरल फोटो के आधार पर कहा जा रहा है कि रोहित शर्मा अगले सीजन कोलकाता नाइट राइडर्स का हिस्सा हो सकते हैं.

मैं इस बल्लेबाज को कोलकाता नाइट राइडर्स में देखना पसंद करूंगा

वहीं, इस पर कोलकाता नाइट राइडर्स स्पोर्ट स्टाफ का हिस्सा रह चुके पूर्व पाकिस्तानी दिग्गज वसीम अकरम का भी बयान आया है. वसीम अकरम ने कहा कि मुझे लगता है रोहित शर्मा अगले सीजन मुंबई इंडियंस का हिस्सा नहीं होंगे.

मैं इस बल्लेबाज को कोलकाता नाइट राइडर्स में देखना पसंद करूंगा. रोहित शर्मा को बतौर ओपनर, गौतम गंभीर को मेंटर और श्रेयस अय्यर को कप्तान के तौर पर देखना शानदार अहसास होगा. इसके अलावा ईडेन गार्डेन्स की पिच रोहित शर्मा को पसंद आएगी.

पीयूष चावला की भविष्यवाणी

कोलकाता नाइट राइडर्स जीत सकती है खिताब

नईदिल्ली, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स आईपीएल 2024 के प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है. केकेआर ने 12 मैच खेले हैं और 9 में जीत दर्ज की है. उसे 3 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है. केकेआर ने पिछले मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 18 रनों से हरा दिया. मुंबई इंडियंस के स्पिनर पीयूष चावला ने केकेआर की जीत के बाद अहम प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि केकेआर इस बार फाइनल जीतकर खिताब अपने नाम कर सकती है. पीयूष चावला ने केकेआर के खिलाड़ियों की तारीफ की है.

एक खबर के मुताबिक पीयूष चावला ने कहा, केकेआर के स्पिनर्स जिस तरह से बॉलिंग कर रहे हैं और जिस तरह से बैटिंग कर रहे हैं, वे खिताब जीत जीत सकते हैं. लेकिन प्लेऑफ के दिन यह क्या होता है, यह सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होगा. उनके पास अच्छा मॉमेंटम हैं. आपको मैच बदलने के लिए सिर्फ चार ओवरों की जरूरत होती है. केकेआर ने इस सीजन में दमदार प्रदर्शन किया है. उसने 12 मैच खेले हैं और इस दौरान 9 में जीत दर्ज की है.

कोलकाता को 3 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है. उसके पास 18 पॉइंट्स हैं. केकेआर ने इस सीजन में अपने पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को 4 रनों से हराया था. इसके बाद आरसीबी के खिलाफ 7 विकेट से जीत दर्ज की थी. उसने दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स को भी हराया. हालांकि चेन्नई के खिलाफ एक मैच में हार का सामना भी किया. बता दें कि केकेआर के लिए इस सीजन में सबसे ज्यादा रन सुनील नरेन ने बनाए हैं. उन्होंने 12 मैचों में 461 रन बनाए हैं. नरेन ने इस दौरान 1 शतक और 3 अर्धशतक लगाए हैं. उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 109 रन रहा है. फिलिप साल्ट ने भी टीम के लिए अच्छा परफॉर्म किया है. उन्होंने 12 मैचों में 435 रन बनाए हैं.

पेरिस ओलंपिक: 2024

रेसलर अमन सहरावत ने हासिल किया भारत के लिए पेरिस ओलंपिक कोटा

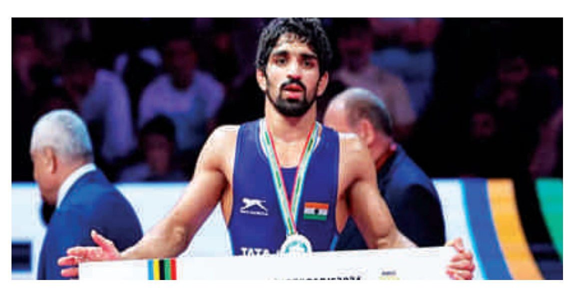

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई चैंपियन अमन सहरावत ने तुर्किये में विश्व कुश्ती ओलंपिक क्वालिफायर में पुरुषों के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में भारत के लिए पेरिस 2024 कोटा हासिल किया। वहीं, दीपक पूनिया असफल रहे। एशियाई चैंपियन अमन सहरावत ने तुर्किये में विश्व कुश्ती ओलंपिक क्वालिफायर में पुरुषों के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में भारत के लिए पेरिस 2024 कोटा हासिल किया। वहीं, दीपक पूनिया असफल रहे। वह पहले ही राउंड में बाहर हो गए। भारत के लिए यह छठा पेरिस ओलंपिक 2024 कुश्ती कोटा है, जबकि पुरुषों के डिवीजन में पहला है।

पिछले सभी पांच कोटा भारतीय महिला पहलवानों ने हासिल किये थे। अंडर 23 विश्व चैंपियन सहरावत ने सेमीफाइनल में डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया के चोंगसोंग हान को 12-2 से हराया। इस्तांबुल प्रतियोगिता पहलवानों के लिए आगामी ओलंपिक खेलों के लिए कोटा प्राप्त करने का आखिरी मौका है। प्रत्येक भार वर्ग में तीन कोटा दांव पर हैं। अपने दोनों मुकाबलो में अमन ने आसानी से जीत हासिल की। पहले उन्होंने जॉजी वालेनतिनोव को 10-4 से मात दी। इसके बाद अमन ने यूक्रेन के एंड्री यातसेंको को हराया। यातसेंको ने भारतीय पहलवान को चुनौती दी लेकिन अमन काफी मजबूत साबित हुए। अमन ने अपने प्रतिद्वंद्वी को 'टेक डाउन' के बाद तकनीकी श्रेष्ठता से जीत हासिल की। उन्होंने उत्तर कोरिया के चोंगसोंग हान को 12-2 के अंतर से हराया।

आईपीएल:2024

विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों को सलाह देना ठीक नहीं: मैथ्यू हेडन

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल सीजन शुरू होने से पहले विराट कोहली की बल्लेबाजी पर लगातार सवाल उठते रहे. खासकर, टी20 फॉर्मेट में विराट कोहली की स्ट्राइक रेट पर दिग्गज अपना बयान देते रहे हैं. लेकिन इस सीजन विराट कोहली ने अपनी बल्लेबाजी से आलोचकों को करारा जवाब दिया है.

दरअसल, अब तक इस सीजन विराट कोहली 12 मैचों में 153.51 की स्ट्राइक रेट से 634 रन बना चुके हैं. साथ ही रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरू का यह बल्लेबाज ऑरेंज कैप की रेस में टॉप पर चल रहा है. बहरहाल, अब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज मैथ्यू हेडन का बयान आया है.

विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों को सलाह नहीं देना चाहिए...

दरअसल, मैथ्यू हेडन का मानना है कि विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों को सलाह नहीं देना चाहिए. ऐसे खिलाड़ियों का खेल वक्त के साथ खुद ब खुद बेहतर होता जाता है. उन्होंने कहा कि फैंस के लिहाज से देखूं तो विराट कोहली की स्ट्राइक रेट चर्चा का विषय रहा है, लेकिन इस बात में कोई शक नहीं कि वह शानदार बल्लेबाज हैं. खासकर, तकनीकि तौर पर विराट कोहली का कोई जवाब नहीं है. लिहाजा, तीनों फॉर्मेट में वह बेहतरीन बल्लेबाज हैं.

मिडिल ओवर्स में विराट कोहली की स्ट्राइक रेट परेशानी का सबब...

इस सीजन विराट कोहली ने मिडिल ओवर में स्पिनरों के खिलाफ 138 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं. मैथ्यू हेडन का मानना है कि मिडिल ओवर में स्पिनरों के खिलाफ विराट कोहली की स्ट्राइक रेट जरूर परेशानी का सबब है. वह कहते हैं कि टी20 वर्ल्ड कप में तकरीबन सारी टीमों के पास 2 स्पिनरों होंगे, किसी टीम के पास 3 भी हो सकते हैं, लिहाजा विराट कोहली के लिए मिडिल ओवर्स में तेजी से रन बनाना चुनौती होगी. हालांकि, मैथ्यू हेडन का मानना है कि विराट कोहली जिस तरह के खिलाड़ी हैं, वो खुद को हालात के मुताबिक ढ़ाल लेंगे.

बड़े खिलाड़ियों पर मौन, छोटों को सजा ! अब केकेआर के रमननदीप सिंह पर आईपीएल में ठोका गया जुर्माना

कोलकाता, एजेंसी। केकेआर के ऑलराउंडर रमनदीप सिंह पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ शनिवार को यहां खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इस 27 वर्ष के खिलाड़ी ने आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.20 के तहत लेवल एक का अपराध किया। उन्होंने अपना अपराध और मैच रेफरी की सजा स्वीकार कर ली है। आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन पर मैच रेफरी का फैसला अंतिम और बाध्यकारी होता है।

यह पता नहीं चल पाया है कि रमनदीप सिंह को किस गलती की सजा दी गई है। इससे पहले केकेआर के ही हर्षित राणा को फ्लाइंग किस सेलिब्रेशन पर बैन किया गया था जबकि विराट कोहली के गन स्टाइल हिंसात्मक सेलिब्रेशन पर हर किसी ने आंखें मुंद ली थी।

केकेआर ने बारिश से प्रभावित इस मैच में मुंबई इंडियंस को 18 रन से हराकर प्लेऑफ में जगह बनाई। रमनदीप ने इस मैच में आठ गेंद पर 17 रन बनाए।

प्रगनानंद ने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लसन को हराया, तीसरे स्थान पर बरकरार

चेस

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर प्रगनानंद ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए सुपरबेट रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन को हराकर अपनी प्रतिभा दिखाई। प्रगनानंद जीत के बावजूद तीसरे स्थान पर बने हुए हैं, जबकि चीन के जबकि चीन के वेई यी ने 2.5 अंकों की मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। यह पहली बार नहीं है जब प्रगनानंद ने कार्लसन पर जीत दर्ज की है। वह इससे पहले भी कई मौकों पर विश्व के नंबर एक खिलाड़ी को चौंका चुके हैं।

गुकेश की फॉर्म चिंता का विषय

हाल ही में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रचने वाले विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर डी गुकेश की फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है क्योंकि वह 1,75,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाले इस टूर्नामेंट में 9.5 अंकों के साथ अंतिम स्थान पर हैं।

भारत के अर्जुन एरीगैसी 14 अंक लेकर चौथे स्थान पर हैं, जबकि पोलैंड के डुडा जान क्रिज्सटोफ 13 अंकों के साथ उनके ठीक पीछे हैं। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव 12.5 के साथ छठे स्थान पर हैं और उन्होंने जर्मनी के विंसेंट कीमर पर एक अंक की बढ़त बना रखी है। प्रतियोगिता के शुरू में शीर्ष पर रहने वाले रोमानिया के किरिल शेवचेंको 11 अंकों के साथ आठवें स्थान पर हैं। हॉलैंड के अनीश गिरी 10.5 अंकों के साथ नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

नौ दौर की बाजियां शेष

ब्लिट्ज प्रतियोगिता में अभी नौ दौर की बाजियां खेली जानी बाकी हैं। वेई यी सात जीत के साथ 20.5 अंक लेकर शीर्ष पर बने हुए हैं। कार्लसन के 18 अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर हैं। उनके बाद प्रगनानंद का नंबर आता है। इस भारतीय खिलाड़ी के हालांकि 14.5 अंक है और ऐसे में खिताब के लिए मुख्य मुकाबला वेई यी और कार्लसन के बीच रह गया है।

अब भारत के डोमेस्टिक मैचों में नहीं होगा टॉस! इन बड़े बदलावों पर विचार कर रही है बीसीसीआई

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय डोमेस्टिक क्रिकेट में जल्द बड़ा बदलाव संभव है. दरअसल, बीसीसीआई जल्द घरेलू क्रिकेट में टॉस पर फैसला ले सकती है. ऐसा माना जा रहा है कि बीसीसीआई घरेलू क्रिकेट से टॉस को खत्म करने पर विचार कर रहा है. अगर ऐसा हुआ तो टॉस के बजाय मेहमान टीम को गेंदबाजी या बल्लेबाजी चुनने का अधिकार होगा. यानी, मेहमान टीम बिना टॉस के गेंदबाजी करने या बल्लेबाजी करने का फैसला ले सकती है. साथ ही ऐसा माना जा रहा है कि इन नियम को सीके नायुडू ट्रॉफी से लागू किया जा सकता है.

इन बदलावों पर विचार कर रही है बीसीसीआई...

इसके अलावा डोमेस्टिक मैचों के शेड्यूल में बदलाव किया जा सकता है. ऐसा माना जा रहा है कि 2 डोमेस्टिक मैचों के बीच समय-अवधि अधिक हो सकता है. दरअसल, पिछले डोमेस्टिक सीजन कई टीमों के कप्तान ने मांग की थी कि 2 मैचों के बीच के समय को बढ़ाया जाए. वहीं, अब ऐसा माना जा रहा है कि बीसीसीआई इस पर आखिरी मुहर जल्द लगा सकता है. बहरहाल, इस बाबत बीसीसीआई सचिव जय शाह का बड़ा बयान सामने आया है. इसकी जगह मेहमान टीम के कप्तान को पास गेंदबाजी या बल्लेबाजी चुनने का अधिकार होगा.

आईपीएल से इम्पैक्ट प्लेयर नियम को खत्म किया जाएगा?

इसके अलावा इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर बड़ा फैसला संभव है. दरअसल, पिछले सीजन आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर नियम लागू किया गया था, इस नियम पर लगातार सवाल उठते रहे हैं, लेकिन अब इस पर जल्द बड़ा फैसला लिया जा सकता है.

संक्षिप्त समाचार

अगरतला रेलवे स्टेशन पर पुणे जा रहे आठ बांग्लादेशी गिरफ्तार

अगरतला, एजेंसी। त्रिपुरा के अगरतला रेलवे स्टेशन पर पुलिस ने शनिवार को सात महिलाओं सहित आठ बांग्लादेशी नागरिकों को भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया। सभी पुणे जा रहे थे। जीआरपी और आरपीएफ के संयुक्त ऑपरेशन में आठ बांग्लादेशी नागरिकों के साथ एक भारतीय दलाल को भी गिरफ्तार किया गया है। उन्हें उस समय गिरफ्तार किया गया जब वे कोलकाता जाने वाली कंचनजंगा एक्सप्रेस में सवार होने वाले थे। गिरफ्तार लोगों ने पुलिस को बताया कि वे रोजगार की तलाश में कोलकाता से महाराष्ट्र के पुणे जाने वाले थे। राज्य में इसी सप्ताह दो महिलाओं और तीन बच्चों समेत 11 बांग्लादेशी नागरिकों को धलाई जिले में उस समय गिरफ्तार किया गया था जब वे वापस बांग्लादेश जाने की तैयारी में थे।

पंजाब 1 जून को विकसित भारत के लिए करेगा वोट: गजेंद्र सिंह शेखावत

नवांशहर , एजेंसी। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शनिवार को कहा कि पंजाब 1 जून को विकसित भारत के लिए वोट करेगा। आनंदपुर साहिब लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार सुभाष शर्मा के लिए खरार, बालाचौर और नवांशहर में आज चुनाव प्रचार करते हुए शेखावत ने कहा, आप सरकार की गलत नीतियों और उसके नेताओं की अनुभवहीनता के कारण राज्य का राजस्व नहीं बढ़ रहा है, और सरकार रोजमर्रा के प्रशासनिक कार्यों के लिए कर्ज लेने के लिए मजबूर है। अब स्थिति इतनी खराब हो गई है कि सरकार को पुराने कर्ज कि किस्त चुकाने के लिए भी कर्ज लेना पड़ रहा है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि पहले कांग्रेस के कारण पंजाब खस्ताहाल हो गया था, अब आम आदमी पार्टी ने स्थिति और खराब कर दी है। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोग अकाली दल, कांग्रेस और आप को आजमा चुके हैं। अब भाजपा एकमात्र विकल्प बची है। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि पंजाब के लोग उवल भविष्य के लिए राज्य की सभी 13 लोकसभा सीटें भाजपा की झोली में डालने का मन बना चुके हैं। भाजपा उम्मीदवार शर्मा ने दावा किया कि आप सरकार के कार्यकाल में उद्योग पंजाब से पलायन कर रहे हैं और राज्य में बेरोजगारी बढ़ गई है।

ओवैसी ने इजरायल को भारतीय श्रमिकों का निर्यात रोकने की मांग की

हैदराबाद, एजेंसी। एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने शुक्रवार को केंद्र सरकार से इजरायल को भारतीय श्रमिकों का निर्यात बंद करने और जो पहले से वहां फंसे हैं उन्हें वापस लाने की मांग की। हैदराबाद के सांसद ने भारतीयों को इजरायल न जाने की सरकार की एडवाइजरी पर प्रतिक्रिया देते हुए यह मांग की। उन्होंने एक्स पर पूछा, मोदी सरकार ने एक एडवाइजरी जारी की है, जिसमें भारतीयों से इजरायल न जाने को कहा गया है। फिर भारत भारतीयों को इजराइल क्यों भेज रहा है? यदि यह सुरक्षित नहीं है, तो भारतीयों को मौत के मुंह में क्यों भेजा जा रहा है? क्या (प्रधानमंत्री) नरेंद्र मोदी उनकी सुरक्षा की व्यक्तिगत जिम्मेदारी ले रहे हैं? ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख ने कहा कि इज़रायल नरसंहार करने के क्रम में है और उसे गरीब भारतीयों की सुरक्षा की कोई परवाह नहीं है।

जमानत तो केजरीवाल को मिली, मुख्यमंत्री अभी जेल के अंदरः अनिज विज

चंडीगढ़, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत पर हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने हैरान करने वाली प्रतिक्रिया दी। उन्होंने शनिवार को कहा कि जो जेल गया था वो मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल था, मगर जमानत तो सिर्फ केजरीवाल की हुई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अभी भी अंदर है। विज ने कहा, ऐसा है कि केजरीवाल न तो मुख्यमंत्री के हस्ताक्षर कर सकते हैं।

जिन राज्यों में भाजपा का दबदबा, वहां विपक्ष को अच्छे रिजल्ट की आस

नईदिल्ली, एजेंसी।
लोकसभा चुनाव का चौथा चरण चौखट पर है और विपक्ष भी अब संख्या की बात खुलकर करने लगा है। बहुमत के जादुई आंकड़े से भाजपा की अगुवाई वाले एनडीए को दूर रखने के लिए विपक्ष कर्नाटक, तेलंगाना, केरल, तमिलनाडु सहित दक्षिण के अपने गढ़ के अलावा हरियाणा, यूपी, बिहार सहित कई राज्यों में बेहतर प्रदर्शन की आस में है। यह भी उम्मीद जताई जा रही है कि जिन राज्यों में भाजपा ने शत-प्रतिशत प्रदर्शन किया था वहां इस बार विपक्ष सेंधमारी जरूर करेगा।

विपक्ष के उत्साह से सियासी लड़ाई हुई रोचकः दावे में कितनी सचाई है यह तो बाद में पता चलेगा, लेकिन विपक्ष का उत्साह बचे हुए चरणों में लड़ाई को और रोचक बना रहा है। पिछले चुनाव के परिणामों पर नजर डालें तो उत्तर भारत में जहां एनडीए दमदार दिख रहा था, वहीं, दक्षिण भारत में इंडिया का किला मजबूत दिख रहा है। हालांकि जानकारों का कहना है कि हर चुनाव का अपना अलग गणित होता है इसलिए इस बार कई उलटफेर की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है।

हरियाणा, राजस्थान समेत कई राज्यों में विपक्ष को उम्मीदः जानकारों का कहना है कि गुजरात 26 सीट, राजस्थान 25 सीट, मध्य प्रदेश 29 सीट, उत्तराखंड 5 सीट, दिल्ली 7 सीट, यूपी 80 सीट, छत्तीसगढ़ 11 सीट, हरियाणा 10 सीट वाले राज्यों में भाजपा का दबदबा रहा है। लेकिन इस बार हरियाणा , राजस्थान सहित कई राज्यों में विपक्ष को भाजपा का सक्सेस रेट कम और अपना बढ़ता दिख रहा है। इनमें से ज़्यादातर जगहों पर चुनाव हो चुका है। दिल्ली और हरियाणा में चुनाव होना बाकी है। यूपी की भी कई सीटों पर मतदान होना बाकी है।

बहुमत के लिए जरूरी सीटों पर मतदान संपन्नः पिछले परिणामों के लिहाज से कर्नाटक को छोड़ दें तो दक्षिण में इंडिया गठबंधन मजबूत नजर आ रहा है। तमिलनाडु, केरल से लेकर तेलंगाना में कांग्रेस, डीएमके और वाम दल भाजपा पर भारी पड़ते दिख रहे हैं। लेकिन बीजेपी को कर्नाटक के साथ तेलंगाना और आंध्र में गठबंधन के साथ बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। जबकि तमिलनाडु में भी खाता खोलने का दावा भाजपा द्वारा किया जा रहा है। तेलंगाना और आंध्र में चौथे चरण में चुनाव होना है। बहुमत के लिए जरूरी सीटों पर अब तक चुनाव हो चुका है। इसमें कौन कितना भारी पड़ेगा यह कहना मुश्किल है लेकिन सियासी जानकारों का कहना है कि अब तक जो भी फीडबैक मिला है उससे साफ है कि कोई भी पक्ष आश्वस्त नहीं है।

ध्यान और सेवा से जीवन को बनाएं उत्सव : गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

जीवन एक उत्सव है। जीवन में उत्सव मनाने का जितना भी अवसर मिले, उसके लिए कृतज्ञ रहना चाहिए। उत्सव अपने भीतर से होना चाहिए। यह हमारी आत्मा का स्वभाव है। उत्सव मनाने का कोई भी कारण एक अच्छा कारण है। किसी भी उत्सव को आध्यात्मिक होना ही है। कोई भी उत्सव बिना आध्यात्मिकता के संभव नहीं है। सेवा, ध्यान और मौन उत्सव को गहराई देते हैं।

सेवा के बिना आध्यात्मिक विकास संभव नहीं:हमारे पास जो कुछ भी है, वह दूसरों के साथ बांटना ही सेवा है। सेवा हमें दूसरों के जीवन से जोड़ती है। आध्यात्मिक विकास के लिए सेवा बहुत आवश्यक है। जो आनंद दूसरों की सहायता और सेवा में है वह किसी और चीज में नहीं है। सेवा इसलिए नहीं की जाती कि आपको उसके बदले में कुछ मिलेगा। जो आप समाज की भलाई के लिए करते हैं, वही सेवा है। सेवा आपका स्वभाव है, आप सेवा किए बिना रह नहीं सकते।

यदि किसी को आपकी आवश्यकता हो, तो उनकी मदद करें :जब किसी को आपकी सेवा की आवश्यकता हो तब उनकी सेवा करनी चाहिए। मान लीजिए यदि कोई जमीन पर गिर गया है, उसको चोट लग गयी है तो उनको आपकी सेवा की आवश्यकता है, उस वक्त आप यह नहीं कह सकते कि इतनी चोट थोड़ी लगी होगी, मलहम-पट्टी क्या लगाना है? यदि आप ऐसा सोचेंगे तो दूसरे लोग भी आपके लिए ऐसा ही सोचेंगे । एक बार एक बन्दर ने गुरु से कहा कि मैं ध्यान करना चाहता हूं, लेकिन मैं तो हमेशा छलांग लगाता रहता हूँ तो ऐसे में ध्यान कैसे होगा। तो उसके गुरु ने उससे कहा कि यदि तुम ध्यान नहीं कर सकते तो, तुम सेवा करो। एक दिन वह बन्दर तालाब के किनारे गया और उसने देखा कि एक मछली पानी में उछल रही है; उसे लगा कि बेचारी मछली तो डूब जाएगी, इसलिए बंदर ने मछली को पकड़कर पेड़ पर रख दिया तो यह सेवा नहीं है। जहां किसी को आपकी सेवा की आवश्यकता है, वहीं सेवा करें।

जितना आप कर सकते हैं, वही आपके हिस्से की सेवा है :कोई भी आपसे यह नहीं कहता कि आप वह करिए जो आप नहीं कर सकते; जो हमसे हो सकता है, वही हमारे हिस्से की सेवा है। हमें महीने में या हफ्ते में कुछ घंटे सेवा में अवश्य लगना चाहिए। तो सेवा को अपने जीवन का एक अंग बनाएं। अपने शहर को स्वच्छ रखने की सेवा करें, लोगों को नशामुक्ति के लिए प्रेरित करने की सेवा करें, पेड़ लगाने की सेवा करे, दूसरों को ज्ञान में लाने की सेवा करें। जब आप दूसरों की सेवा में लगते हैं, तो आपको अपनी समस्याएं अपने आप कम लगने लगती हैं। और आप जल्दी ही समस्याओं से बाहर निकल पाते हैं।

मौन और ध्यान के बिना हर उत्सव अधूरा है :ध्यान और मौन से हर उत्सव में गहराई आती है। ध्यान कोई क्रिया नहीं है; यह 'कुछ न करने' की कला है! जब आपका मन शांत होता है, तभी आप ध्यान का अनुभव कर सकते हैं। जब हमारा मन किसी कार्य में व्यस्त रहता है तो वह थक जाता है। ध्यान आपको थकाता नहीं है, बल्कि यह आपको गहरा विश्राम देता है। ध्यान से मिलने वाला विश्राम लगभग गहरी नींद जैसा है लेकिन ध्यान नींद नहीं है । हमारी इच्छाएं गहरे ध्यान में बाधा बन सकती हैं। जब भी हमारे मन में कोई इच्छा बनी रहती है, तब उस वक्त ध्यान लगाना कठिन हो जाता है। इसलिए भगवान श्री कृष्ण गीता में कहते हैं, %जब तक सभी तरह का संकल्प नहीं छूटता, तब तक मन शांत नहीं होता।अपने व्यक्तिगत दुखों से निकलने का मार्ग है संसार के दुख का भागीदार बन जाना। और व्यक्तिगत आनंद को बढ़ाने का तारीक है संसार के आनंद में भागीदार हो जाना। जब हर व्यक्ति संसार को कुछ देने के भाव से आता है, तो सारा संसार एक दिव्य समाज हो जाता है। हमें यह सोचने के बजाय कि हमारा क्या होगा, यह सोचना चाहिए कि हम दूसरों के लिए क्या कर सकते हैं?

यदि आपको ध्यान में गहरे अनुभव नहीं हो रहे तो और अधिक सेवा करें। जब आप सेवा द्वारा किसी को विश्राम पहुंचाते हैं, तो आपको आशीर्वाद मिलता है । सेवा से आपको आशीर्वाद मिलता है, सेवा आपको गहरे ध्यान में जाने में सहायता करती है; ध्यान आपकी मुस्कुराहट वापस लाता है।

भजनलाल सरकार ने पेयजल उपभोक्ताओं को दी राहत

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान में भजनलाल सरकार की ओर से लाखों पेयजल उपभोक्ताओं बड़ी राहत दी जा रही है। उपभोक्ताओ को 31 मार्च 2023 तक बकाया बिल पर यह राहत दी जा रही है। यदि उपभोक्ता 31 मार्च 2023 तक बकाया राशि आगामी 31 मई तक एक साथ जमा कराते हैं तो उन्हें ब्याज और जुर्माना राशि में 100 फीसदी छूट मिलेगी। एमनेस्टी स्कीम के तहत बकाया जल प्रभार शुल्क के बकाया राशि पर ब्याज एवं जुर्माने में आगामी 31 मई तक एक मुश्त जमा कराए जाने पर शत-प्रतिशत छूट दी जा रही है।

जलदाय विभाग के शासन सचिव डॉ समित शर्मा ने शनिवार को बताया कि कई वर्षों से पानी का बिल जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं को इस योजना के तहत निश्चित तौर पर आर्थिक रूप से संबल मिल रहा है। उन्होंने बताया कि एमनेस्टी स्कीम का लाभ लेने पर उपभोक्ताओं को ब्याज एवं पेनल्टी में शत-प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है। ब्याज एवं जुर्माने में यह छूट समस्त श्रेणी के पेयजल उपभोक्ताओं के 31 मार्च 2023 तक के बकाया जल प्रभार शुल्क के पेटे बकाया राशि पर ब्याज एवं शास्ति पर ही लागू होगा. बकाया राशि एक मुश्त जमा करने पर ही इसका लाभ मिलेगा।

पेयजल उपभोक्ता पानी का बिल का भुगतान समय पर नहीं करते हैं। मूलभूत सुविधाओं में शामिल होने के कारण विभाग भी इसे लेकर सख्ती नहीं करता है। इसके कारण उपभोक्ताओं का बिल सालों तक जमा नहीं हो पाता। जब बिल की राशि बढ़ जाती है तो उपभोक्ता एक साथ जमा भी नहीं करा पाता। इसीलिए पेयजल उपभोक्ताओं को बिल की राशि एक साथ जमा कराने पर जुर्माना और ब्याज पर शत प्रतिशत छूट दी जा रही है। इससे उपभोक्ताओं को राहत तो मिलेगी ही साथ ही विभाग को भी सालों से रुका हुआ राजस्व प्राप्त होगा।

मां को थप्पड़ मारने पर ली थी प्रेमिका की जान, जीबीयू हत्याकांड का पर्दाफाश; मां-बेटा गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी।
ग्रेटर नोएडा में जीबीयू के हॉस्टल की छत पर पानी के टैंक में मिले अज्ञात महिला के शव की पहचान कर पुलिस ने हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। मृतका पूनम द्वारा अपने प्रेमी कपिल की मां सुमित्रा को थप्पड़ मारने पर उसकी हत्या की गई थी। पुलिस का दावा है कि आरोपी मां-बेटे ने हत्या के बाद शव को पानी के टैंक में फेंक दिया था। पुलिस ने आरोपी प्रेमी कपिल और उसकी मां सुमित्रा को गिरफ्तार कर लिया है।

ग्रेटर नोएडा के एडीसीपी अशोक कुमार ने बताया कि 5 मई की शाम जीबीयू कैंपस के एम हॉस्टल की तीसरी मंजिल पर बने पानी के टैंक में एक महिला का शव पड़े होने की सूचना मिली थी। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला था कि महिला जीबीयू में काम करने वाले अटेंडेंट कपिल की पत्नी कौशल थी। आरोपी कपिल हॉस्टल के क्वार्टर में अपनी मां और पत्नी के साथ रह रहा था। इसके बाद महिला के शव की पहचान करवाई गई तो परिजनों ने शिनाख्त करने से इनकार कर दिया था। बताया था कि उन्होंने अपनी बेटी कौशल की शादी कपिल के साथ की थी, लेकिन वर्ष 2015 में कपिल उनकी बेटी कौशल को छोड़कर किसी गैर महिला के साथ रह रहा था। पुलिस ने काफी छानबीन के बाद आरोपी कपिल और उसकी मां सुमित्रा को धर दबोचा।

पुलिस पूछताछ में कपिल ने बताया कि टैंक में जिस महिला का शव मिला था, वह उसकी प्रेमिका पूनम थी। पूनम बलिया की रहने वाली थी। कपिल अपनी प्रेमिका पूनम और मां सुमित्रा के साथ हॉस्टल में रह रहा था, लेकिन उसका अक्सर पूनम से झगड़ा होता रहता था। कपिल ने पुलिस को बताया कि 5 मई को भी उसका पूनम के साथ झगड़ा हुआ था। इस दौरान कपिल की मां ने पूनम को कुछ बोल दिया था। इसी बात को लेकर गुस्से में आई पूनम ने सुमित्रा को बुढ़िया कहते हुए थप्पड़ मार दिया था। यह बात कपिल को नागवार गुजरी और उसने अपनी मां सुमित्रा के साथ मिलकर पूनम को धक्का देकर नीचे गिरा दिया और फिर गला दबाकर और सिर पटक-पटक कर उसकी हत्या कर दी थी। हत्या करने के बाद मां-बेटे ने शव को ठिकाने लगाने के लिए तीसरी मंजिल की छत पर पानी के टैंक में जाकर फेंक दिया था। इसके बाद घर का ताला लगाकर दोनों फरार हो गए थे। ईकोटेक वन कोतवाली प्रभारी अनुज कुमार ने बताया कि आरोपी कपिल की शादी कासगंज की रहने वाली कौशल के साथ हुई थी। पुलिस पूछताछ में कपिल ने बताया की शादी के कुछ दिनों बाद उसकी जिंदगी में पूनम आ गई। कपिल ने बताया कि ग्रेटर नोएडा की एकांकी एंक्लेव सोसाइटी में उसके भाई रहते हैं। इसी सोसाइटी में उसकी भाभी घरेलू सहायिका का काम करती है। भाभी के साथ पूनम भी सोसाइटी में घरेलू सहायिका का काम करती थी। कपिल का भाई के घर आना-जाना था। इसी बीच उसकी मुलाकात पूनम से हुई थी। दोनों के बीच प्रेम प्रसंग शुरू हो गया। बात इतनी बढ़ गई कि कपिल ने पूनम के साथ शादी करने के लिए अपनी पत्नी कौशल को छोड़ दिया।

यौन उत्पीड़न के आरोपों के बारे में सुनने के बाद भी आपके बगल में बैठना पाप - राज्यपाल से बोलीं ममता

कोलकाता, एजेंसी।
यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर राज्यपाल सीवी आनंद बोस पर अपना हमला तेज करते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि यौन उत्पीड़न के आरोपों के बारे में सुनने के बाद भी आपके बगल में बैठना पाप है। ममता ने कहा अगर राज्यपाल चाहेंगे तो वह उनसे सड़कों पर मिलेंगी, लेकिन राजभवन नहीं जाएंगी, क्योंकि उनके बगल में बैठना अब पाप होगा। बृहस्पतिवार को यौन उत्पीड़न की घटना वाले दिन की सीसीटीवी फुटेज की स्क्रीनिंग का जिक्र करते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने आरोप लगाया कि इसे संपादित किया गया था। उन्होंने कहा कि उनके पास पूरी फुटेज के साथ-साथ और वीडियो वाली एक पेन ड्राइव भी है। यौन उत्पीड़न के आरोपों पर सीवी आनंद बोस ने ममता बनर्जी पर कटाक्ष करने के लिए दीदीगिरी शब्द का इस्तेमाल किया था और कहा था कि दीदीगिरी नहीं चलेगी।

शनिवार को हुगली में एक रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने हिंदी और बंगाली के मिश्रण में कहा, माननीय राज्यपाल, मेरी गलती क्या है? मुझे यह भी नहीं पता कि पूरी घटना क्या है? राज्यपाल ने कहा था कि दीदीगिरी नहीं चलेगी

और मैं कहती हूं कि सही है। दादागिरी और दीदीगिरी नहीं चलेगी, लेकिन राज्यपाल, आपको पहले पद छोड़ना होगा। आप कौन होते हैं एक महिला को यातना देने वाले मैंने सुना है कि उन्होंने कल प्रेस को बुलाया था। क्या उन्होंने पूरी सीसीटीवी फुटेज दिखा दी मेरे पास सीसीटीवी फुटेज की एक कॉपी है। मुझे यह प्रेस के एक साथी से मिली है। संपादित कॉपी भी मेरे पास है। यौन उत्पीड़न की पूरी बात अभी तक सामने नहीं आई है। मुझे एक और वीडियो मिला है। एक पेन ड्राइव में और भी घटनाएं हैं, इसके बाद की घटनाएं।

हिन्दू नेता की हत्या के षड्यंत्र के मामले में एक और आरोपी बिहार से गिरफ्तार

सूरत , एजेंसी।
सूरत क्राइम ब्रांच ने हिन्दू नेताओं की हत्या के षडयंत्र के मामले में एक और आरोपी को बिहार के मुजफ्फरपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी शहनाज उर्फ मोहमद अली उर्फ मोहमद साबिर को लेकर क्राइम ब्रांच सूरत लौट आई है। सूरत क्राइम ब्रांच आरोपी मोहमद अली मोहमद साबिर को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेगी। रिमांड के दौरान आरोपी से पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे होने की संभावना है। बता दें कि देश के जाने-माने हिन्दूवादी नेताओं को टार्गेट कर उनको जान से मार की धमकी और उनकी हत्या का षडयंत्र रचने वाले एक मौलवी को सूरत क्राइम ब्रांच ने कुछ दिन पहले ही गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार मौलवी आम चुनावों के दौरान सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने की साजिश रच रहा था। सूरत की एक धागा फैक्ट्री में बतौर मैनेजर के रूप में काम करनेवाले और मुस्लिम बच्चों को इस्लाम पर निजी ट्यूशन देनेवाला मौलवी सोहेल अबुबक्र मोल मूल रूप से महाराष्ट्र के नंदूरबार का रहने वाला है। जो लंबे समय से सूरत में रहता था और सूरत से ही उसे क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। उसे हिन्दू सनातन संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपदेश राणा को मारने के लिए पाकिस्तान और नेपाल के लोगों के साथ मिलकर 1 करोड़ रुपए की सुपारी देने और पाकिस्तान से हथियार खरीदने की साजिश रचते हुए पाया गया था। मौलवी के फोन नंबर से मिली तस्वीरें और अन्य विवरण से पता चला कि वह सुदर्शन टीवी के प्रधान संपादक सुरेश चव्हाणके, राजनीतिक नेता नुपुर शर्मा और हैदराबाद के विधायक टी राजासिंह को निशाना बनाने और धमकी देने के बारे एक सुरक्षित एप पर चर्चा कर रहा था। जांच में यह भी खुलासा हुआ था कि ये लोग बहुत कट्टरपंथी हैं और हिन्दुत्ववादी नेताओं की हत्या के बारे में बात करते थे। इन्होंने हिन्दू समाज के उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष कमलेश तिवारी की हत्या पर भी चर्चा की थी, जिनकी 18 अक्टूबर 2019 को लखनऊ में हत्या कर कर दी गई थी।

लोकसभा चुनाव 2024 : कृष्णनगर में दो महिलाओं का दिलचस्प चुनावी मुकाबला

कृष्णनगर , एजेंसी।
पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में जलंगी नदी के किनारे बसे ऐतिहासिक कृष्णनगर संसदीय सीट पर इस बार दो महिलाओं के बीच विरासत और इतिहास की जंग है.यह दोनों महिलाएं हैं नगद लेकर सवाल पूछने के आरोप में संसद से निष्कासित पूर्व स्थानीय सांसद और तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार मोहुआ मोइत्रा और स्थानीय राजपरिवार की उत्तराधिकारी अमृता राय. बीजेपी ने यहां अमृता राय को अपना उम्मीदवार बनाया है. दूसरी ओर, लेफ्ट और कांग्रेस के साझा उम्मीदवार एस.एम.सादी भी अपनी जीत के दावे कर रहे हैं. इस सीट पर चौथे चरण में 13 मई को मतदान होना है. जस की तस शहर की समस्याएं कृष्णनगर सीट अपने ऐतिहासिक विरासत और उम्मीदवारों के कारण राज्य की सबसे अहम सीटों में शामिल हो गई है. यह इलाका किसी दौर में लेफ्ट का गढ़ था. वह नौ बार यह सीट जीत चुकी है. हालांकि बीते तीन चुनावों में यहां तृणमूल कांग्रेस का ही परचम लहराता रहा है. सांसद चाहे किसी भी पार्टी का रहा हो, शहर की समस्याएं जस की तस हैं. अनियंत्रित शहरी विकास के कारण होने वाली समस्याओं के अलावा जलंगी नदी पर बनने वाले बांध और शहर के बीचोबीच एक रेलवे ओवरब्रिज की मांग दशकों पुरानी है. स्थानीय लोगों का आरोप है कि अब तक किसी ने भी इस मुद्दे पर कुछ खास काम नहीं किया है. बावजूद इसके कई लोग चाहते हैं कि इस बार भी महुआ ही जीतें. कृष्णनगर में रहने वाली गृहिणी शोभा घोष डीडब्ल्यू से कहती हैं, इलाके में चाहे कोई भी जीते, स्थानीय समस्याओं पर ध्यान देना जरूरी है.

बीजेपी उम्मीदवार को राजनीति की कितनी समझ है, यह तो नहीं पता. वो पहली बार राजनीति में उतरी हैं. लेकिन महुआ मोइत्रा की संसद में सक्रियता के कारण कृष्णनगर हमेशा सुर्खियों में रहा है. अब शायद अपने दूसरे कार्यकाल में वह इलाके की समस्याओं पर भी ध्यान देंगी पश्चिम बंगाल में अल्पसंख्यक वोट बैंक पर खींचतान इसी तरह एक कॉलेज में एम.काम की पढ़ाई करने वाले आशुतोष मुखर्जी का कहना है, तमाम दलों ने इस सीट को प्रतिष्ठा का सवाल बना लिया है. लेकिन उनको स्थानीय समस्याओं के साथ ही रोजगार और उद्योगों पर भी ध्यान देना चाहिए. यहां रोजगार के नाम पर कुछ भी नहीं है बीजेपी के लिए महुआ को हराना अहम है. उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान संसद में अडानी से संबंधित सवाल उठा कर सरकार की नाक में दम कर दिया था. आखिर में उनकी सदस्यता तक रद्द कर दी गई. यही वजह है कि बीजेपी ने उनको हराने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है. उधर टीएमसी ने भी यहां महुआ की जीत को अपनी नाक और साख का सवाल बना लिया है. अमृता राय का शाही परिवार बीजेपी उम्मीदवार अमृता राय को स्थानीय लोग रानी मां के नाम से संबोधित करते हैं. इस चुनाव में अचानक वर्ष 1757 में हुए पलासी के युद्ध का जिक्र भी होने लगा है. दरअसल, अमृता राय उसी कृष्णचंद्र राय के परिवार से हैं जिन पर पलासी की लड़ाई में बंगाल के तत्कालीन नवाब सिराजुद्दौला के खिलाफ अंग्रेजों का साथ देने के आरोप लगते रहे हैं. हालांकि अमृता राय की दलील है कि दरअसल कृष्णचंद्र राय सिराज के खिलाफ साजिश में शामिल होकर अंग्रेजों की सहायता से सनातन धर्म की रक्षा करना चाहते थे. अमृता की उम्मीदवारी ने एक बार फिर राजा-रजवाड़ों के दौर और ब्रिटिश शासनकाल की घटनाओं पर आरोप-प्रत्यारोप और बहस तेज कर दी है.

बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व के लिए यह सीट किस कदर नाक का सवाल बन गई है, यह इसी से पता चलता है प्रधानमंत्री समेत पार्टी के कई दिग्गज नेता, अमृता के समर्थन में चुनावी सभाओं को संबोधित कर चुके हैं. अभिनेता

मिथुन चक्रवर्ती ने भी यहां रोड शो किया है. लोकसभा चुनाव में बढ़ी पश्चिम बंगाल की अहमियत माना जाता है कि राजा कृष्णचंद्र राय (1728-1782) के नाम पर इस शहर का नाम कृष्णनगर पड़ा था. एक अन्य मान्यता के मुताबिक राजा कृष्णचंद्र राय श्रीकृष्ण के भक्त थे. इसलिए उन्होंने इस शहर का नाम कृष्णनगर रखा था. कृष्णनगर के बीचोबीच अब राजबाड़ी की शानदार इमारत खड़ी है.राजबाड़ी की दुर्गापूजा भी काफी मशहूर है. राजनीति में उतरने वाली इस राजपरिवार की पहली सदस्य अमृता राय कहती हैं, कि वो आम लोगों की आवाज बनने के लिए राजनीति में आई हैं. दोबारा जीत के लिए मोइत्रा आश्वस्त दूसरी तरफ महुआ मोइत्रा अपनी जीत के प्रति आश्वस्त हैं. कृष्णनगर साल 2009 से ही टीएमसी का मजबूत गढ़ रहा है. वर्ष 2009 और 2014 में यहां अभिनेता तापस पाल जीते थे. वर्ष 2019 में ममता बनर्जी ने यहां से महुआ मोइत्रा को टिकट दिया.

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएचआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,काठीटांड़,नियर टेंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादकः सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेलः purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निबटाये जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)